



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 34]
No. 34]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 24, 1991/भाद्रपद 2, 1913
NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 24, 1991/BHADRA 2, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा संभाग को छोड़ कर) भारत सरकार के संभागों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than
the Ministry of Defence)

विधि और न्याय संभाग
(विधि कार्य विभाग)

सूचनाएं

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 1991

का.आ. 2227.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में
सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री सुभाष शर्मा ने
उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 1 के अधीन एक आवेदन इस
बात के लिए दिया है कि उसे दुरधन में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के
रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आदेश इस सूचना के प्रकाशन के
चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में भेजे पास भेजा जाए।

[सं. फा. 5(71)/91-न्या.]

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE
(Department of Legal Affairs)
NOTICES

New Delhi, the 31st July, 1991

S.O. 2227.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that appli-

cation has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Subhash Sharma for appointment as a Notary to practise in Kurukshetra.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(71)/91-Judl.]

नई दिल्ली, 2 अगस्त, 1991

का.आ. 2228.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में
सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री अशोक कुमार चौधरी ने
उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस
बात के लिए दिया है कि उसे खलीदा (उत्तर प्रदेश) में व्यवसाय करने
के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आदेश इस
सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में भेजे पास भेजा जाए।

[सं. फा. 5(22)/89-न्या.]

New Delhi, the 2nd August, 1991

S.O. 2228.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that appli-

cation has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Ashok Kumar Choudhry for appointment as a Notary to practise in Aligarh (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(22)/89-Judl]

का.आ. 2229.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री विक्रम चन्दर एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जगरांव (पंजाब) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[मं. फा. 5(72)/91-न्या.]

S.O. 2229.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Bikram Chander, Advocate for appointment as a Notary to practise in Jagraon (Punjab).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(72)/91-Judl.]

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 1991

का.आ. 2230.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री देवकी नन्दन मैती ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे मिदनापोर जिला में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[मं. फा. 5(73)/91-न्या.]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 8th August, 1991

S.O. 2230.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Debaki Nandan Maiti for appointment as a Notary to practise in Midnapore District.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(73)/91-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority.

कामिक, लोक शिकायत तथा नेशनल मंत्रालय

(कामिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 7 अगस्त, 1991

का.आ. 2231.—केन्द्रीय सरकार दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम 1946 (1946 का 23) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित अपराधों को ऐसे अपराधों के रूप में विनिश्चित करती है, जिनका अन्वेषण दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना द्वारा किया जाएगा, अर्थात्:—

(क) रतबीर वण्ड संहिता संवत् 1989 (1989 का 2) (1932 ईस्वी सन) की धारा 341 और 427 के अन्तर्गत अपराधों का उपराध।

(ख) ऊपर वर्णित एक या अधिक अपराधों के संबंध में या उनके संतत प्रयत्नों, कुप्रेरणाओं और षड्यंत्रों के संबंध में और वैसे ही संव्यवहारों के अनुक्रम में किए गए किसी अन्य अपराध या अपराधों के संबंध में।

[संख्या 228/33/91-ए. पी. सी.-II]

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES & PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 7th August, 1991

S.O. 2231.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government hereby specifies the following offences as the offences which are to be investigated by the Delhi Special Police Establishment, namely:—

(a) Offences punishable under section 341 and 427 of Ranbir Penal Code, Samvat 1989 (Act No. II of 1989) (1932 A.D.),

(b) Attempts, abetments and conspiracies in relation to in connection with one or more of the offences mentioned above and any other offence or offences committed in the course of the same transaction.

[No. 228/33/91-AVD-II]

आदेश

नई दिल्ली, 7 अगस्त, 1991

का.आ. 2232.—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के अन्तर्गत, धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पुलिस स्टेशन कर्ण नगर, श्रीनगर के अन्तर्गत रजिस्टर किए गए मामला संख्या 17/91 दिनांक 11-6-91 व पुलिस स्टेशन शाहीद गंज, श्रीनगर के अन्तर्गत रजिस्टर किए गए मामला संख्या 62/91 दिनांक 11-6-91 के अन्तर्गत रतबीर वण्ड संहिता संवत् 1989 की धारा 302, 307, 452 और 427 के अधीन वण्डनीय अपराधों और उक्त अपराधों और उन्हीं तथ्यों से उत्पन्न होने वाले वैसे ही संव्यवहार के अनुक्रम में किए गए किसी अन्य अपराधों के संबंध में या उनके संतत प्रयत्नों, कुप्रेरणाओं और षड्यंत्रों के अन्वेषण के लिए, 1991 के सरकारी आदेश संख्या होम/351 दिनांक 11-7-91 के तहत जम्मू और कश्मीर सरकार की सहमति से दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तारगत संज्ञा जम्मू और कश्मीर राज्य पर करती है।

[संख्या 228/33/91-ए. पी. सी.-II]

ए. सी. शर्मा, अवसर सचिव

ORDER

New Delhi, the 7th August, 1991

S.O. 2232.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act 25 of 1946), the Central Government with the consent of Government of Jammu and Kashmir vide Government Order No. Home/351 of 1991 dated 14-7-91, hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Jammu and Kashmir for the investigation of the offences punishable under section 302, 307, 452 and 427 Ranbir Penal Code, Samvat 1989 and any attempts, abetments and conspiracy in relation to or in connection with the said offences or any other offences committed in the course of the same transaction arising out of the same facts or facts in the two cases registered vide FIR No. 17/91 dated 11-6-91 of Police Station Karan Nagar, Srinagar and FIR No. 62/91 dated 11-6-91 of Police Station Shaheed Gunj, Srinagar.

[No. 228/33/91-AVD-II]
A. C. SHARMA, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1991

(आयकर)

का.प्रा. 2233.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "आर.सी. माइसीज आफ मटुराई" को कर-निर्धारण वर्ष 1988-89 से 1990-91 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रखते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारित इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संशयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारित उधार-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जब-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में खर्चिष्ठक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारित के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[सं. 8899/का.सं. 197/209/87-आयकर(नि.-1)]
एस. के. चटर्जी, विशेष कार्य अधिकारी

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 5th July, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 2233.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby

notifies "R. C. Diocese of Madurai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1988-89 to 1990-91 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate it for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[No. 3399/F. No. 197/209/87-IT.A.I.]
S. K. CHATTERJEE, Officer on Special Duty

भादेश

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 1991

स्टाम्प

का.प्रा. 2234.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (i) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, मै. रोलेटेनर्स लि., नई दिल्ली को एक लाख अरब हजार पांच सौ रुपए मात्र के उक्त समेकित स्टाम्प शुल्क का भुगतान करने की अनुमति प्रदान करती है जो उक्त कंपनी द्वारा जारी किए जाने वाले एक करोड़ और पचास लाख रुपए के कुल मूल्य के 100/- 100/- रुपये के अधिक नूत्य के 1,50,000 स्टाम्पों पर स्टाम्प शुल्क के कारण प्रभावी है।

[सं. 33/91-स्टाम्प फा.सं. 33/41/91-बि.क.]
ठाकुर दत्त, उप सचिव

ORDER

New Delhi, the 8th August, 1991

STAMPS

S.O. 2234.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits Messers Rollatiners Limited, New Delhi, to pay consolidated stamp-duty of rupees One lakh twelve thousand five hundred only, chargeable on account of the stamp-duty on issue of 1,50,000 debentures of the face value of Rs. 100 each and of the aggregate value of rupees one crore and fifty lakh to be issued by the said company.

[No. 33/91-Stamps-F. No. 33/41/91-ST]
THAKUR DATT, Dy. Secy.

(अय विभाग)

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1991

का.प्रा. 2235.—राष्ट्रपति, भारत के संविधान के अनुच्छेद 77 के खंड (3) के अनुसरण में, वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन नियम, 1978 का और संशोधन करने के लिए, निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम, वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन (हमरा संशोधन) नियम, 1991 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन नियम, 1978 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 8 के उपनियम (2) में क्रम संख्यांक 3 की प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“3क—अतिरिक्त भत्ता।”

3. उक्त नियमों के नियम 10 के उपनियम (6) में, खंड (घ) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“इ. इस प्रकार नहीं किया जाएगा कि प्रारम्भिक यूनिट ‘अतिरिक्त भत्ता’ के अधीन उपबंध में वृद्धि की जा सके।”

[सं. एफ-1 (8)—ई-II (ए/91)]

डी. थायागेश्वरन, अवर सचिव

टिप्पण :—वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन नियम, 1978 अधिसूचना सं. का.आ. 2131, तारीख 22 जुलाई, 1978 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् उनका निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया :—

- (1) अधिसूचना सं. का.आ. 1887 तारीख 9-6-79
- (2) अधिसूचना सं. का.आ. 2942 तारीख 1-9-79
- (3) अधिसूचना सं. का.आ. 2611 तारीख 4-10-80
- (4) अधिसूचना सं. का.आ. 2164 तारीख 16-8-81
- (5) अधिसूचना सं. का.आ. 2304 तारीख 5-9-81
- (6) अधिसूचना सं. का.आ. 3073 तारीख 4-9-82
- (7) अधिसूचना सं. का.आ. 4171 तारीख 11-12-82
- (8) अधिसूचना सं. का.आ. 1314 तारीख 26-2-83
- (9) अधिसूचना सं. का.आ. 2502 तारीख 4-8-84
- (10) अधिसूचना सं. का.आ. 22 तारीख 5-1-85
- (11) शुद्धिपत्र सं. का.आ. 1958 तारीख 11-5-85
- (12) अधिसूचना सं. का.आ. 3082 तारीख 6-7-85
- (13) अधिसूचना सं. का.आ. 3974 तारीख 24-8-85
- (14) अधिसूचना सं. का.आ. 5641 तारीख 21-12-85
- (15) अधिसूचना सं. का.आ. 1548 तारीख 19-4-86
- (16) अधिसूचना सं. का.आ. 3183 तारीख 20-9-86
- (17) अधिसूचना सं. का.आ. 3787 तारीख 8-11-86
- (18) अधिसूचना सं. का.आ. 2508 तारीख 19-9-87
- (19) अधिसूचना सं. का.आ. 3092 तारीख 7-11-87
- (20) अधिसूचना सं. का.आ. 3581 तारीख 10-12-88
- (21) अधिसूचना सं. का.आ. 641 तारीख 17-3-1990
- (22) अधिसूचना सं. का.आ. 1469 तारीख 26-5-1990
- (23) अधिसूचना सं. का.आ. 2173 तारीख 18-8-1990
- (24) अधिसूचना सं. का.आ. 3033 तारीख 17-11-1990
- (25) अधिसूचना सं. का.आ. 3414 तारीख 22-12-1990
- (26) अधिसूचना सं. का.आ. 534 तारीख 23-2-1991

“3A. Overtime Allowance.”

3. In rule 10 of the said Rules, in sub-rule (6), after clause (d), the following clause shall be inserted, namely :—

“(e) so as to augment the provision under the primary unit ‘Overtime Allowance’.”

[No. F. 1(8)-E.II(A)91]

D. THYAGESWARAN, Under Secy.

NOTE.—The Delegation of Financial Powers Rules, 1978 published vide Notification No. SO. 2131, dated 22nd July, 1978 have subsequently been amended by :—

- (i) Notification No. S.O. 1887 dated 9-6-1979.
- (ii) Notification No. SO. 2942, dated 1-9-1979.
- (iii) Notification No. SO. 2611, dated 4-10-1980.
- (iv) Notification No. SO. 2164, dated 15-8-1981.
- (v) Notification No. SO. 2304, dated 5-9-1981.
- (vi) Notification No. SO. 3073, dated 4-9-1982.
- (vii) Notification No. SO. 4171, dated 11-12-1982.
- (viii) Notification No. SO. 1314, dated 26-2-1983.
- (ix) Notification No. SO. 2502, dated 4-8-1984.
- (x) Notification No. SO. 22, dated 5-1-1985.
- (xi) Corrigendum No. SO. 1958, dated 11-5-1985.
- (xii) Notification No. SO. 3082, dated 6-7-1985.
- (xiii) Notification No. SO. 3974, dated 24-8-1985.
- (xiv) Notification No. SO. 5641, dated 21-12-1985.
- (xv) Notification No. SO. 1548, dated 19-4-1986.
- (xvi) Notification No. SO. 3183, dated 20-9-1986.
- (xvii) Notification No. SO. 3787, dated 8-11-1986.
- (xviii) Notification No. SO. 2508, dated 19-9-1987.
- (xix) Notification No. SO. 3092, dated 7-11-1987.
- (xx) Notification No. SO. 3581, dated 10-12-1988.
- (xxi) Notification No. SO. 641, dated 17-3-1990.
- (xxii) Notification No. SO. 1469, dated 26-5-1990.
- (xxiii) Notification No. SO. 2175, dated 18-8-1990.
- (xxiv) Notification No. SO. 3033, dated 17-11-1990.
- (xxv) Notification No. SO. 3414, dated 22-12-1990.
- (xxvi) Notification No. SO. 534, dated 23-2-1991.

काशीनंद, मुख्य आयकर आयुक्त

कलकत्ता, 23 मई, 1991

सं. 2/91-92

का.आ. 2236.—आयकर अधिनियम की धारा 120 को उपधारा (1) और (2) तथा इस बाबत सभी अन्य सामर्थ्यकारी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, मुख्य आयकर आयुक्त, कलकत्ता एतद्वारा उ.आ. परिशेख 21, कलकत्ता के प्रशासनिक नियंत्रण एवं अधिकांशता के अधीन दिनांक 3-6-91 के प्रभाव से एक नये संकलन तथा एक नये बाई का सृजन करता हूँ। इन्हें सं.आ. (ओ. क.क. सर्वेख 21 (1), आ.अ. (ओ. क.क.) बाई-21 (7) के नाम से जाना जाएगा।

[सं. सं. आ./नु./योजना/345 (उप)/91-92]

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 1st August, 1991

S.O. 2235.—In pursuance of clause (3) of article 77 of the Constitution of India, the President hereby makes the following rules further to amend the Delegation of Financial Powers Rules, 1978, namely :—

1. (1) These rules may be called the Delegation of Financial Powers (Second Amendment) Rules, 1991.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 8 of the Delegation of Financial Powers Rules, 1978 (hereinafter referred to as the said Rules), in sub-rule (2), after entry at serial number 3, the following entry shall be inserted, namely :—

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER OF INCOME TAX

Calcutta, the 23rd May, 1991

No. 2/91-92

S.O. 2236.—In exercise of the powers conferred under sub-sections (1) and (2) of Section 120 of the Income Tax Act and all other powers enabling me in this behalf, I, the Chief Commissioner of Income Tax, Calcutta hereby create one new Circle and one new ward under the administrative control and jurisdiction of D.C. Range-21, Calcutta, known as the A. C. (T.D.S.), Circle-21 (1) and the I.T.O. (T.D.S.), Ward-21(7) with effect from 3-6-1991.

[No. AC/HQ/Planning/345 (sub)/91-92]

सं. 3/91-92

1

2

3

का.आ. 2237.— दिनांक 8-8-89 की अधिसूचना सं. 8/89-90 तथा दिनांक 23-1-91 की अधिसूचना सं. 14/90-91 का आंशिक संशोधन करते हुए, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 120 की उपधारा (1) और (2) तथा इस संबंध में सभी अन्य सामर्थ्यकारी शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, मुख्य आयकर आयुक्त कलकत्ता, दिनांक 8-8-89 की अधिसूचना सं. 8/89-90 की अनुसूची के कालम 3 और दिनांक 23-1-91 की अधिसूचना सं. 14/90-91 की अनुसूची के कालम 3 में वर्णित वार्ड-21 (1) एवं नव सृजित वार्ड तथा सर्कल को सुपुर्दे की गई अधिकारिता में निम्नलिखित संशोधन करता हूँ।

2. यह अधिसूचना दिनांक 3-6-1991 से प्रभावी होगी। इसे मुख्य आयकर आयुक्त-II तथा III कलकत्ता की महमनि से जारी किया जा रहा है।

अनुसूची

आ.आ.प.ब.-7, परिशेख-21 कल. अधिकांश
कलकत्ता के अधीन के अधीन वार्ड
परिशेख सर्कल

1	2	3
आयकर उपायुक्त आ.आ. (स्त्रो.) रेंज-21, कलकत्ता कल. वार्ड-21 (6)	आयकर अधिनियम 1961 के अध्याय 17-बी धारा 195 को छोड़कर अध्याय-17-डी एवं अध्याय-21 के सभी धाराओं से सम्बन्धित सभी मुद्दे, उक्त अधिनियम की धारा 201 की उपधारा (1) के सम्बन्ध में चूककर्ता माने गए निर्धारितियों से सम्बन्धित ऐसे निर्धारितियों जिनका निर्धारण पश्चिम बंगाल प्रभ के बाहर होता है जिन्हें "टैन्" का प्रावटन मुख्य आयकर आयुक्त, प.ब., कलकत्ता के कार्यालय द्वारा किया गया।	
आयकर उपायुक्त स.आ.शा. परिशेख-21, कल. (स्त्रोकल.) सर्कल-21 (1)	आयकर अधिनियम 1961 के अध्याय-17 बी धारा 195 को छोड़कर अध्याय-17-डी एवं अध्याय-21 के सभी धाराओं से संबंधित सभी मुद्दे उक्त अधिनियम की धारा 201 की उप धारा (1) के संबंध में, चूककर्ता माने गये निर्धारितियों से संबंधित ऐसे	

निर्धारितियों/डी.टी. ओ. जिसका निर्धारण पश्चिम बंगाल सरकार के अधीन कलकत्ता में होता है। आयकर अधिनियम 1961 के अध्याय-17-बी (धारा 195 को छोड़कर) के सभी धाराओं के अधीन पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा की गई कटीतियों पर उनकी अधिकारिता होगी। आयकर अधिनियम 1961 की धारा 192, 193, 194, 194-ग, 194-बीबी, 194-सी, 194-डी तथा 194-एफ के उपबंधों के अनुसार पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा किये गये स्रोत पर कटीती के संबंध में, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 120 तथा 221 की उपधारा (1) तथा (1ए) के अधीन निहित शक्तियों का प्रयोग, उक्त स.आ.आ. सर्कल-21 (1) करेंगे।

आयकर उपायुक्त आ.आ.
परिशेख-21, (स्त्रो. कल.)
कल. वार्ड-21 (7)
कलकत्ता

आयकर अधिनियम 1961 के अध्याय-17-बी धारा 195 को छोड़कर, अध्याय-17-डी एवं अध्याय-21 के सभी धाराओं से संबंधित सभी मुद्दे उक्त अधिनियम की धारा 204 की उपधारा (1) और के संबंध में, चूककर्ता माने गये निर्धारितियों से संबंधित ऐसे निर्धारितियों जो पश्चिम बंगाल-11, कलकत्ता (इस अधिकारिता के अधीन मुफसिल जिला को छोड़कर) के अधिकारिता में हैं या होंगे, तथा ऐसे सभी निर्धारितियों के संबंध में भी जिन्हें आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10 के अधीन छूट प्राप्त है।

[स.स.आ./मुख्यालय/345 (उप)/91-92]
डॉ. एन.आर. शिवस्वामी, मुख्य आयकर आयुक्त

No. 3/91-92

S. O. 2237.— In partial modification of the Notification No. 8/89-90 dated 8-8-89 and No. 14/90-91 dated 23-1-91 and in exercise of all the powers under sub-sections (1) & (2) of Section 120 of the Income Tax Act, 1961 and all other powers enabling me in this behalf, I, the Chief Commissioner of Income Tax, Calcutta, make the following amendments to the jurisdiction assigned to the Ward-21(6) as mentioned in col. 3 of the schedule appended to the Notification No. 8/89-90 dated 8-8-89 and col. 3 of the schedule appended to the Notification No. 14/90-91 dated 23-1-91 and also assign the jurisdiction with newly created Wards & Circles as per Schedule below.

2. This notification will come into effect from 3-6-1991 and is issued with the concurrence of the Chief Commissioners of Income Tax-II and III, Calcutta.

SCHEDULE

Range under C.I.T., WB-VII, Cal.	Wards/Circle under Range-21, Calcutta	Jurisdiction
1	2	3
Deputy Commissioner of Income Tax, Range 21, Calcutta.	I.T.O. (T.D.S.) Ward 21(6).	All matters relating to all the sections in Chapter XVIIIB except section 195, Chapter XVIII and Chapter XXI of the I.T. Act, 1961 for the assessee deemed to be in default in respect of the tax under sub-sec.(1) of Section 201 of the said Act, in respect of all the assessee who are assessed outside the charge of West Bengal but have been allotted TAN by the office of the Chief Commissioner of Income Tax, W.B., Calcutta.
Deputy Commissioner Income Tax, Range-21, Calcutta.	A.C.I.T. (T.D.S.) Circle-21(1).	All matters relating to all the sections in Chapter-XVIIIB, except sec. 195, Chapter-XVIII and Chapter-XXI of the I.T. Act, 1961 for the assessee deemed to be in default in respect of the tax under sub-sec. (1) of Sec. 201 of the said Act in respect of all assessee/D.D.Os under the Govt. of West Bengal within Calcutta. He will hold jurisdiction over all matters relating to deductions made by the Govt. of West Bengal or on behalf of the Govt. of West Bengal under all the sections in Chapter-XVIIIB (except sec. 195) of the I.T., Act, 1961. The said A.C.I.T. Circle-21 (1) will also exercise powers vested under sub-sec. (1) and (1A) of Sec. 201 and Sec. 221 of the I.T. Act, 1961 relating to deductions of tax at source made by the Govt. of West Bengal as per provisions of sections 192, 193, 194, 194A, 194BB, 194C, 194D and 194F of the I.T. Act. 1961.
Deputy Commissioner of Income Tax, Range-21, Calcutta.	I.T.O. (T.D.S.) Ward-21 (7).	All matters relating to all the sections in Chapter-XVIIIB, except section 195, Chapter-XVIII and Chapter-XXI of the I.T. Act, 1961 for the assessee deemed to be in default in respect of the tax under sub-sec. (1) of Section 201 of the said Act, in respect of all the persons who are or would come under the jurisdiction of C.I.T., WB-XI, Calcutta (excepting mofussil Districts under this jurisdiction), and also in respect of all the persons whose income are exempt u/s. 10 of the I.T. Act, 1961.

घाणिज्य मंत्रालय

(मुख्य निर्यातक आयात-निर्यात का कार्यालय)

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 1991

11. प्रा. 2238.—मैसर्स लुफ्थान्सा जर्मन एयरलाइंस को सामान्य निर्यात के लिए 'क' के तहत एयर क्राफ्ट सामग्री के आयात के लिए 30,00,000 रुपये (तीस लाख रुपये मात्र) के लिए एक सीमाशुल्क निर्यात परमिट सं. पी/जे/3091608 दिनांक 13-2-91 दिया गया था।

पार्टी ने उपर्युक्त सीमाशुल्क निकासी परमिट की अनुलिपि प्रति जारी करने के विरोध में आधार पर आवेदन किया है कि एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स, नहर, बम्बई के पास पंजीकृत करने के बाद मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट सीमाशुल्क प्राधिकारी से खींचा गया है।

अपने दावे के समर्थन में लाइसेंसधारी ने नोटरी पब्लिक बम्बई के समक्ष विधिवत शपथ लेकर रसीदों कागज पर एक हलफनामा दाखिल किया है। तदनुसार मैं संतुष्ट हूँ कि मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट सं. पी/जे/3091608 दिनांक 13-2-91 खींचा गया है। अतः यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की उपधारा 9 (गग) के तहत प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स लुफ्थान्सा जर्मन एयरलाइंस को जारी किया गया सीमाशुल्क निकासी परमिट सं. पी/जे/3091608 दिनांक 13-2-91 एतद्वारा रद्द किया जाता है।

पार्टी की सीमाशुल्क निकासी परमिट की अनुलिपि अलग से जारी की जा रही है।

[सं. 17-एयर/81/एस-91/एम एस/472]
माया डी. केम, उप मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)
New Delhi, the 6th August, 1991

S.O. 2238.—M/s. Lufthansa German Airlines were granted a CCP No. P/J[3091608 dated 13-2-91 for Rs. 30,00,000 (Thirty Lakhs) for import of Aircraft Materials Under Section 'A' from G.C.A.

The firm has applied for issue of Duplicate CCP of the above mentioned CCP on the grounds that the original CCP has been misplaced by Customs after having been registered with Air Cargo complex Sahar, Bombay.

In support of their contention, the Licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before a Notary Public Bombay. Accordingly I am satisfied that the original CCP No. P/J[3091608 dated 13-2-91 has been lost. In exercise of the powers conferred under Sub-clause 9(CC) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended the said CCP No. P/J[3091608 dated 13-2-91 issued to M/s. Lufthansa German Airlines is hereby Cancelled.

A duplicate CCP is being issued to the party separately.

[No. 17-Air[81]AM-91[ALS]472]

MAYA D. KEM, Dy. Chief Controller of Imports & Exports

आदेश

नई दिल्ली, 7 अगस्त, 1991

का.प्रा. 2239.—मे. इन्सिल्को, हेमकुंट चैम्बर्स (तृतीय तल) 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019 को सामान्य मूत्रण क्षेत्र के अंतर्गत

100 मी. टन स्प्रै ड्रायड सिलिका के आयात के लिए 26,00,000/- रुपये (छब्बीस लाख रुपये मात्र) का एक आयात लाइसेंस सं. पी/डी/2279090, दिनांक 11-1-90 मंजूर किया गया था।

फर्म ने उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति एयर कार्गो पर जारी करने के लिए आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है या ग़ुम हो गई है। यह भी बताया गया है कि लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति सीमाशुल्क प्राधिकारी, बम्बई से पंजीकृत थी और इस प्रकार सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति के मूल्य का आंशिक इस्तेमाल किया गया है।

2. अपने तर्कों के समर्थन में लाइसेंसधारी ने नोटरी पब्लिक दिल्ली के समक्ष स्टाम्प पेपर पर विधिवत शपथ लेकर एक हलफनामा दाखिल किया है। तदनुसार मैं संतुष्ट हूँ कि आयात लाइसेंस सं. पी/डी/2279090 दिनांक 11-1-90 की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति फर्म से खो गई है या ग़ुम हो गई है। समय-समय पर यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 दिनांक 7-12-1955 की उपधारा 9 (गग) के अंतर्गत प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मे. इन्सिल्को, नई दिल्ली को जारी की गई उक्त मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति सं. पी/डी/2279090, दिनांक 11-1-90 को एतद्वारा निरस्त किया जाता है।

3. पार्टी को उक्त लाइसेंस की दूसरी सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[का. सं. सनि/एनएस/14/1776/डीजीडीडी/एस-90/एसएसएस/609]
उप मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात

ORDER

New Delhi, the 7th August, 1991

S.O. 2239.—M/s. Insilco, Hemkunt Chambers (3rd Floor) 89, Nehru Place New Delhi-110019 were granted an import licence No. P/D[2279090 dated 11-1-90 for Rs. 26,00,000 Rupees, (Twenty six lakhs only) for import of 100 MT. of Spray Dried Silica, under G.C.A.

The firm has applied for issue of Duplicate copy of Customs purposes copy of the above mentioned licence on the ground that the original Customs purposes copy of the licence has been lost or misplaced. It has further been stated that the Customs purposes copy of the licence was registered with Customs Authority, Bombay and as such the value of Customs purpose copy has been utilised partly.

2. In support of their contention, the licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before a Notary Public Delhi. I am accordingly satisfied that the original Customs purposes copy of import licence No. P/D[2279090 dated 11-1-90 has been lost or misplaced by the firm in exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Import (Control) Order, 1955 dt. 7-12-1955 as amended the said original Customs purposes copy No. P/D[2279090 dt. 11-1-90 issued to M/s. Insilco, New Delhi, is hereby cancelled.

3. A duplicate Customs purpose copy of the said licence is being issued to the party separately.

[F. No. SUPPL/NS-14/1776/DGTD/AM90/SLS/609]

Sd/- (Illegible)

Dy. Chief Controller of Imports & Exports

साथ एवं नागरिक धर्म संज्ञासूची

(नागरिक धर्म विभाग)

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 2 अगस्त, 1991

का. शा. 2240.—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन विधिम, 1985 के विनियम 4 के उपविधिम (3) के अन्तर्गत भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे संशोधित कर दिए गए हैं :

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या	देशता की अधि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु प्रक्रिया और संबद्ध भारतीय मानक
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	1964168	1989-04-16	मै. गैलेक्सी केबल इंस्ट्रुमेंट, प्लॉट नं. 3-एन, एम आई डी सी, मुपवाडा ब्लॉक, सांगली-616416	एल्यूमीनियम के लव्हांग जालक आई एस : 398 (भाग 1)--1976
2.	1964269	1989-04-16	मै. सीना उद्योग, 126/652 सैनी मोहल्ला, खारी कुआं के पास, नांगलोई, दिल्ली-110041 (कार्या : 3495 गली बजरंगवली, चावडी बाजार, दिल्ली-110066)	इस्पात के कच्चे टाइप मध्यम भार साइज 65 मिमी से 125 मिमी तक आई एस : 1341--1981
3.	1964370	1989-04-16	मै. स्वराज डोर लिक्स प्रा. लि., सी-62, सेक्टर-4, लोएडा-201301, जि. नाजियाबाद	सूक्ष्म हस्तान के कच्चे, टाइप मध्यम भार साइज सभी आई एस : 1341--1981
4.	1964471	1989-04-16	मै. हिन्दुस्तान प्रिंटिंग वर्क्स, सी-112 ओब्रला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-1, नई दिल्ली	विद्युत संस्थापन हेतु बिजली के वृक्ष कंड्यूट, 25 मिमी साइज आई एस : 2509--1972
5.	1964572	1989-04-16	मै. ओसवाल इलेक्ट्रिकल्स, 49 इंडस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद (हरियाणा)	कृषि प्रयोजनों के लिए अपकेन्द्री पम्प हेतु तीन फेजी स्विचरल पिजरी प्रेरण मोटर, 37 जित्त श्रेणी ए रोशन सहित आई एस : 7538--1975
6.	1964673	1989-04-16	मै. पाल बाल एंड काकस, मार्गिन रोड, होशियारपुर-146001	जलकल प्रयोजनों हेतु तांबा मिश्रधातु के गेट, ब्लॉक और बैंक बाल्व आई एस : 778--1984
7.	1964774	1989-04-16	मै. श्रीन उद्योग, 13 लक्ष्मीनगर, वाधा कालोनी, जालंधर शहर	जी एम गेट, ब्लॉक और बैंक बाल्व आई एस : 778--1984
8.	1964875	1989-04-16	मै. महाराज इंजी. एंड इंवेस्टमेंट (प्रा.) लि., ए-29, फेज-7, इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोहाती	द्रवों के साथ प्रयुक्त अल्युमीनियम रेगुलेटर में टाइप आई एस : 9798--1981
9.	1964976	89-04-16	मै. वेंकटेश्वर कंड्यूट प्रा. लि., एफ-20, स्प्रिफोट इंड. कॉम्प्लेक्स, गुम्मीडिपोडी-601201 (कार्या : सतकुसुमा स्ट्रीट, उरा तल, मद्रास-600001)	संरचना प्रयोजनों हेतु एम एम टाइप 210 ग्रेड, हल्के मध्यम श्रेणी साइज : 80 मिमी एनबी तक आई एस : 1161--1979
10.	1965069	89-04-16	मै. माहन लाइन, 25 चंडीताला ब्रांच रोड, कलकत्ता-700053 (कार्या : 152 हरीश मुखर्जी रोड, कलकत्ता-700025)	घंटी संकेतन हेतु स्वतः निरापद ट्रांसफार्मर परिपथ रेटिंग 110/15 वोल्ट पर, एक फेजी 50 हर्ट्ज गैस ग्रेप 1 के एस टी-1 आई एस : 10406--1983
11.	1965170	89-04-16	मै. डायमंड इंजी. कं., 729 सिबी रोड, रामनाथपुरम, कोयम्बतूर-641045	एक फेजी बिजली की मोटर, संयारित स्टार्ट और प्रेरण रन सहित टाइप, रेटिंग 1.1 किश श्रेणी "ए" रोशन सहित आई एस : 996--1979

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
12. 1965271	89-04-16	मै. जे पी एन्टरप्राइजेज, ई-3 इंडस्ट्रियल एस्टेट, तालकटोरा, लखनऊ (कार्या: इंटेक रोड (कमाई बाड़ा) लखनऊ (उ. प्र.)	डीजल इंजन आई एम : 11170--1985	
13. 1965372	89-04-16	मै. क्वालिटी रोल्स कारपोरेशन, शिमलापुरी मिल रोड, लुधियाना-141003	पटकोणीय शीर्षे वाला काबले, साइज एम 30 तक संपत्ति वर्ग 4.6 और 5.6 और डिबरो साइज एम 30 सहित संपत्ति श्रेणी 5 आई एम : 1563 (भाग 1 और 3)--1986	
14. 1965473	89-04-16	मै. गुरमिन्दर एगो. इंजीनियरिंग इंड., जी. टी. रोड, मिलरगंज, लुधियाना	कृषि प्रयोजनों हेतु डीजल इंजन, उर्ध्वधर सिलिंडर, जल शीतित, चार स्ट्रोक डीजल इंजन टाइप टी आर बी 5.5 किबा (7.5 अश्वशक्ति), 1500 चप्रमि, श्रेणी बी, एस एफ सी घोषित) 25ग्र/किबा/घं. यांत्रिक क्षमता 80% (परिकल्पित) आई एम : 11170--1985	
15. 1965574	89-04-16	मै. पुनम इंडस्ट्रीज, ई-35, 1-2 ईड. एरिया, जालंधर-144004 (कार्या: जी. टी. रोड नाज सवेमा के पास जालंधर शहर)।	इस्पात संरचना के लिए पटकोणीय काबले एम-12 और एम-16, श्रेणी 5.6 आई एस : 6639--1972	
16. 1965675	89-04-16	मै. सैफी बकेट फैक्ट्री प्रा. लि., 37 सांकली स्ट्रीट, बम्बई-400008 (कार्या: 156 नामदेवी स्ट्रीट, बम्बई-400003)	टाइप बी बड़े ड्रम जड़ित सिरे वाले आई एस : 1783 (भाग 2)--1983	
17. 1965776	89-04-16	मै. हरिवंश पैकेजिंग प्रोडक्ट्स, एफ-9/23, एम आई डी सी ईड. एरिया, हिंमना रोड, नागपुर (कार्या: 205 गिरीशवेस्ट हार्ड कोर्ट रोड, घरमपेट, नागपुर-440010)	व्यापारिक उच्च विस्फोटकों के लिए नाली दार रेगा बोर्ड की पेटियां आई एस : 10112 (भाग 1)--1986	
18. 1965877	89-04-16	मै. डिमन ड्रम एंड बैरलस (प्रा) लि., गुलसंद प्रा, रसायनी-410207 (कार्या: 24/बी/हमाम स्ट्रीट, 3 सरा तप, रामा बहादुर कंधाउंड, ललित रिक्लेममेंट के पीछे, बम्बई-400023)	टाइप बी बड़े ड्रम जड़ित सिरे वाले आई एस : 1783 (भाग 2)--1983	
19. 1965978	89-04-16	मै. प्रवीण पम्प प्रा. लि., 7 जी आई डी सी एस्टेट, विसनगर, जि. मेहसाणा-384315 (उ. गुज.)	निमज्ज्य पम्प आई एम : 8034--1976	
20. 1966071	89-04-16	मै. मटराज टिन मैयू फैक्ट्रिंग कं., प्लॉट नं. 153 गिरिराज के पास, रोलर मिल, 0/5 भजीवाडी परवेजा, जूनागढ़ (कार्या: 0/5 भजीवाडी गेट, पोबा नं. 66, जूनागढ़-322001)	वनस्पति और खाद्य तेलों हेतु 15 किबा टीन के कनस्तर आई एस : 10325--1982	
21. 1966172	89-04-16	मै. सेटेलाइट केबलस प्रा. लि., एफ-626 इंडस्ट्रियल एरिया, मिवाडी-301019 जि. अलवर (राज.)	1100 बो तक कार्यकारी बोल्टना हेतु पी बी सी रोहित केबल आई एम : 694--1971	
22. 1966273	89-04-16	मै. के. एस. एंटरप्राइजेज (टिन कंटेनर्स निर्माण), तिलक रोड, पोबा नं. मरना-(म. प्र.), पिन कोड नं. 476001 (म. प्र.)	वनस्पति और खाद्य तेलों हेतु 15 किबा टीन के कनस्तर आई एस : 10325--1982	
23. 1966374	89-04-16	म. एच बी आर एलायज एंड स्टील्स प्रा. लि., 874 प्रा. छारीला बुलंदशहर रोड, तहसील-दादरी, जि. गाजियाबाद (उ.प्र.) (कार्या: 21 पुराना नथयुग मार्केट, गाजियाबाद (उ.प्र.)	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) प्लेट सेक्शन और प्लेट, 20 मिमी तक आई एस : 1977--1975	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
24. 1966475	89-04-16	मै. एच श्री और एलायज एंड स्टोल्स प्रा. लि. , 874 प्रा. छारोला बुलंदशहर रोड, बहमौल-दोदरी, विहृत सरिंग और तार (8 मिमी से 32 जि. गाजियाबाद (उ.प्र.) (कार्या : 21 पुराना नवयुग मार्केट, गाजियाबाद (उ.प्र.)	कंसीट प्रबन्धन के लिए उच्च सामर्थ्य इस्पात की मिमी तक) आई एस : 1786—1985	
25. 1966576	89-04-16	—वही—	संरचना इस्पात प्लेट सैक्शन और प्लेट, 20 मिमी तक (मानक किस्म) आई एस : 226—1975	
26. 1966677	89-04-16	मै. श्रीराधिका प्रायतन फाउन्ड्री, सी-49, इंडस्ट्रियल एरिया, मथुरा (उ. प्र.)	मल के लिए सी आई पाइप और फिटिंग आई एस : 1729—1979	
27. 1966778	89-04-16	बेस्ट इंजीनियर्स, 59-बी, भाडागम रोड, वेलेन्डीपलायम कोयम्बतूर	जेट प्रपेलन्ट्री पम्प संयोजन आई एस : 12225—1987	
28. 1966879	89-04-16	मै. एप्रो इन्पुट्स लि., बी-34, केएमएसआईडीसी इंड. एरिया, गेलशंका, बंगलोर (कार्या. 3 नं. 87, उगा लण, मेन रोड, न्यू बारागुण पोर्बो नं. 6809, बंगलोर-560002)	मैलाथियान 25% डक्यूसीपी आईएस : 2567- 1979	
29. 1966980	89-04-16	मै. पारो फूडन प्रोडक्ट्स, मीरसागर, प्रा. मोरालम टैंक रोड, हैबराबाद, पश्चिम रंग रेडडी जि.	ब्रिक्कुट आईएस : 1011-1981	
30. 1967073	89-04-16	मै. अमृतसर कैमीकल एंड वॉनिंग वर्क, 40 पूर्व सोहननगर, अमृतसर (पंजाब)	वांछित रंग के सीमेंट रोगन आईएस : 5410-1969	
31. 1967174	89-04-16	मै. सोलर कैमीकल एन्टरप्राइजेज, मेन बाजार, घग्गैरा जिला करनगल (हरियाणा)	कैरामल सादा आईएस : 4467 (भाग 1)-1980	
32. 1967275	89-04-16	मै. पुणे जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ मर्यादित, कटराज डेयरी, कटराज, पुणे-सतारा रोड, पुणे-411046	दूध पाउडर और मक्खनिया दूध पाउडर आईएस : 1165-1986	
33. 1967376	89-04-16	मै. ओमेगा लैब एंड इंडस्ट्रीज, 156, मंगलवार पेठ, बारली रोड, पारगे चौक, पुणे-411011	सीमेंट रोगन आईएस : 5410-1979	
34. 1967477	89-05-01	मै. कंचन वायर्स, सी-22, एमआईडीसी संतरा-415004, (कार्या : 140 सवाशिवपेठ, सतारा-415002)	1100 वा तक कार्यकारी बोल्टना के लिए तांबा या एल्युमीनियम बाथकों वाली एक और बहुकोड वाली, खोलदार पीवीसी रोपित केबल (अत्यन्त उपयोग को छोड़कर) आईएस : 694-1977	
35. 1967578	89-05-01	मै. आनंद इंजीनियरिंग कं., बिमनगर, बिमनगर, ऊँठा रोड, बिमनगर-384315, जिला मेहसाणा	निमज्जय पम्पमैट, माडल ए-363, माइज-150× 75 इयूटी प्वाइंट (मीटर)—3.8, निकान— 10.6 मिप्रसे ई/और 47 अप्रमि-2880 मोटर 7.5 किवा संवर्ध बी आईएस : 8034-1976	
36. 1967679	89-05-01	मै. सीपीसी इंजी. प्रा. लि., 4/11, मेटटूपलायम रोड, कोयम्बतूर-641030 (कार्या : 86 आर्टस कालेज रोड, कोयम्बतूर- 641018)	तीन फेजी स्विचरिल पिजरी प्रेरण मोटर, 3.7 किवा रेटिंग और श्रेणी ए रोपन सहित आईएस : 7538-1975	
37. 1967780	89-05-01	मै. एनवेस्ट, 48 याडागम रोड, वेलेन्डीपलायम, कोयम्बतूर-641025	तीन फेजी स्विचरिल पिजरी प्रेरण मोटर 3.7 किवा श्रेणी बी रोपन सहित आईएस : 7538-1975	
38. 1967881	89-05-01	मै. तमिलनाडु इंड. काप. सोसायटी लि., नं. 202, 8वीं फेन, सेनीयागल कोइल स्ट्रीट, टोडियारपेट, मद्रास (कार्या : 43-बी, इब्राहिम साहिब स्ट्रीट, मद्रास-600001)	धातु के रोलिंग शटर और रोलिंग ग्रिल आईएस : 6248-1979	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
39. 1967082	89-05-01	मै. बेजा पम्प, 1447 आश्रमम रोड, जीसीटी डा., कायम्बतूर-641013	कृषि प्रयोजनों हेतु साफ डंडे, ताजे पानी हेतु मोनोसैट पम्प आईएस : 9079-1979	
40. 1968075	89-05-01	मै. के.आर. इलेक्ट्रिकल्स प्रा.लि., फाल्कट्टी (डा) अनाकुलम (जि.), पिन-683572	सामान्य प्रकाश सेवा हेतु टंगस्टन तंतु के लैम्प 25 से 100 वा, 250 वी रेटिंग वायोनेट से पी सहित, कुंडलिन/कुंडली एक कुंडली साफ लट्टू आईएस : 418-1978	
41. 1968176	89-05-01	मै. अम्बिका प्रसिनिंग इंडस्ट्रीज. 38/39, जय बीबी रोड, घुमुरी, हावड़ा (कार्या : जमुना लाल बजान स्ट्रीट, कलकत्ता-1)	टोपी और बरखानी कोट के लिए पानी प्रति कपित करने वाले रंगे सूती कपड़े आईएस : 2422-1985	
42. 1968277	89-05-01	मै. उषा माटिन इंड. लि., तेली मिलवाई-835103, रांची बिहार, (कार्या : 14 प्रिंस स्ट्रीट, कलकत्ता-700072)	निर्यब गुल के लिए तार रस्मी और लड आईएस : 9282-1979	
43. 1968378	89-05-01	एमके इंजीनियर्स (दिल्ली) प्रा.लि., बी-2/76, दि मोहान कापरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट, मधुग रोड, बयारपुर, नई दिल्ली-1100041	धातु प्रार्क ब्रेलिंग इलेक्ट्रोड के लिए मुहु इस्पात तार आईएस : 2879-1975	
44. 1968479	89-05-01	मै. मिहानिया एंड कापड़िया मैनु कं., 1/407, फेन्डम कालोनी, इंडस्ट्रियल एरिया, स्ट्रीट नं. 4, जी.टी. रोड, शाहदरा, दिल्ली-110032	ज्यो संशकित एचडीपीई चिब्रे (5 किग्रा. धारिता) आईएस : 10840-1986	
45. 1968580	89-05-16	मै. सुभाष चंदर कपूरिया, एफ-59, मोखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-1, नई दिल्ली	पैराफिन मोम टाइप 3 आईएस : 4654-1974	
46. 1968681	89-05-01	मै. सेपरी इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज. 4-बी, एक्पर्टेशन इंड. एरिया, लुधियाना-141000 (कार्या : जी.टी. रोड, मिलर गंज, लुधियाना-141003)	कृषि प्रयोजनों के लिए अपकेंद्री पम्प हेतु तीन फेजी स्विचरिल पिजरी प्रेरण मोटर, आउटपुट 3.7 किवा से 7.5 किवा तक ड्यूटी सतल रेटिंग बोल्डता 415 आईएस : 7538-1975	
47. 1968782	89-05-01	मै. कलिंग केबल्स इंडस्ट्रीज, प्लाट नं. 92, सेक्टर, 2, परवाना (हि.प्र.)	1100 वी तक कार्यकारी बोल्डता के लिए पीबीसी रोडिन एल्यूमीनियम जालकों वाली प्रकवचित खोलवार केबल, अन्पताप की केबल को छोड़कर आईएस : 1554 (भाग 1)-1976	
48. 1968883	1989-05-01	मै. फिन्न कारपोरेशन आफ राजस्थान, एच-686, दूसरा फेज, मरुधर इंडस्ट्रियल एरिया, जोधपुर	डांबा के ग्रंथर पेय जल भरा रखने वाला कुलर (क) शीतलन धारिता 40 भार/एच, भंडारण धारिता 80 लिटर (ख) भंडारण टाइप, उसी आधान में भंडारण शीतल करने के लिए आईएस : 1475-1978	
49. 1968984	89-05-01	मै. बानाजी सेमिनेटर्स, सी-1/2500/9 और 210 जीएसआईसीसी इंडस्ट्रियल एस्टेट, हजोल-389350, जि. पंचसमूह, (कार्या : ए-8, लक्ष्मी निवास एपार्टमेंट, 39, प्रताप गंज, बड़ोवा-390002)	उर्ध्वकपिकिंग के उच्च घनत्व के परतदार पटसन के कट्टे आईएस : 7407 (भाग 2)-1980	
50. 1969077	89-05-01	-वही-	परतदार पटसन के कट्टे आईएस : 7406 (भाग 1)-1980	
51. 1969178	89-05-01	मै. सुप्रभात स्टील लि., दुसरौब जि. भोजपुर-802119, (कार्या : सुप्रभात बिल्डिंग, नुमायश रोड, पटना-800001)	ट्रॉनिंग पट्टा कनवेयरहेतु ग्राइडर के लिए इस्पात के पाइप ग्रेड आईएसटी 210 परनाम ईंधारडक्यू 210 सांकेतिक साइज से 168.3 मिमी तक बाह्य व्यास मोटाई 4.5 मिमी आईएस : 9295	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
78. 1971872	89-05-01	मै. निर्मल वायस प्रा. लि. गयबागन जैमोर रोड डा. मध्यम प्रा. 24 परगना (कार्या : 76 काटन स्ट्रीट, कलकत्ता-700007)	जी आई मान माहज 3.55, अनौपचारिक अवस्था अस्थायिक लेप आई एस : 280-1978	
79. 1971973	89-05-01	मै. श्री बालार्जुन टिन कटेनर्स, प्लॉट नं. बी-1, मेमीग्रेशन इंडस्ट्रियल एस्टेट, पो. डा. नं. मिश्रीनी-480661 (म.प्र.)	वनस्पति और खाद्य तेलों के लिए 15 कि.ग्रा. के अधिकार वनस्तर आई एस : 10325-1982	
80. 1972066	89-05-01	मै. नर्मदा इंडस्ट्रियल, 6/1 इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.)	शिरापरि प्रेषण हेतु एम्यूमानियम के लवदार चालक आई एस : 398 (भाग 1)-1976	
81. 19782167	89-05-01	मै. मालवा फास्टनर्स प्रा. लि., 63, सेक्टर 1, परबान्	यू पी बी सी पाइप, 110 मिमी व्यास, श्रेणी-2 आई एस : 4985-1981	
82. 1972268	89-05-01	मै. दिल्ली सीमेंट प्रा. लि., 15 इंडस्ट्रियल एरिया, बेहरोरा, जि. अलवर, (राजस्थान)	माधारण पार्टलव्ड सीमेंट आई एस : 269-1976	
83. 1972369	89-05-01	मै. विमल आर्गेनियम प्रा. लि., डी-35, बुलवन्तनहर रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, गाजियाबाद-201002 (कार्या : के ई/17, न्यू कवि नगर, गाजियाबाद-201002)	खाद्य तेलों के प्रिजन में प्रयुक्त भारतीय मूल की विरंजक मृदा आई एस : 1965-1972	
84. 1972470	89-05-01	मै. आरती स्टील रोलिंग मिल्स लि., 8 एम दादरी स्टीन, दिल्ली दादरी रोड, सुरजपुर जि. गाजियाबाद (उ.प्र.)	कंबीट प्रवलन के लिए एच एस डी सगि, 8 मिमी से 32 मिमी तक व्यास 415 आई एस : 1786-1985	

[मं. के.प्र.वि./13 : 11]

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, 2nd August, 1991

S.O. 2240.—In pursuance of sub-regulation (5) of regulation 4 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule.

SCHEDULE

Sl. Licence No. No. (CM/L)	Operative Date	Name and Address of the Licensee	Article/Process covered by the licences and the relevant IS: Designation	
1	2	3	4	5
1. 1964168	1989-04-16	M/s Galaxy Cables Inds., Plot No. 3-N, MIDC, Kupwad-Block, Sangli-416416	Aluminium stranded conductors IS: 398 (Pt I)—1976	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
39. 1967082	89-05-01	मै. वेशा पम्पन, 1447 वाडागम रोड, जीसीटी डा , कांयम्बर-641013	कृषि प्रयोजनों हेतु साफ डंडे, ताजे पानी हेतु मोनोसैट पम्प आईएम : 9079-1979	
40. 1968075	89-05-01	मै. के. आर. इलेक्ट्रिकल्स प्रा. लि., कास्कूटटी (डा) अर्नाकुलम (जि.), पिन-683572	सामान्य प्रकाश सेना हेतु टंगस्टन तंतु के लैम्प 2.5 से 100 वा, 250 वा रेटिंग वायोनेट से पी सहित, कुंडलिन/कुंडली एक कुंडली साफ लट्ट आईएम : 418-1978	
41. 1968176	89-05-01	मै. अम्बिका प्रसिमिंग इंडस्ट्रीज, 38/39, जय बीबी रोड, धुसुरी, हावड़ा (कार्या : जमुना लाल बजाज स्ट्रीट, कलकत्ता-1)	टोपी और बरसानी कोट के लिए पानी प्रवि कर्षित करने वाले रंगे सूती कपड़े आईएम : 2422-1985	
42. 1968277	89-05-01	मै. उषा माटिन इंड. लि., नेनी मिलवार्ड-835103, रांची बिहार, (कार्या : 14 प्रिंसिप स्ट्रीट, कलकत्ता-700072)	निर्बल गुल के लिए तार रस्मी और लड़ आईएम : 9282-1979	
43. 1968378	89-05-01	एमके इंजीनियर्स (विल्ली) प्रा. लि., बी-2, 76, वि मोहन कापरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट, मयूरा रोड, बबरपुर, नई दिल्ली-110004	वातु आर्क वेल्डिंग इलेक्ट्रोड के लिए मृदु हस्यात तार आईएम : 2879-1975	
44. 1968479	89-05-01	मै. मिश्रानिया एंड कापड़िया मैनु. कं., 1/407, फेन्डम कालोनी, इंडस्ट्रियल एरिया, स्ट्रीट नं. 4, जी.टी. रोड, ग्राहदरा, दिल्ली-110032	ब्लो संवर्धित एलडीपीई पिप्स (5 किग्रा. धारिता) आईएम : 10840-1986	
45. 1968580	89-05-16	मै. सुभाष चंदर कपूरिया, एफ-59, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेन-1, नई दिल्ली	पैराफिन मोम टाइप 3 आईएम : 4654-1974	
46. 1968681	89-05-01	मै. सेपरी इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज, 4-बी, एम्पटेशन इंड. एरिया, लुधियाना-141000 (कार्या : जी.टी. रोड, मिलर गंज, लुधियाना-141003)	कृषि प्रयोजनों के लिए अफकेन्द्री पम्प हेतु तीन फेजी स्विचिंग पिंजरी प्रेरण मोटर, आउटपुट 3.7 किवा से 7.5 किवा तक ड्यूटी सतत रेटिंग वोल्टता 415 आईएम : 7538-1975	
47. 1968732	89-05-01	मै. कलिंग केबल्स इंडस्ट्रीज, प्लाट नं. 92, सेक्टर, 2, परबान् (हि. प्र.)	1100 वा तक कार्यकारी वोल्टता के लिए पीवीसी रोधित एल्यूमीनियम ज्ञानकों वाली अक्षवर्धित खोलदार केबल, अल्पताप की केबल को छोड़कर आईएम : 1554 (भाग 1)-1976	
48. 1968883	1989-05-01	मै. किज कारपोरेशन आफ राजस्थान, एच-686, दूसरा फेज, मरुधर इंडस्ट्रियल एरिया, जोधपुर	हॉवा के अंदर पेय जल भरा रखने वाला कूलर (क) शीतलन धारिता 40 आर/एच, भंडारण धारिता 80 लिटर (ख) भंडारण टाइप, उसी आधान में भंडारण शीतल करने के लिए आईएम : 1475-1978	
49. 1968984	89-05-01	मै. बालाजी सेमिनेटर्स, सी-1/2500/9 ग्रीर 210 जीएमआईसीसी इंडस्ट्रियल एस्टेट, हलोल-389350, जि. पंचमहल, (कार्या : ए-8, लक्ष्मी निवास एपार्टमेंट, 39, प्रताप गंज, बड़ोवा-390002)	उर्वरक पैकिंग के उच्च घनत्व के परतदार पटसन के कटटे आईएम : 7407 (भाग 2)-1980	
50. 1969077	89-05-01	-बही-	परतदार पटसन के कटटे आईएम : 7406 (भाग 1)-1980	
51. 1969178	89-05-01	मै. सुप्रभात स्टील लि., दुसरा वि. भोजपुर-802119. (कार्या : सुप्रभात बिल्डिंग, नुमायश रोड, पटना-800001)	ट्रोपिन पट्टा कनवेयरिंग ब्रैडर के लिए हस्यात के पाइप ग्रेड आईएसटी 210 पटनाम ईआरडब्ल्यू 210 सांकेतिक साइज से 168.3 मिमी तक बाह्य व्यास मोटाई 4.5 मिमी आईएम : 9295	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
52. 1969279	89-05-01	मै. सुप्रभात स्टील लि., दुमराँव जि. भोजपुर-8021119 (कार्या: सुप्रभात बिल्डिंग, नुमायश रोड, पटना-800001)	यांत्रिक और सामान्य इंजीनियरी प्रयोजनों हेतु इस्पात पाइप पदनाम डब्ल्यू टी 200 साइज 168.3 मिमी मक बहारी व्यास 4 मिमी मोटाई आई एस : 33601-1984	
53. 1969380	89-05-01	---वही---	संरचना प्रयोजनों के लिए इस्पात के पाइप, मैकेनिक और मरिक् व्यास 150 मिमी श्रेणी हल्की और मध्यम आई एस 1161-1979	
54. 1969481	89-05-01	मै. साह्यामोनी इंजी. वर्क, 311 नेताजी सुभाष रोड, हावड़ा-700001	जल प्रयोजन हेतु सी आई स्कुं डाउन स्टाप वाल्व और स्टाप चेक वाल्व साइज 300 मिमी. साइज आई एस: 9338-1984	
55. 1969862	89-05-01	मै. मैग्ना जूट मिल्स गजानंद कमर्शियल (प्रा.) लि. को एक इकाई जगदल डा.-24 परगना (उ) पश्चिम बंगाल (कार्या: बतर्जी भवन 15 ब्रेथार्न रोड पांचवा तल कलकत्ता-700001)	ए ट्रिबल पटमन के कट्टे आई एस : 1943-1964	
56. 1969683	89-05-01	मै. मैग्ना जूट मिल्स गजानंद कमर्शियल (प्रा.) लि. को एक इकाई जगदल डा. 24 परगना (उ) पश्चिम बंगाल (न पी: बतर्जी भवन 15 ब्रेथार्न रोड पांचवा तल कलकत्ता-700001)	भारतीय हैमियन 305 और 229 ग्रा./घ, 2, 10% सफेद गिनेन आई एस : 2818 (भाग 2) -1971	
57. 1969784	89-05-01	मै. एमएल डे इंड कं. प्रा. लि. 10 आरएन टेनोर रोड कलकत्ता-700076 (कार्या: 36 गणेश चंद्र एवेन्यु कलकत्ता-700013)	इस बड़े इंड्रिन मिर सेट "बी" टाइप-1 आई एस : 1783 (भाग 2)-1983	
58. 1969835	89-05-01	मै. कम्पटीयर इमेक्स (प्रा.) लि. 123 फेज 5, आई डी ए, जेडोमानला हैदराबाद (कार्या: कर्वाला मैदान सिकन्दराबाद-500001)	झांझ में पानी रहने वाला पेय जल कूलर आई एस 1475-1978	
59. 1969986	89-05-01	मै. नेल्सोमार्गला जूट मिल्स कं. लि. डा. नेल्सोमार्गला -531217 विजयनगरम जि.	डो डब्ल्यू आटे को मोरो आई एस : 3984-1967	
60. 1970062	89-05-01	मै. ईस्ट इंडिया कमर्शियल कं. लि. इल्ल-534002	समेट रीकिंग के लिए हल्के पटमन के कट्टे आई एस : 12154-1987	
61. 1970163	89-05-01	मै. श्री मंजुनाथ पुलवराइजमें प्रा. लि. 62 इंडस्ट्रियल सबअर्ब यशवंतपुर बंगलौर-560022 (कार्या: सावुरानी बिल्डिंग, नरसिम्हायनरोड, बंगलौर-560002)	बी एल सी 50% डब्ल्यू डी पी आई एस : 562-1978	
62. 1970264	89-05-01	मै. ओमिगा एमो प्रा. लि. 12 उमा इंडस्ट्रियल एस्टेट, वीरगम गाँव, सानंद हाइवे सानंद जिला अहमदाबाद	मोनोक्रोटोफॉस 36% एस एल आई एस : 8074-1983	
63. 1970385	89-05-01	मै. मेन्डोज (इंडिया) लि, 317 नेशनल हाईवे नं. 8 नारायण, अहमदाबाद (कार्या: मेन्डोज बाग, कालशेट रोड, ठाणे-400607)	यायरोमिटॉन 25 % ई सी (रिपैकिंग के लिए केवल) आई एस : 3905-1966	
64. 1970466	89-05-01	---वही---	विक्तालफॉस 25% ई सी रिपैकिंग आई एस : 8028-1987	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
65. 1970567	89-05-01	मै. सेम्बोज (इंडिया) लि. 317 नेशनल हाइवे नं. 8 नारोडा, अहमदाबाद (कार्या : सेम्बोज बाग, का.मोठ रोड, डाणे- (400607)	कापर प्राक्कोरलोराइड डब्ल्यू डी पी (रिपैकिंग) आई एस : 1507-1977	
66. 1970668	89-05-01	मै. यूनिवर्सल हाइस्ट-ऑ-फैब्रिक प्लाट नं. बी-71 रोड नं. 2, वाघे इंड. एस्टेट डाणे-400604 (कार्या : 708/709 रज्जेजा चैम्बर्स 213 नारोमत प्लाट, बम्बई-400021)	हस्त बालित जर्जर घिरनी ब्लॉक 2, 3 जॉर 5 मी टन क्षमता आई एम : 3832-1986	
67. 1970769	89-05-01	मै. एन. लोलाधर एंड संस मिशन इंड. एस्टेट गवी नं. 503, पांचवा तल, टोकेणीजीवराज रोड धन्युवनगर स्युमी काटनप्रीत बम्बई-400033	कोलार आद्य रंग निर्मितियों और मिश्रण आई एम : 5346-1975	
68. 1970870	89-05-01	मै. भंडारी इलेक्ट्रिकल्स, 82-सी इंडस्ट्रियल एरिया, ए, बी, रोड, देवास (म.प्र.)	पावर तंत्र के लिए शंट संधारित्र आई एम : 2834-1986	
69. 1970971	89-05-01	मै. धर्मय इलेक्ट्रिक लैम्प इंडस्ट्रीज 83 फ्री गंज, रतलाम (म.प्र.) (कार्या : 100 एम बी रोड बी बत्ती रतलाम-457001 (म.प्र.)	गामान्य सेवा टंगस्टन मंत्र बिजली के बल्ब, 60 वां, 250, कुंडलित कुंडली जी एल एल लैम्प, साफ लुट्टू, बी टोपी सहित आई एम : 418-1978	
70. 1971064	89-05-01	मै. के.सी. वनस्पति 2 मिडको इंड एस्टेट, बागी ब्राह्मण -181133 जम्मू तबी	आद्य तेलों और वनस्पति पैकिंग के लिए नम्य पैक 1 किग्रा. आई एस : 11352-1985	
71. 1971165	89-05-01	मै. न्यू जय किशन इंडस्ट्रीज दिल्ली रोड, ईदगाह मेरठ (उ.प्र.)	ऑसिज अपकेन्ट्री एम्स साइज 100×100 मिमी सीधी जुड़ा 1500 क्षमि, चढ़ाव 12 मी निकास 250 मी. पावर निवेश 4.4 किवा. दक्षता 69.5, चढ़ाव रेज 10 से 13 मी., निकास रेज 32 से 20 आई एस : 6525-1980	
72. 1971266	89-05-01	मै. श्री ग्याम द्यूब लि., बो-11, साइट नं. 4 इंडस्ट्रियल एरिया, महिलाबाद जि. गाजियाबाद (उ.प्र.)	मुठु इस्पात पाइप साइज 150 मिमी. एन बी नक श्रेणी हल्का मध्यम, भारी, टाएष काला ई आर डब्ल्यू सादा सिर आई एस : 1239 (भाग 1)-1979	
73. 1971367	89-05-01	मै. जैन रोलिंग मिल्स, मुकुन्द नगर, गाजियाबाद (उ.प्र.)	मंरचना (मानक किस्म) 28 मिमी साइज के गोल सिर आई एस : 226-1975	
74. 1971468	89-05-01	मै. स्वीट होम एप्लाइसेज लि., 3 ई/16 बंगलों, प्लाट-लिट, फरीदाबाद-121001	सी आर सी चादर निकल/क्रोम लेपित ढाचा और स्टेनलेस इस्पात कांचा बी बनेर वाला वायी गैस झूठा, कुल गैस खपत 900 लि.बं. प्रत्येक बनेर 950 लि./बं. रेटिंग आई एम : 8749-1988	
75. 1971569	89-05-01	मै. कैपिटल गैस एप्लाइसेज, बाई-144 ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, फेज-2, नई दिल्ली-110020	750 वा तापस्थायी बिजली की इस्तरी आई एस : 366-1985	
76. 1971670	89-05-01	मै. कीज एण्ड इंडिया, सी-2 यूनिट सिडको इंडस्ट्रियल एस्टेट, सलेम-636004	बी एच सी डी पी, 13 जी आई आई एस : 561-1978	
77. 1971771	89-05-01	मै. टीजीएल कार्पोरेशन बासापुरम रोड अडोनी-518301 कुर्गुल जि. (कार्या : पी. बा. नं. 28 अडोनी-518301)	वनस्पति और आद्य तेलों के लिए नम्य पैक आई एस : 11352-1985	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
78. 1971872	89-05-01	मै. निर्मल वायस प्रा. लि. सयवागन जैयोर रोड डा. मध्यम प्रा. 24 परगना (कार्या : 76 काटन स्ट्रीट, कलकत्ता-700007)	जी आई तार सहित 3.55, असीमित अवस्था अत्यधिक सेप आई एम : 280-1978	
79. 1971973	89-05-01	मै. श्री बालजी टिन कंटेनर्स, प्लॉट नं. बी-1, मेमीग्राम इंडस्ट्रियल एस्टेट पो. बा. नं. सिधोनी-480661 (म.प्र.)	वनस्पति और खाद्य तेलों के लिए 15 कि.प्रा. के चीकार कन्सर्न आई एम : 10325-1982	
80. 1972066	89-05-01	मै. नर्मदा इंडस्ट्रिज, 6/1 इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविन्दपुरा. भोपाल-462023 (म.प्र.)	भिरापर प्रेषण हेतु एल्यूमीनियम के लकड़ार बालक आई एम : 398 (भाग 1)-1976	
81. 19782167	89-05-01	मै. माधवा फास्टनेस प्रा. लि., 63, सेक्टर 1, परबानु	यू पी वी सी पाटन, 110 मिमी व्यास, श्रेणी-2 आई एम : 4985-1981	
82. 1972268	89-05-01	मै. दिल्ली सीमेंट प्रा. लि., 15 इंडस्ट्रियल एरिया, बेहरोर, जि. झलदर, (गजस्थान)	साधारण पोर्टलैंड सीमेंट आई एम : 269-1976	
83. 1972369	89-05-01	मै. विमल आर्मेनियम प्रा. लि., डी-35, तुलसीनगर रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, गाजियाबाद-201002 (कार्या : के ई/17, न्यू बरबि नगर, गाजियाबाद-201002)	खाद्य तेलों के विरजन में प्रयुक्त भारतीय मूल की विरजक मशीन आई एम : 1965-1972	
84. 1972470	89-05-01	मै. आरती स्टील रोलिंग प्रिन्स लि., 8 एम वादरी स्टोन, दिल्ली वादरी रोड, सुरजपुर जि. गाजियाबाद (उ.प्र.)	कंक्रीट प्रबलन के लिए एच एम डी सर्जि, 8 मिमी से 32 मिमी तक व्यास 415 आई एम : 1786-1985	

[सं. के.प्र.वि./13 : 11]

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, 2nd August, 1991

S.O. 2240.—In pursuance of sub-regulation (5) of regulation 4 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule.

SCHEDULE

Sl. Licence No. No. (CM/L)	Operative Date	Name and Address of the Licensee	Article/Process covered by the licences and the relevant IS: Designation	
1	2	3	4	5
1. 1964168	1989-04-16	M/s Galaxy Cables Inds., Plot No. 3-N, MIDC, Kupwad-Block, Sangli-416416	Aluminium stranded conductors IS: 398 (Pt D)—1976	

1	2	3	4	5
2. 1964269	1989-04-16	M/s Sona Udyog, 126/652, Saini Mohalla, Near Khari Kuan, Nangloi Delhi-110041 (Office: 3495, Gali Bajrangbali, Chawri Bazar, Delhi-110006).	Steel butt hinges. Type: Medium weight Size: 65 mm to 125 mm IS: 1341—1981	
3. 1964370	1989-04-16	M/s Swaraj Door Links Pvt Ltd., C-62, Sector IV, Noida-201301 Distt. Ghaziabad-(U.P.)	Mild steel butt hinges Type: Medium weight Sizes: All sizes. IS: 1341—1981	
4. 1964471	1989-04-16	M/s Hindustan Printing Works, C-112, Okhla Industrial Area, Phase-I, New Delhi.	Rigid non-metallic conduits for electrical installation. 25 mm size IS: 2509—1972	
5. 1964572	1989-06-16	M/s Oswal Electricals, 49, Industrial Area, Faridabad (Haryana)	Three phase squirrel cage- induction motors for cen- trifugal pumps for agricul- tural application 3.7 Kw with Class A insulation IS: 7538—1975	
6. 1964673	1989-04-16	M/s Paul Valves & Cocks, Bharwain Road, Hoshiarpur-146001.	Copper alloy gate, globe and valves for water work purposes IS: 778—1984	
7. 1964774	1989-04-16	M/s Green Udyog, 15, Laxmi Nagar, Dada Colony, Jalandhar City.	GM Gate, Globe and Check Valves IS: 778—1984	
8. 1964875	1989-04-16	M/s Maharaja Engg & Investments (P) Ltd., A-29, Phase VII, Industrial Estate, Mohali	Low pressure regulators for use with LPG 'SIERRA' Type IS: 9798—1981	
9. 1964976	1989-04-16	M/s Venkateswara Conduits Pvt. Ltd., F-20, SIPCOT Ind. Complex, Gummidipoondi-601201. (Office: 16, Sunkurama Street, IIInd floor, Madras-600001).	MS tubes for structural pur- poses 210 grade, light and medium class. size upto and including 80 mm NB. IS: 1161—1979	
10. 1965069	1989-04-16	M/s Mine Line, 25, Chanditale Branch Road, Calcutta-700053. (Office: 152, Harish Mukherjee Road, Calcutta-700025).	Intrinsically safe transformers primarily for bell signalling circuit rated at 110/15 volts, single phase, 50 HZ. type ST-I for gas group I. IS: 10406—1983	

1	2	3	4	5
11. 1965170	1989-04-16	M/ε Diamond Engg. Co., 729, Trichy Road, Ramanathapuram, Coimbatore-641045	Single phase electric motors capacitors start and induction run type and rating 1.1 Kw with Class A, insulation IS: 996—1979	
12. 1965271	1989-04-16	M/s Jay Pec Enterprises, E-3, Industrial Estate, Talkatora, Lucknow (Office: Intech Road, (Kasai Bara) Lucknow-UP.	Diesel Engine IS: 11170—1985	
13. 1965372	1989-04-16	M/s Kwaliti Sales Corpn., Simlapuri Gill Road, Ludhiana-141003.	Hexagonal head belts sizes upto and including M30 and property class 4.6 and 5.6 and Nuts sizes upto and in- cluding M30 and property Class 5. IS: 1363 (Pt I & III)—1984	
14. 1965473	1989-04-16	M/s Gurminder Agrl. Engineering Inds., G.T. Road, Miller Ganj, Ludhiana.	Diesel engines for agricultural purposes vertical, single cyl- inder water cooled four stroke diesel engine type TRB output 5.5 Kw (7.5 HP) 1500 RPM class B1, SFC (declared) 252 g/Kwh. Mech efficiency 80% (assumed). IS: 11170—1985	
15. 1965574	1989-04-16	M/s Poonam Industries, E-35, 1-2, Ind Area, Jalandhar-144004 (Office: G.T. Road, Near Naaz Cinema, Jalandhar City	Hexagonal belts for steel struc- tural sizes M12 & M16 Class 5.6 IS: 6639—1972	
16. 1965675	1989-04-16	M/s Saifee Bucket Factory Pvt. Ltd., 37, Sankli Street, Bombay-400008 (Office: 156, Nagdevi Street, Bombay-400003	Type B drums large fixed ends, IS: 1783 (Pt II —1987)	
17. 1965776	1989-04-16	M/s Hariwansh Packaging Products, F-9/23, MIDC Indl. Area, Hingana, Nagpur (Office: 205, Girish West High Court Road, Dharam Peth, Nagpur-440010)	Corrugated fibre boards and boxes for commercial high explosives. IS: 10212 (Pt I)—1986	

1	2	3	4	5
18. 1965877	1989-04-16	M/s Dimple Drums & Barrels (P) Ltd., Gulsund Village, Rasayani-410207. (Office : 24/B/Hamam Street, 3rd Floor, Raja Bahadur Compound, Behind Lalit Refreshment, Bombay-400023)	Drums large fixed ends, type-B IS: 1783 (Pt II)—1983	
19. 1965978	1989-04-16	M/s Pravin Pumps Pvt Ltd., 7, GDIC Estate, Visnagar, Distt. Mahesana-384315 (N.G.)	Submersible pumps IS: 8034—1976	
20. 1966071	1989-04-16	M/s Natraj Tin Manufacturing Co., Plot No. 153, Near Giriraj Roller Flour Mill, O/S Majewadi Parwaja, Junagarh (Office: O/s Majewadi Gate, P.O.B. No. 66 Junagadh-362001).	15-Kg Square Tin containers for packing Vanaspati and edible oils. IS: 10325—1982	
21. 1966172	1989-04-16	M/s Satellite Cables Pvt Ltd., F-626, Industrial Area, Bhiwadi-301019 Distt. Alwar (Rajasthan)	PVC insulated cables for work- ing voltage and upto and including 1100 Volts. IS: 694—1971	
22. 1966273	1989-04-16	M/s. K.S. Enterprises (Tin Containers Division) Tilak Road, PO No. 12, Morena-(M.P.) Pin Code No. 476001-M.P.	15-Kg square tins for packing vanaspati and edible oils. IS: 10325—1982	
23. 1966374	1989-04-16	M/s. H.V.R. Alloys & Steels Pvt. Ltd., 674, Village Charprola, Bulandshahr Road, Tahsil Dadri, Distt. Ghaziabad-(UP) (Office: 21, Old Navyug Market, Ghaziabad-UP)	Structural steel (Ordinary qua- lity) Plates, section and flats upto and including 20 mm IS: 1977—1975	
24. 1966475	1989-04-16	-do-	High strength deformed steel bars and wires for concrete reinforcement (8 mm to 32 mm) IS: 1786—1985	

1	2	3	4	5
25. 1966576	1989-04-16	M/s. H.V.R. Alloys & Steels Pvt. Ltd., 674, Village Chaprola Bulandshar Road, Tahsil Dadri, Distt. Nhaziabad-(UP) (Office: 21, Old Navyug Market, (Ghaziabad-(UP)	Structural steel (standard quality) Plates, section and flats upto and including 20 mm size IS: 226—1975	
26. 1966677	1989-04-16	M/s Shree Radhika Iron Foundry, C-49, Industrial Area, Mathura (UP)	C.I. soil pipes and fittings. IS: 1729—1979	
27. 1966778	1989-04-16	M/s Best Engineers, 59-B, Thadegam Road, Valandipalayam, Coimbatore-641025.	Jet Centrifugal Pump Combination IS: 12225—1987	
28. 1966879	1989-04-16	M/s Agro Inputs Ltd., B-34, KSSIDC Indl. Estate, Yelahanka, Bangalore-560064 (Office: No. 87, 3rd floor, Main Road, New Tharagupt, PB No. 6809, Bangalore-560002	Malathion 25% WDP IS: 2569—1978	
29. 1966980	1989-04-16	M/s Paro Food Products, Mirsagar Village. Miralam Tank Road, Hyderabad West, Ranga Reddy Distt.	Biscuits IS: 1011—1981	
30. 1967073	1989-04-16	M/s. Amritsar Chemical & Varanish Works 40-East-Mohan Nagar Amritsar (Punjab).	Cement paint, colour as required- IS: 5410-1969	
31. 1967174	1989-04-16	M/s Solar Chemical Enterprises, Main Bazar, Gharaunda, Distt. Karnal (Haryana)	Caramel plain IS: 4467 (Pt I)—1980	
32. 1967275	1989-04-16	M/s Pune Zilha Sahakari Duddh Utpadak Sangh Maryadit Katraj Dairy, Katraj, Pune-Satara Road, Pune 411046.	Milk Powder and skim milk powder IS: 1165—1986	
33. 1967376	1989-04-16	M/s Omega Lab & Industry, 156, Mangalwar Peth, Barne Road, Parge Chowk, Pune-411011.	Cement Paint, IS: 5410—1969	

1	2	3	4	5
34. 1967477	1989-05-01	M/s Kanchai Wires, C-22, MIDC Satara-415004. (Office: 140, Sadashiv Peth, Satara-415002).	Single and multicore PVC insulated sheathed cables with copper or aluminium conductors voltage upto and including 1100V. (excluding cables for low tem- perature application) IS: 694—1977	
35. 1967578	1989-05-01	M/s Anand Engg Co. Visnagar, Visnagar, Unjha Road, Visnagar-384315 Distt. Mehesana.	Submersible pumpsets Model- A-363, size 150 × 75, stage-6, duty point H (mt)=38.5, Dir= 10.6 lps, E/O=47 to RPM—2880 Motor—7.5 Kw, Cat 'B'. IS: 8034—1976	
36. 196 7679	1989-05-01	M/s CPC Engg Pvt; Ltd., 4/11, Mettupalayam Road, Coimbatore-641030 (Office: 86, Arts College Road, Coimbatore-641018)	Three phase squired cage induction motors upto and including 3.7 Kw rating with class 'A' insulation IS: 7538—1975	
37. 1967780	1989-05-01	M/s Enbest, 48, Thadagam Road, Velandipalayam, Coimbatore-641025	Three phase squired cage in- duction motors upto and in- cluding 3.7 kw with class 'B'. IS : 7538—1975	
38. 1967881	1989-05-01	M/s. Tamilnadu Engg. Industrial Co-op Society Ltd., No. 202 A, 8th Lane, Seniamman Koil Street, Tondiarpet, Madras-600081. (Office : Ind. No. 1729, 43-B, Ebrahim Sahib Street, Madras-600001).	Metal rolling shutters and roll- ing grills. IS : 6248—1979	
39. 1967982	1989-05-01	M/s Veza Pumps, 1447, Thadagam Road, G.C.T. Post, Coimbatore-641013.	Monoset pumps for clear cold, fresh water for agricultural pur- poses. IS : 9079—1979	
40. 1968075	1989-05-01	M/s K.R. Electricals Pvt. Ltd., Karukutty (P.O.), Ernakulam (Distt.) Pin 683572	Tungsten filament general light- ing service lamps, 25 to 100W, 250 Volts rating with bayonet cap. coiled/coil single coil clear shall. IS : 418—1978	
41. 1968176	1989-05-01	M/s. Ambica Processing Industries, 38/39, Jai Bibi Road, Ghusury, Howrah. (Office : 74, Jamunalal Bajaj Street, Calcutta-1).	Dyed cotton fabric water rep- lent for caps and rain coats, IS : 2422—1985	
42. 1968277	1989-05-01	M/s Usha Martin Inds. Ltd., Tatisilwai-835103 Ranchi (Bihar). (Office : 14, Pricep Street, Calcutta-700072).	Wire ropes and strands for suspension bridges. IS : 9282—1979	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
43. 1968378	1989-05-01	M/s Amkey Engineers (Delhi) Pvt. Ltd., B-II/16, The Mohan Co-op. Industrial Estate Ltd., Mathura Road, Badarpur, New Delhi-110044.	Mild steel wire rod for metal Arc Welding Electrodes, IS : 2879—1975	
44. 1968479	1989-05-01	M/s Singhania & Kapadia Mfg. Co., 1/406, Friends Colony, Industrial Area, Street No. 4, G.T. Road, Shahdara, Delhi-110032.	Blow moulded HDPE containers for vanaspati (5 kg capacity). IS : 10840—1986	
45. 1968580	1989-04-16	M/s Subhash Chander Kathuria, F-59, Okhla Ind . Area, Phase-I, New Delhi.	Paraffin wax type-3. IS : 4654—1974	
46. 1968681	1989-05-01	M/s Sepri Electrical Inds., 4-B, Extension Indl. Area, Ludhiana-141 000. (Office : G.T. Road, Miller Ganj, Ludhiana-141003).	Three phase squired cage induction motors for centrifugal pumps for agricultural application out put—3.7 kw to 7.5 kw Duty—St continuous rated voltage 415. IS : 7538—1975	
47. 1968782	1984-05-01	M/s Kalinga Cable Inds., Plot No. 92, Sector-2, Parwanoo-(H.P.).	PVC insulated and sheathed heavy duty electric cables unarmoured with aluminium conductors for working voltages upto and including 1100V excluding cables for low temp. IS : 1554 (Pt. I)—1976	
48. 1968883	1989-05-01	M/s Frig Corporation of Rajasthan, H-686, IInd Phase, Marudhar Industrial Area, Jodhpur.	Self contained drinking water cooler 1. Storage type storing/cooling water in the same container. 2. Cooling capacity 40 R/h storage capacity 80 litres. IS : 1475—1978	
49. 1968984	1989-05-01	M/s Balaji Laminators, C-1/2500/9 & 10 GIDC Industrial Estate, Halol-389350. Distt. Panchmahal. (Office : A-8, Laxmi Niwas, Appartments, 39, Pratap Ganj, Baroda-390002).	Laminated jute bags for packing highbulk density fertilizers 915 x 610 mm . IS : 7406 (Pt. II)—1980	
50. 1969077	1989-05-01	—do—	Laminate Jute bags— IS : 7406 (Pt I)—1980.	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
51. 1969178	1989-05-01	M/s Suprabhat Steels Ltd., Dumaraon, Distt. Bhojpur-802119. (Office : Suprabhat Building Exhibition Road, Patna-800001).		Steel tubes for idlers for top sighted non-shed belt con- veyors Grade : YST 210 Designation : ERW 210 Nominal OD upto and includ- ing 168.3 mm, thickness 4.5mm IS : 9295—1983
52. 1969279	1989-05-01	—do—		Steel tubes for mechanical and general engineering purposes Designation : WT 200 Sizes upto and including 168.3 mm OD & 4 mm thickness. IS : 3601—1984.
53. 1969380	1989-05-01	—do—		Steel tubes for structural pur- poses, Grade - YST 210, Nominal bore upto and includ- ing 150 mm, Class : Light and Medium. IS : 1161—1979
54. 1969481	1989-05-01	M/s Saradmoni Engg. Works, 311, Netaji Subhash Road, Howrah-711101.		C.I. Screw down stop valve and stop check valves for water works purposes Size : Upto 300 mm size. IS : 9338—1984
55. 1969582	1989-05-01	M/s Megna Jute Mills, A Unit of Gajanand Commer- cial (Pvt.) Ltd., Jagatdal, P.O. : 24-Parganas (North), West Bengal (Office : "Banerjee Bhawan", 15, Brabourne Road, (5th floor), Calcutta-700001).		A-Twill Jute bags. IS : 1943—1964
56. 1969683	1989-05-01	—do—		Indian hessian 305 and 229 g/h ² at 16% contact regain. IS : 2818 (Pt II)—1971
57. 1969784	1989-05-01	M/s. M.L. Day & Co. Pvt. Ltd., 10, R.N. Tagore Road, Calcutta-700076. (Office : 36, Ganesh Chandra Avenue, Calcutta-700013.).		Drums, large fixed ends Grade 'B' type-I, IS : 1783 (Pt. II)—1988
58. 1969885	1989-05-01	M/s Comfортаire Imex (P) Ltd., 123, Phase V, IDA, Jeedimetla, Hyderabad. (Office : 187, Karbala Maidan, Secunderabad-500003).		Self contained drinking water coolers. IS : 1475—1978
59. 1969986	1989-05-01	Neellimarla Jute Mills Co. Ltd., P.O. : Nellimarla-531217. Vizianagaram Distt.		DW Flour Bags. IS : 3984—1967
60. 1970062	1989-05-01	M/s East India Commer- cial Co. Ltd., Eluru-534002.		Light weight jute bags for pack- ing cement. IS : 12154—1987

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
61.	1970163	1989-05-01	M/s Sree Manjunatha Pulverisers Pvt. Ltd., 62, Industrial Suburb, Yeshwanthpur, Bangalore-560 022. (Office : Saburani Buildings, Narasimharaja Road, Bangalore-560 002).	BHC 50% WDP IS : 562—1978
62.	1970264	1989-05-01	M/s Omega Agro Pvt. Ltd., 12, Uma Industrial Estate, Viramgam, Sanand Highway Saband, Distt. Ahmedabad.	Monocrotophos 36% SL IS : 8074—1983
63.	1970365	1989-05-01	M/s Sandoz (India) Ltd., 317, National Highway No. 8, Naroda, Ahmedabad. (Office : Sandoz Baug, Kalsheth Road, Thane-400607).	Thiometon 25% EC (for re- packing only). IS : 3905—1966
64.	1970466	1989-05-01	—do—	Quinalphos 25% EC (Repack- ing). IS : 8028—1987
65.	1970567	1989-05-01	—do—	Copper oxychloride WDP (Repacking). IS : 1507—1977
66.	1970668	1989-05-01	M/s Universal Hoist-O-Fabrik, Plot No. B-71, Road No. 21, Wagle Indl. Estate, Thane-400604. (Office : 708/709, Raneja Chambers, 213, Nariman Point, Bombay-400021).	Hand operated chain pully bloks of 2, 3 and 5 M.T. capa- city. IS : 3832—1986
67.	1970769	1989-05-01	M/s. L. Liladhar & Sons, Milan Indl. Estate, Gala No. 503, 5th Floor, Opp. Tokershi Jivraj Road, Abhydaya Nagar, Sewree, Cotton-Green, Bombay-400033.	Coal Tar Food Colours pre- paration and mixtures IS : 5346—1975
68.	1970870	1989-05-01	M/s Bhandari Electricals, S2-C, Industrial Area, A.B. Road, Dewas-(M.P.).	Shunt capacitors for power systems. IS : 2834—1986
69.	1970971	1989-05-01	M/s Abhay Electric Lamp Industries, 83, Free Ganj, Ratlam-(M.P.) (Office : 100, M.G. Road, (Do Batti) Ratlam-457001 (M.P.).	Tungsten filament general ser- vice electric-lamp, 60W, 250V, Coiled, coil GLS Lamp Clear shall B, 22 Cap. IS : 418—1978
70.	1971064	1989-05-01	M/s K.C. Vanaspati, 2, Sidco Indl. Estate, Bari Brahmna-181133 Jammu Tawi.	Flexible packs for the packing of edible oils and vanaspati 1 kg. IS : 11352—1985

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
71.	1971165	1989-05-01	M/s New Jaikisan Industries, Delhi Road, Idgah, Meerut (U.P.).	Horizontal centrifugal pump size 100 x 100 mm direct coup- led 1500 RPM Head : 12 mm discharge 250/Sec Power input 4.0 Kw, Efficiency 69.5% Head range 10 to 13 m. Discharge range 32 to 20 IS : 6595—1980
72.	1971266	1989-05-01	M/s Shree Shyam Tube Ltd., B-11 Site No. 4, Industrial Area, Sahibabad, Distt. Ghaziabad. (U.P.).	Mild Steel tubes Sizes : Upto and including 150 mm NB Classes: Light and Medium, heavy Type : Black, Plain end, ERW IS : 1239 (Pt I)—1979
73.	1971367	1989-05-01	M/s Jain Rolling Mills, Mukand Nagar, Ghaziabad- (U.P.).	Structural steel (standard qua- lity) round bars upto and including size of 28 mm. IS : 226—1975
74.	1971468	1989-05-01	M/s Sweet Home Appliances Pvt. Ltd., 3-E/16, Bunglow, Plot NIT, Faridabad-121001.	CRC Sheet N/g plated body and stainless steel body double burner bio-gas stove Total gas consumption 900 l/h Rating of each burner 950 l/h. IS : 8749—1988
75.	1971569	1989-05-01	M/s Capital Gas Appliances, Y-44, Okhla Industrial Estate, Phase II, New Delhi-110020.	750W, Thermostatic electric Iron IS : 366—1985
76.	1971670	1989-05-01	M/s Keyes Agro India, C-2, Unit SIDCO Industrial Estate, Salem-636 004.	BHC DP 1.3% GI IS : 561—1978
77.	1971771	198-05-01	M/s TGL Poshak Corporation, Basapuram Road, Adoni-518301. Kurnool Dist. (Office : P.B. No. 28, Adoni-518301).	Flexible packs for the packing of vanaspati' and edible oils IS : 11352—1985
78.	1971872	1989-05-01	M/s Nirmal Wires Pvt. Ltd. Roybagan Jessore Road, P.O. : Madhyam Gram, 24-Parganas (Office : 76, Cotton Street, Calcutta-700007).	G.I. Wire upto size 3.55 mm condition annealed, coating heavy. IS : 280—1978
79.	1971973	1989-05-01	M/s Shri Balaji Tin Containers, Plot No. B-1, Semiurban Indl. Estate, P.B. No. 1, Seoni-480661-M.P.	15-Kg square tins for packing vanaspati and edible oils IS : 10325—1982

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
80. 1972066	1989-05-01	M/s Narmada Industries, 6/1, Industrial Estate, Govindpura, Bhopal-462 023—M.P.	Aluminium stranded conductors overhead transmission. IS : 398 (Pt I)—1976.	
81. 1972167	1989-05-01	M/s Malwa Fastners Pvt. Ltd. 63, Sector I, Parwanoo.	UPVC pipes sizes upto and including 110 mm dia class 2 IS : 4985—1981	
82. 1972268	1989-05-01	M/s Dhillon Cement (P) Ltd., 15, Industrial Area, Behror, Distt. Alwar (Rajasthan).	Ordinary portland cement IS : 269—1976	
83. 1972369	1989-05-01	M/s Vimal Organics Pvt. Ltd. D-35, Bulandshahar Road, Industrial Area, Ghaziabad-201002) (Office : KE/17, New Kavi Nagar, Ghaziabad-201002.)	Bleaching earth of Indian Origin used for decolourizing vegetable oils (Grade II) IS : 1965—1972	
84. 1972470	1989-05-01	M/s Aarti Steel Rolling Mills Ltd., 8 M Dadri Stone, Delhi Dadri Road, Surajpur, Distt. Ghaziabad(UP).	H.S.D. bars for concrete rein- forcement from 8 mm to 32 mm diameter, grade Fe 415 IS : 1786—1985	

[No. CMID/13 : 11]

का.आ. 2241.—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन विनियम, 1988 के विनियम 5 के उपविनियम (6) के अनुसरण में एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन प्रमाणन मुहर लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, उनकी अवधि समाप्त हो गई है :

अनुसूची

लाइसेंस सं. सीएम/एल—	लाइसेंसधारी का नाम	आई एस सं.	अवधि समाप्ति की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
दिसम्बर, 1989 के दौरान स्वयंसेवक लाइसेंस			
सीएम/एल-0051522 एम. एम. रहमानी, अहमदाबाद		IS 1222 : 1975	1989-03-30
सीएम/एल-0122721 हाम फाउण्ड्री लि., नहान (हि. प्र.)		IS 325 : 1978	1988-03-15
सीएम/एल-0126931 नवीन इंडस्ट्रीज, नई दिल्ली		IS 2548 : (भाग 2) 1983	1989-05-31
सीएम/एल-0143628 मान इंडस्ट्रियल कारपोरेशन लि., जयपुर		IS 7452 : 1982	1988-10-31
सीएम/एल-0175742 ई आई सी पेरी (इंडिया) लि., राप्तीपेट (तमिलनाडु)		IS 633 : 1985	1989-06-30
सीएम/एल-0209430 के आर स्टील यूनिक्स लि., कलकत्ता		IS 1977 : 1975	1989-09-30
सीएम/एल-0470239 जे के पेपर मिल्स रायगढ़ (उड़ीसा)		IS 1848 : 1981	1987-09-30
सीएम/एल-0569460 करोमंडल इंडिया प्राइवेट लि, मद्रास		IS 3903 : 1984	1988-11-30

(1)	(2)	(3)	(4)
सीएम/एल-0570748 गुजरात मेटल रोलिंग मिल्स, बुलसर (गुजरात)		IS 21: 1975	1989-01-15
सीएम/एल-0587563 दीवान जी. कास्ट प्रा. लि., भ्रमवाला शहर		IS 1729: 1079	1988-07-31
सीएम/एल-0625040 ओमवाल इस्पात उद्योग, दुर्ग (म.प्र.)		IS 226: 1975	1988-08-15
सीएम/एल-0737637 नेशनल रबड़ कारपोरेशन, अमृतसर		IS 1370: 1976	1987-11-30
सीएम/एल-0772053 गेस्टेटर (इंडिया) लि., नासिक		IS 1222: 1973	1989-04-30
सीएम/एल-0787672 अग्रवाल स्टील वर्क्स, अमृतसर		IS 10001: 1981	1989-07-31
सीएम/एल-0807046 पावर इंजीनियरिंग कारपोरेशन राजकोट		—वही—	1989-04-30
सीएम/एल-0896475 विजय स्टील लि., बंगलौर		IS 1786: 1985	1988-08-31
सीएम/एल-0902540 गणेश प्रोवाइन्डर मिल्स, अमृतसर		IS 2052: 1979	1988-10-15
सीएम/एल-0981567 श्री बालसुब्रह्मण्य मिल्स लि., कोयम्बतूर		IS 834: 1975	1989-07-31
सीएम/एल-0995275 लक्ष्मी मिल्क टेम्पिंग मशीनरी कं दिल्ली		IS 1223: 1982	1989-09-30
सीएम/एल-1006623 गुजरात मैनुफैक्चरर्स, राजकोट		IS 1000: 1981	1989-11-15
सीएम/एल-1067471 मिन्सल इंजीनियरिंग वर्क्स मोगा (पंजाब)		IS 9020: 1979	1987-04-15
सीएम/एल-1070127 कालगिधर एग्रीकल्चरल वर्क्स, मोगा (पंजाब)		—वही—	1989-04-15
सीएम/एल-1088449 प्लास्टिक कला उद्योग, बम्बई		IS 4985: 1981	1988-05-31
सीएम/एल-1137032 जयपाल प्लास्टिक उद्योग, मोन्ही, जि. गाजियाबाद (उ.प्र.)		IS 632: 1978	1989-11-15
सीएम/एल-1223631 ईस्टर्नकेमीकल एंड इंडस्ट्रीज, रांची		IS 694: 1977	1987-07-31
सीएम/एल-1224027 एसोसिएटेड सीमेंट कं. लि., पोरबंदर		IS 1489: 1976	1989-07-31
सीएम/एल-1235739 मैलिग्नल आयर्न मैनु कं. मेरठ		IS 1879 (1-10): 1975	1988-09-30
सीएम/एल-1279456 हनी इंडस्ट्रियल कारपोरेशन बम्बई		IS 781: 1984	1989-02-28
सीएम/एल-1279557	—वही—	IS 1703: 1977	1989-02-28
सीएम/एल-1279658	—वही—	IS 1795: 1982	1988-02-29
सीएम/एल-1298258 विदर्भ स्टील रोलिंग मिल्स, नागपुर		IS 226: 1975	1989-03-31
सीएम/एल-1316941 बैकटेणर एग्री केमीकल्स एंड मिटरल्स		IS 8259: 1976	1989-06-15
सीएम/एल-1342033 पीटरआर्टोकिट (प्रा.) लि., बम्बई		IS 2878: 1976	1987-04-30
सीएम/एल-1343540 लिबरल इंजीनियरिंग वर्क्स, राजकोट		IS 10001: 1981	1989-09-30
सीएम/एल-1349653 आटो स्प्रिंग कारपोरेशन प्रा. लि., भुवनेश्वर		IS 1135: 1984	1988-10-31
सीएम/एल-1434745 गोल्डन स्टील कारपोरेशन प्रा. लि., कलकत्ता		IS 1977: 1975	1989-07-15
सीएम/एल-1470345 भारती फायर इंजीनियर्स, बम्बई		IS 2171: 1976	1988-10-31
सीएम/एल-1486259 जे के सीमेंट प्रा. लि. कच्छ (गुजरात)		IS 269: 1976	1988-12-15
सीएम/एल-1510533 रोड मास्टर इंडस्ट्रीज आफ इंडिया, राजपुर (पंजाब)		IS 2061: 1968	1989-02-15
सीएम/एल-1532543 जयहिनव आयल मिल्स, बम्बई		IS 10325: 1982	1989-03-31
सीएम/एल-1556254 नागपुर टिन कंटेनर्स, नागपुर		—वही—	1989-04-15
सीएम/एल-1559866 एम. ओ. मेटल इंडस्ट्रीज लि., जयपुर		—वही—	1989-04-15
सीएम/एल-1563857 गजानन्द मेटल्स, जयपुर		—वही—	1989-05-15
सीएम/एल-1574357 रामचन्द्र हीरालाल, कलकत्ता		IS 226: 1975	1989-06-30
सीएम/एल-1575965 टिस्कोन, नोएडा, गाजियाबाद		IS 10840: 1986	1989-06-15
सीएम/एल-1609047 नर्मदा एग्रीकल्चरल इंडस्ट्रीज, बरवाहा		IS 9020: 1979	1988-09-30
सीएम/एल-1642550 पारोलिया मेटल इंडस्ट्रीज, कलकत्ता		IS 1786: 1985	1989-01-15
सीएम/एल-1644453 शंकरस मैच वर्क्स, शिवकुशी		IS 2653: 1980	1989-01-31
सीएम/एल-1663053 गुजरात इंजीनियरिंग, राजकोट		IS 10001: 1981	1987-03-15
सीएम/एल-16660057 गुप्ता केमीकल्स प्रा. लि., जयपुर		IS 2569: 1978	1989-04-30
सीएम/एल-1672256 प्वाइटेक्स एणिया (विहार)		IS 10 (भाग 2): 1976	1989-03-31
सीएम/एल-1673764 श्रीविनायक इंडी. राजकोट		IS 10001: 1981	1989-03-31
सीएम/एल-1679876 कर्नाटक एग्रीकेमीकल्स प्रा. लि., बंगलौर		IS 8074: 1983	1989-04-15
सीएम/एल-1686974 भारत पेस्टीमाइड्स इन्ड. प्रा. लि., ओधवा		IS 8259: 1976	1988-05-15
सीएम/एल-1695066 स्वामी टिन वर्क्स, बबीलन		IS 103325: 1982	1988-06-15
सीएम/एल-1708453 मुपर जेट फायर एंड सेफ्टी सर्विसेज बम्बई		IS 934: 1976	1988-06-30
सीएम/एल-1708554	—वही—	IS 933: 1976	—वही—
सीएम/एल-1711644	—वही—	IS 2171: 1985	1988-07-15
सीएम/एल-1719054 बार्ड एम इंडस्ट्रीज, बर्वाही रोड		IS 8808: 1986	1988-07-31
सीएम/एल-1724653 अलंकार केवल इंडस्ट्रीज, दिल्ली		IS 694: 1977	1988-08-15
सीएम/एल-1730315 देवटिन वर्क्स, शिरहोरा (गुजरात)		IS 10325: 1982	1989-09-15
सीएम/एल-1730446 अजला इंडस्ट्रियल कारपोरेशन, अमरोली (गुजरात)		—वही—	—वही—
सीएम/एल-1741451 कनोरिया स्टील्स, धोयसर		IS 6915: 1978	1988-09-30

(1)	(2)	(3)	(4)
सीएम/एल-1744255 गणेश मेटल वर्क्स, जालंधर		IS 1729: 1979	1989-10-15
सीएम/एल-1745863 सिधू टेक्सटाइल्स, तिम्पुर		IS 4964: 1980	1988-10-31
सीएम/एल-1759961 एल के इंडस्ट्रीज, नागपुर		IS 1977: 1975	1988-11-15
सीएम/एल-1765263 इंडियन टूल मैयूफैक्चरर्स, बम्बई		IS 5101: 1960	1989-05-31
सीएम/एल-1768875 स्पीडवे प्राइवेट लि., बम्बई		IS 933: 1976	1988-12-15
सीएम/एल-1768976	—वही—	IS 934: 1976	—वही—
सीएम/एल-1775064 इनकोन पेपर्स एंड कैमीकल्स (प्रा) लि., जयपुर		IS 1551: 1976	1989-01-15
सीएम/एल-1784772 कौरकेन कं. लि., भानंद		IS 10339: 1982	1989-01-31
सीएम/एल-1796072 दि मोरारका पेन्ट्स एंड वार्निश वर्क्स, कलकत्ता		IS 168: 1979	1989-02-28
सीएम/एल-1801948 राजधानी एसोसिएट्स प्रा. लि., (राज)		IS 269: 1976	1989-03-15
सीएम/एल-1807354 मार्सन (इंडिया) इंडस्ट्रीज, बम्बई		IS 5346: 1975	1989-03-31
सीएम/एल-1814351 उषा एलायज एंड स्टील्स लि., जमशेदपुर		IS 6914: 1978	1989-04-15
सीएम/एल-1814402	—वही—	IS 6915: 1978	—वही—
सीएम/एल-1817761 नेशनल फाउंड्री एंड इंजीनियरिंग वर्क्स, फगवाड़ा (पंजाब)		IS 9020: 1979	1989-04-30

[सं. केप्रवि/13: 14]

एम. सुब्राह्मण्यन,

प्रवर महानिदेशक

S.O. 2241:—In pursuance of Sub-regulation (6) of Regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, it is, hereby notified that the Certification Marks Licences, details of which are mentioned in the following Schedule, have expired :

SCHEDULE

Licence No.	Name of the licensee	Number of the relevant Indian Standard	Date of expiry
(1)	(2)	(3)	(4)
LICENCES LAPSED During Dec., 1989			
CM/L-0051522	A.M. Rehmani, Ahmadabad	IS : 1222—1973	1989-03-30
CM/L-0122721	Nahan Foundry Ltd., Nahan (Himachal Pradesh)	IS : 325—1978	1988-03-15
CM/L-0126931	Naveen Industries, New Delhi.	IS : 2548 (Part 2)—1983	1989-05-31
CM/L-0143628	Man Industrial Corporation Ltd., Jaipur.	IS : 7452—1982	1988-10-31
CM/L-0175742	EID Parry (India) Ltd., Ranipet (Tamil Nadu)	IS : 633—1985	1989-06-30
CM/L-0209430	K.R. Steelunion Ltd., Calcutta.	IS : 1977—1975	1989-09-30
CM/L-0470239	J.K. Paper Mills, Rayagada (Orissa)	IS : 1848—1981	1987-09-30
CM/L-0569460	Caromandel Indag Products (India) (P) Ltd., Madras.	IS : 3903—1984	1988-11-30
CM/L-0570748	Gujarat Metal Rolling Mills, Bulsar, (Gujarat).	IS : 21—1975	1989-01-015
CM/L-0587563	Diwan G. Casts Pvt. Ltd., Ambala City	IS : 1729—1979	1988-07-31
CM/L-0625040	Oswal Ispat Udyog, Drug (MP)	IS : 226—1975	1988-08-15
	National Rubber Corporation, Amritsar.	IS : 1370—1976	1987-11-30

1	2	3	4
CM/L-0772053	Gestetner (India) Ltd., Nasik.	IS : 1222—1973	1989-04-30
CM/L-0787672	Agarwal Steel Works, Lucknow.	IS : 10001—1981	1989-07-31
CM/L-0807046	Power Engineering Corporation, Rajkot.	-do-	1989-04-30
CM/L-0896475	Vijaya Steel Ltd., Bangalore.	IS : 1786—1985	1988-08-30
CM/L-0902646	Ganesh Provinder Mills, Amritsar.	IS : 2052—1979	1988-10-15
CM/L-0981567	Sri Balasubramania Mills Ltd., Coimbatore.	IS : 834—1975	1989-07-31
CM/L-0995275	Lakshmi Milk Testing Machinery Co., Delhi.	IS : 1223—1982	1989-09-30
CM/L-1006623	Gujarat Manufacturers, Rajkot.	IS : 10001—1981	1989-11-15
CM/L-1067471	Mittal Engineering Works, Moga (Punjab).	IS : 9020—1979	1987-04-15
CM/L-1070127	Kalgidhar Agricultural Works, Moga (Punjab).	-do-	1989-04-15
CM/L-1088449	Plastic Kala Udyog, Bombay.	IS : 4985—1981	1988-05-31
CM/L-1137032	Jaipal Udyog, Loni, Distt. Ghaziabad (UP).	IS : 632—1978	1989-11-15
CM/L-1223631	Eastern Chemical & Industries, Ranchi.	IS : 694—1977	1987-07-31
CM/L-1224027	Associated Cement Co. Ltd., Porbandar.	IS : 1489—1976	1989-07-31
CM/L-1235739	Malleable Iron Mfg., Co., Meerut.	IS : 1879(Part 1 to 10) —1975	1988-09-30
CM/L-1279456	Honey Industrial Corporation, Bombay.	IS : 781—1984	1989-02-28
CM/L-1279557	-do-	IS : 1703—1977	1989-02-28
CM/L-1279658	-do-	IS : 1795—1982	1988-02-29
CM/L-1298258	Vidarbha Steel Rolling Mills, Nagpur.	IS : 226—1975	1989-03-31
CM/L-1316941	Venkateswara Agro Chemicals & Minerals, Madras.	IS : 8259—1976	1989-06-15
CM/L-1342033	Peter Autokits (P) Ltd., Bombay.	IS : 2878—1976	1987-04-30
CM/L-1343540	Libral Engineering Works, Rajkot.	IS : 10001 —1981	1989-09-30
CM/L-1349653	Auto Springs (P) Ltd., Bhubaneswar	IS : 1135—1984	1988-10-31
CM/L-1434745	Golden Steel Corporation Pvt. Ltd., Calcutta.	IS : 1977—1975	1989-07-15
CM/L-1470345	Bharati Fire Engineers, Bombay.	IS : 2171—1976	1988-10-31
CM/L-1486259	J.K. Cement Pvt. Ltd., Kutch, (Gujarat).	IS : 269—1976	1988-12-15
CM/L-1510533	Road Master Industries of India, Rajpura, (Punjab).	IS : 2061—1968	1989-02-15
CM/L-1532543	Jaihind Oil Mills, Bombay.	IS : 10325—1982	1989-03-31
CM/L-1556254	Nagpur Tin Containers, Nagpur.	-do-	1989-04-15

(1)	(2)	(3)	(4)
CM/L-1559866	M.O. Metal Industries Ltd., Jaipur.	-do-	1989-04-15
CM/L-1563857	Gajanand Metals, Jaipur.	-do-	1989-05-15
CM/L-1574357	Ramehander Hiralall, Calcutta.	IS : 226—1975	1989-06-30
CM/L-1575965	Tescon, NOIDA, Distt. Ghaziabad.	IS : 10840—1986	1989-06-15
CM/L-1609047	Narmada Agricultural Industries, Barwaha (MP).	IS : 9020—1979	1988-09-30
CM/L-1642550	Parolia Metal Industries, Calcutta.	IS : 1786—1985	1989-01-15
CM/L-1644453	Sankars Match Works, Sivakasi.	IS : 2653—1980	1989-01-31
CM/L-1663053	Gujarat Engg. Rajkot.	IS : 10001—1981	1987-03-15
CM/L-1666057	Gupta Chemicals Pvt. Ltd., Jaipur.	IS : 2569—1978	1989-04-30
CM/L-1672256	Plytex, Purnea (Bihar).	IS : 10 (Part 2)—1976	1989-03-31
CM/L-1673764	Shri Vinayka Engg. Rajkot.	IS : 10001—1981	1989-03-31
CM/L-1679876	Karnataka Agorochemicals Pvt. Ltd., Bangalore.	IS : 8074—1983	1989-04-15
CM/L-1686974	Bharat Pesticides Industries Pvt. Ltd., Odhav.	IS : 8259—1976	1988-05-15
CM/L-1695066	Swamy Tin Works, Quilon	IS : 103325—1982	1988-06-15
CM/L-1708453	Superjet Fire & Safety Services, Bombay.	IS : 934—1976	1988-06-30
CM/L-1708554	-do-	IS : 933—1976	-do-
CM/L-1711644	-do-	IS : 2171—1985	1988-07-15
CM/L-1719054	Y. M. Industries, Vasai Road	IS : 8808 : 1986	1988-07-31
CM/L-1724653	Alankar Cable Industries, Delhi	IS : 694 : 1977	1988-08-15
CM/L-1730345	Dev Tin Works, Shirhor (Gujarat)	IS : 10325 : 1982	1989-09-15
CM/L-1730446	Ajanta Industrial Corporation, Amroli (Gujarat)	do	-do-
CM/L-1741451	Kancaria Steels, Boisar	IS : 6915 : 1978	1988-09-30
CM/L-1744255	Ganesh Metal Works, Jalandhar	IS : 1729 : 1979	1989-10-15
CM/L-1745863	Sidhu Textiles, Tirupur	IS : 4964 : 1980	1988-10-31
CM/L-1759961	L. K. Industries, Nagpur	IS : 1977 : 1975	1988-11-15
CM/L-1765263	Indian Tool Manufacturers, Bombay	IS : 5101 : 1960	1989-05-31
CM/L-1768875	Speedway Products, Bombay	IS : 933 : 1976	1988-12-15
CM/L-1768976	-do-	IS : 934 : 1976	1988-12-15

CM/L-1775064	Incon Papers & Chemicals (P) Ltd., Jaipur	IS : 1551 : 1976	1989-01-15
CM/L-1784772	Kaire Can Co. Ltd., Anand	IS : 10339 : 1982	1989-01-31
CM/L-1796072	The Murarka Paints & Varnish Works, Calcutta	IS : 168 : 1979	1989-02-28
CM/L-1801948	Rajchani Associates Pvt. Ltd., Behror (Rajasthan)	IS : 269 : 1976	1989-03-15
CM/L-1807354	Marson (India) Industries, Bombay	IS : 5346 : 1975	1989-03-31
CM/L-1814351	Usha Alloys & Steels Ltd., Jamshedpur	IS : 6914 : 1978	1989-04-15
CM/L-1814452	do-	IS : 6915 : 1978	do-
CM/L-1817761	National Foundry & Engineering Works, Phagwara (Punjab)	IS : 9020 : 1979	1989-04-30

[No. CMD/13 : 14]

S. SUBRAHMANYAN, Addl. Director General

मानव संसाधन मंत्रालय

(संस्कृति विभाग)

(भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण)

नई दिल्ली, 13 अगस्त, 1991

(पुरातत्व)

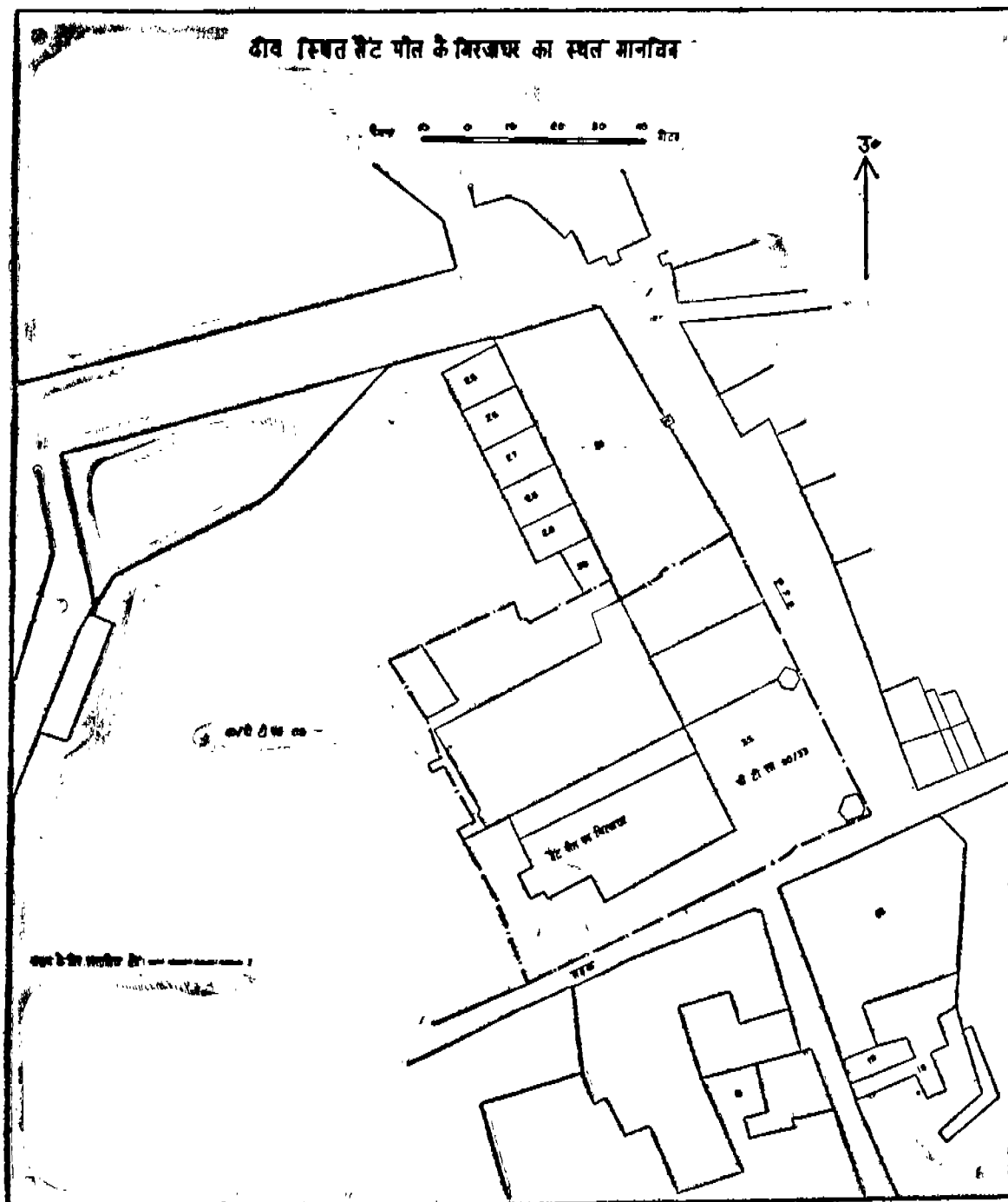
का.आ. 2242 :—केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इसमें उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक राष्ट्रीय महत्व का है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अधिगण अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 4 मार्च, 1989 में प्रकाशित भारत सरकार के संस्कृति विभाग भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की अधिमूचना सं. का. आ. 409, तारीख 6 फरवरी, 1989 का अधिकांत करने हुए, उक्त संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की सूचना देती है।

केन्द्रीय सरकार, राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो मास की अवधि के भीतर उक्त संस्मारक में हितबद्ध किसी व्यक्ति से प्राप्त किसी आक्षेप पर विचार करेगी।

अनुसूची

संघ राज्य क्षेत्र	जिला	परिक्षेत्र	संस्मारक का नाम	संरक्षण के अधीन सम्मिलित किए जाने वाले राजस्व प्लॉट संख्यांक
1	2	3	4	5
दमन और दीव	दीव	दीव नगर	किले के बाहर सेट पाल गिरजाघर	नीचे उद्धृत स्थल आरेख में यथा दर्शित सर्वेक्षण प्लॉट नं. 33/पी टी एस/90 का भाग
क्षेत्र	सीमाएं	आमित्य	टिप्पणियाँ	
6	7	8	9	
3175	उत्तर-सर्वेक्षण में 33/पी टी एस/90 का क्षेत्र भाग पूरब सड़क— दक्षिण—सड़क पश्चिम—सर्वेक्षण प्लॉट सं. 10/पी टी एस/115	कम्फारिआ डि नोसा मेन्दीरा डि रोसेरिओ		



[क्र. सं. 2/15/84-स्मारक]

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
(Department of Culture)
(Archaeological Survey of India)
New Delhi, the 13th August, 1991
(ARCHAEOLOGY)

S.O. 2242.—Whereas the Central Government is of the opinion that the ancient monument specified in the schedule annexed hereto is of national importance;

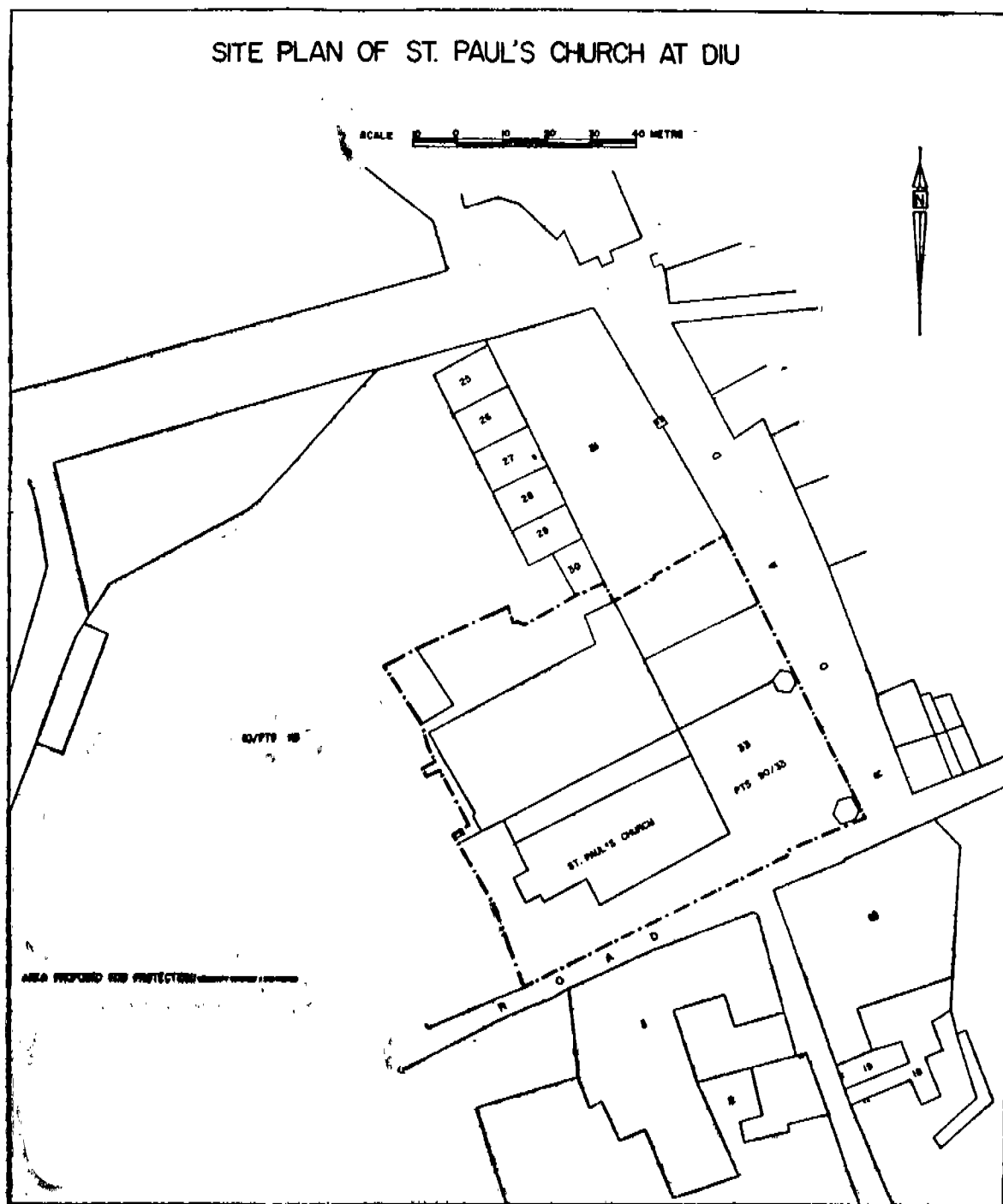
Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and

Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), and in supersession of the notification of the Government of India, Department of Culture (Archaeological Survey of India) number S.O. 409 dated the 6th February 1989, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (ii) dated the 4th March 1989, the Central Government hereby gives notice of its intention to declare the said monument to be of national importance;

Any objection which may be received from any person interested in the said monument within a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette will be considered by the Central Government.

SCHEDULE

Union Territory	District	Locality	Name of Monument	Revenue plot numbers to be included under protection.
1	2	3	4	5
Daman & Diu	Diu	Diu Town	Saint Paul's Church out side Fort	Part of survey plot No. 33/PTS/90 as shown on the site plan reproduced below.
Area	Boundaries	Ownership	Remarks	
6	7	8	9	
3175 sq. meters	North : Remaining portion of Survey plot number 33/PTS/90 East.—Road. South—Road West—Survey plot number 10/PTS/115	Confraria-de-nossa Senhora De Roserio	—	



(पुरातत्व)

का. प्रा. 2243.--केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इसमें उपायुक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक राष्ट्रीय महत्व का है :

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की दो मास की सूचना देती है।

ऐसे आशय पर, जो राजपत्र में इस अधिसूचना के जारी करने की तारीख के दो मास की अवधि के भीतर उक्त प्राचीन संस्मारक में हितवद्ध किसी व्यक्ति से प्राप्त होगा, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी। आशय, महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, जनपथ, नई दिल्ली 110011 को भेजे जा सकते हैं।

अनुसूची

राज्य	जिला	परिक्षेत्र	संस्मारक/स्थल का नाम	संरक्षण के लिए शामिल किए जाने वाले राजस्व प्लॉट संख्या	क्षेत्र	मीमांसा
1	2	3	4	5	6	7
पश्चिमी बंगाल	कलकत्ता	स्ट्रेंड रोड, कलकत्ता	मेटकाफ हॉल	म्यूनिसिपल सं. 12 (ब्लॉक सं. 23 राजस्व धृति सं. 20)	0.70 एकड़	कृषि उद्यान सोसाइटी और कलकत्ता पब्लिक पुस्तकालय (लाइब्रेरी)
स्वाभिलष			टिप्पणियाँ			
8			9			
उत्तर : हेणर स्ट्रीट पूर्व : चर्च लेन की म्यूनिसिपल सं. 1/1 से 1/8 उत्तर : चर्च लेन की म्यूनिसिपल सं. 3 पश्चिम : स्ट्रेंड रोड						

[फा. सं. 2/20/89-मं.]

एम सी जोशी, महानिदेशक

(ARCHAEOLOGY)

S.O. 2243.--Whereas the Central Government is of the opinion that the ancient monument specified in the Schedule annexed hereto is of national importance.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby gives two months notice of

its intention to declare the said ancient monument to be of national importance.

Any objection which may be received within a period of two months from the date of issue of this notification in the Official Gazette from any person interested in the said ancient monument will be taken into consideration by the Central Government. The objections may be addressed to the Director General, Archaeological Survey of India, Janapath, New Delhi-110011.

SCHEDULE

State	District	Locality	Name of Monument/ Site	Revenue plot numbers to be included under protection
1	2	3	4	5
West Bengal	Calcutta	Strand Road, Calcutta.	Metcalf Hall.	Municipal No. 12 (Block No. 23, Revenue Holding No. 20)

Area	Boundaries	Ownership	Remarks
6	7	8	9
0.70 Acres	North : Hare Street East : Municipal Nos. 1/1 to 1/8 of Church Lane., South : Municipal No. 3 of Church Lane. West : Strand Road.	Agri-Horticulture Society and Calcutta Public Library	

[F. No. 2/20/89-M]

M.C. JOSHI, Director General.

सम्पदा निदेशालय

नई दिल्ली, 2 अगस्त, 1991

का.प्र. 2044.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान, अप्राधिकृत अधिकारियों की बेदखली अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे सारणी के स्तंभ (1) में वर्णित अधिकारियों को जो सरकारी राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए संपदा अधिकारी नियुक्त करती है और यह और निदेश देती है कि उक्त अधिकारी उक्त सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों के प्रवेश को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन संपदा अधिकारी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और उस पर अधिरोपित कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे।

2020 GI/91—5

सारणी

अधिकारी का पराभिधान	सरकारी स्थानों का प्रवेश
(1)	(2)
1. कार्यपालक इंजीनियर, कोचीन केन्द्रीय खंड, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, कोचीन	साधारण पुल निवास स्थान, शिक्षाकारा, कोचीन-30
2. सहायक इंजीनियर, कोचीन केन्द्रीय उपखंड, II केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, कोचीन।	

[फा.सं. 11013 (1)/90-पोल-IV
प्रार.डी. सहाय, उप-निदेशक सम्पदा (पोल-4)]

DIRECTORATE OF ESTATES

New Delhi, the 2nd August, 1991

S.O. 2244.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being a gazetted officer of Government, to be an estate officer for the purpose of the said Act and further directs that the said officer shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on an estate officer under the said Act in respect of the category of public premises specified in column (2) of the said Table.

TABLE

Designation of Officer	Category of public premises
(1)	(2)
1. Executive Engineer, Cochin Central Division, Central Public Works Department, Cochin.	General Pool Residential Accommodation, Thrikkakara, Cochin-30.
2. Assistant Engineer, Cochin Sub-Divisions. II CPWD., Cochin.	

[File No. 11013/1/90-P(IV)]

R.D. SAHAI, Dy. Director of Estates Pol. IV.

दिल्ली विकास प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 14 अगस्त, 1991

का.प्रा. 2245.—केन्द्रीय सरकार का, दिल्ली की मुख्य योजना/क्षेत्रीय विकास योजना में निम्नलिखित संशोधन करने का प्रस्ताव है, जिसे जनता की सूचना के लिए एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है। प्रस्तावित संशोधन के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो/कोई सुझाव देना हो तो वह अपनी आपत्ति या सुझाव, इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिनों की अवधि के अंदर सचिव, दिल्ली विकास प्राधिकरण, विकास सदन, बी ब्लॉक, आई.एन.ए., नई दिल्ली को लिखित रूप में भेज सकता है। आपत्ति करने या सुझाव देने वाला व्यक्ति अपना नाम और पता भी लिखे।

संशोधन :—“उप क्षेत्र डी-2 (माता सुंदरी मार्ग क्षेत्र) में पड़ने वाले, उत्तर में मनोरंजनात्मक क्षेत्र और फिरोजशाह कोटला ऐतिहासिक स्मारक, पूर्व में मौजूदा प्राथमिक विद्यालय, दक्षिण में मौजूदा मनोरंजनात्मक क्षेत्र और ग्रेवयार्ड और पश्चिम में मौजूदा शौचालय ब्लॉक से घिरे लगभग 0.14 हेक्टेयर क्षेत्र के भूमि उपयोग को “मनोरंजनात्मक उपयोग” से “आवासीय उपयोग” में परिवर्तित करने का प्रस्ताव है।”

2. प्रस्ताव संशोधन बताने वाला नक्शा निरीक्षण के लिए उक्त, अवधि के अंदर सभी कार्य-दिवसों को उप निवेशक कार्यालय, मुख्य योजना अनुभाग, विकास मीनार, छठी मंजिल, आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली में उपलब्ध होगा।

[एफ. 16 (60)/68-एम.पी.]
रणवीर सिंह, सचिव

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 14th August, 1991

S.O. 2245.—The following modification which the Central Government proposes to make to the Master Plan

Zonal Development Plan for Delhi, is hereby published for public information. Any person having any objection or suggestion with respect to the proposed modification may send the objection or suggestion in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, Vikas Sadan, 'B' Block, INA, New Delhi within a period of thirty days from the date of issue of this notice. The person making the objection or suggestion should also give his name and address.

MODIFICATION :

“The land use of an area measuring about 0.14 hect. falling in sub zone D-2 (Mata Sundri Road area) bounded by recreational area and Ferozshahi Kotla Historical monument in the North, existing Primary School the East, existing recreational area and graveyard in the South and existing toilet block in the West, is proposed to be changed from 'recreational use' to 'residential use'.”

2. The plan indicating the proposed modification will be available for inspection at the office of the Deputy Director, Master Plan Section, Vikas Minar, 6th floor, I.P. Estate, New Delhi on all working days within the period referred to above.

[F. 16(60)/68-MP]
RANBIR SINGH, Secy.

जल-भूतल परिवहन संज्ञासय

(अम खंड)

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 1991

का.प्रा. 2246.—मद्रास अरजिस्ट्रीकृत डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1957 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित प्रारूप जो केंद्रीय सरकार डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त उपधारा की धारा-नुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर उस तारीख से, जिसको इस अधिसूचना वाले

राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध कराई जाती हैं, 30 दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् बिचार किया जाएगा।

किन्हीं ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर, जो पूर्वोक्त अवधि की समाप्ति के पूर्व उक्त प्रारूप के संबंध में किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार बिचार करेगी।

प्रारूप स्कीम

1. (1) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम मद्रास अनरजिस्ट्रिड डॉक वर्कर्स (नियोजन का विनियमन) संशोधन स्कीम, 1991 है।

2. (2) यह राजपत्र में अपने अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

2. मद्रास अनरजिस्ट्रिड डॉक वर्कर्स (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1957 में—

(i) खण्ड (3) के उपखण्ड (ज) में, "बोर्ड" शब्द के स्थान पर, "अध्यक्ष" शब्द रखा जाएगा।

(ii) खण्ड 4 की मद (ख) में "सूचीबद्ध नियोजक और" शब्दों का लोप किया जाएगा,

(iii) ख 4-क की मद (ग) का लोप किया जाएगा।

(iv) खंड 5 के उपखंड (1) में, मद (क) के पश्चात् निम्नलिखित मद अन्तः स्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

(कख) "नए नियोजकों को सूचीकृत करने पर विचार करना,

(vi) खण्ड 8 में,—

(क) उपखण्ड (3) और (4) में,—

(1) "बोर्ड" शब्द के स्थान पर, जहां कहीं वह आता है, "अध्यक्ष" शब्द रखा जाएगा,

(2) "वह" शब्द के स्थान पर, जहां कहीं वह आता है, "वह" शब्द रखा जाएगा,

(ख) उपखण्ड (5) में, "अधिवेशन में बोर्ड" और "बोर्ड" शब्दों के स्थान पर, "अध्यक्ष" शब्द रखा जाएगा।

(vi) खण्ड 11 में, उपखण्ड (9) के पश्चात् निम्नलिखित उपखण्ड अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

(10) "कोई सूचीकृत नियोजक अध्यक्ष के लिखित पूर्व अनुमोदन के बिना नियोजक के रूप में सूचीकरण करने में या उसके अधीन किसी हित या प्रसुविधा को किसी अन्य व्यक्ति को समनुदेशित नहीं करेगा, अन्तर्गत नहीं करेगा या किसी रीति से उससे अवगत नहीं होगा।"

(vii) खण्ड 14 के उपखण्ड (2) में, मद (ख) में, "बोर्ड" शब्द के स्थान पर, जहां कहीं वह आता है, "अध्यक्ष" शब्द रखा जाएगा।

(viii) खण्ड 15 के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात्:—

"15. नियोजकों द्वारा अभीर्ण—(1) कोई सूचीकृत नियोजक, जो खण्ड 14 के अधीन किसी आदेश से व्यथित है, निम्नलिखित को अभीर्ण कर सकेगा:—

(क) उपाध्यक्ष को, यदि आदेश खंड 14 के उपखंड (1) के अधीन कार्मिक अधिकारी द्वारा किया गया था,

(ख) अध्यक्ष को, यदि आदेश उपाध्यक्ष द्वारा खण्ड 15 के उपखण्ड (2) की मद (क) के अधीन अपने मूल आदेश के रूप में किया गया था, या

(ग) केन्द्रीय सरकार को, यदि आदेश उपाध्यक्ष द्वारा खण्ड 14 के उपखण्ड (2) की मद (ख) के अधीन अध्यक्ष के अनुमोदन से किया गया था।

(2) खण्ड 8 के अधीन किसी आदेश से व्यथित कोई व्यक्ति आदेश की प्राप्ति के 30 दिनों के भीतर केन्द्रीय सरकार को लिखित रूप में अभीर्ण कर सकेगा।

परन्तु केन्द्रीय सरकार, लेखबद्ध किए जाने वाले कारणों से 30 दिन की समाप्ति के पश्चात् की गई अभीर्ण ग्रहण कर सकती।

(3) उपखण्ड (1) में निर्विष्ट प्रत्येक अभीर्ण लिखित रूप में होगा और उस आदेश की प्राप्ति के, जिसके विरुद्ध अभीर्ण का गढ़ है, 14 दिनों के भीतर की जाएगी।

[फ.सं. एल.बी. 13013/20/88-एल-4]

पी.के. मिश्रा, निदेशक

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Labour Division)

New Delhi, the 8th August, 1991

S.O. 2246.—The following draft of a Scheme further to amend the Madras Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1957, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), is hereby published as required by the said sub-section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of 30 days from the date on which copies of the Official Gazette containing this notification are made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the aforesaid period will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT SCHEME

1. (1) This Scheme may be called the Madras Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Amendment Scheme, 1991.

(2) It shall come into force on the date of its final publication in the Official Gazette.

2. In the Madras Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1957,

(i) in sub-clause (h) of clause 3, for the word "Board", the word "Chairman" shall be substituted.

(ii) in clause 4, in sub-clause (b), the words "listed employers and" shall be omitted.

(iii) in clause 4AA, sub-clause (c) shall be omitted;

(iv) in clause 5, in sub-clause (1), after item (m), the following new item shall be substituted, namely:—

"(n) to consider listing of new employers;"

(v) in clause 8,—

(a) in sub-clauses (3) and (4),—

(1) for the word "Board", wherever it occurs, the word "Chairman" shall be substituted;

(2) for the word "it", wherever it occurs, the word "he" shall be substituted;

(b) in sub-clause (5), for the words "Board-in-meeting" and "Board", the word "Chairman" shall be substituted;

(vi) in clause 11, after sub-clause (9), at the following, sub-clause shall be inserted, namely:—

"(10) A listed employer shall not assign, transfer or in any manner part with any interest or benefit in or under the listing as employer by the Board to any other person without prior approval in writing of the Chairman;"

(vii) in clause 14, in sub-clause (2), in item (b), for the word "Board", wherever it occurs, the word "Chairman" shall be substituted;

(viii) for clause 15, the following clause shall be substituted, namely:—

"15. Appeals by employer.—(1) A listed employer who is aggrieved by an order under clause 14, may appeal—

(a) to the Deputy Chairman, if the order was made by the Personnel Officer under clause 14(1)(i); or

(b) to the Chairman, if the order was made by the Deputy Chairman, as his original order under clause 14(2) (a); or

(c) to the Central Government, if the order was made by the Deputy Chairman with the approval of the Chairman under clause 14(2)(b).

(2) Any person aggrieved by any order against him under clause 8, may appeal in writing to the Central Government within 30 days of the receipt of the order;

Provided that the Central Government, may, for reasons to be recorded, admit an appeal preferred after the expiry of 30 days.

(3) Every appeal referred to in sub-clause (1) shall be in writing and preferred within 14 days of the receipt of the order appealed against."

[F. No. LB-13013/20/88-L.IV]

P. K. MISHRA, Director

अम मंत्रालय

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1991

का.आ. 2247:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूच में, केन्द्रीय सरकार में, ट्रांसोसियन शिपिंग एजेंसी प्रा. लि. तथा में, धार्सी मूलजी, बम्बई के प्रबन्धक के संबंध निवाजकी मार उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्राय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 2 बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करता है, जो केन्द्राय सरकार की 25-7-91 का प्राप्त हुआ था।

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 26th July, 1991

S.O. 2247.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2 Bombay as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. Transocean Shipping Agency Pvt. Ltd., and M/s. Dharsi Moolji, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on 25-7-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, AT BOMBAY

Reference No. CGIT-2/1 of 1986

PARTIES :

The Employers in relation to the Management of M/s. Transocean Shipping Agency Pvt. Ltd., and M/s. Dharsi Moolji, Bombay.

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Management.—Shri C. V. Pavaskar, Advocate.

For the Workmen.—Shri M. B. Anchan, Advocate.

INDUSTRY : Port and Docks, STATE : Maharashtra.
Bombay, dated the 4th July, 1991

AWARD

The Central Government, by their order No. L-31011/1/85-D.IV(A) dated 8-1-1986 have referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

"Whether the action of the management of Messrs. Transocean Shipping Agency Pvt. Ltd. and Messrs. Dharsi Moolji, Bombay, in stopping the work of the 38 workmen as per list attached, who were working in the Russian Lash Barges engaged in loading and unloading of cargoes/ships in the mustream w.e.f. 22nd September, 1984 is justified ? If not, to what relief the workmen concerned are entitled ?".

2. The General Secretary of the National Dock Workers' Union filed his statement of claim challenging the said action of the said management, and in support of the claim of the Union.

3. M/s. Transocean Shipping Agency Pvt. Ltd. filed its written statement in support of its action, and contested the claim of the Union.

4. M/s. Dharsi Moolji, Bombay, also filed its written statement in support of its action, and contested and denied the claim of the Union.

5. On the basis of the pleadings of both the parties, the necessary issues were framed.

6. Thereafter, while the reference was at the stage of the evidence of the parties, certain eighteen workmen and the management entered into settlements on different dates and filed the terms of their settlements. As per these settlements, the concerned workmen were paid some amounts, and they gave up their claim for reinstatement in service.

7. Thereafter, on 24-6-1991, the rest of the 20 workmen and M/s. Dharsi Moolji, and M/s. Transocean Shipping Agency Pvt. Ltd., came to an amicable settlement, and they filed their terms of the settlement. The names of the 18 workmen who had settled their claim earlier, have also been mentioned in that settlement. This settlement has been signed by the Partner of M/s. Dharsi Moolji, by the Manager of M/s. Transocean Shipping Agency Pvt. Ltd., and by the advocate of the two companies and also by the advocate of the Union. All the parties admitted the contents and execution of that settlement, and accepted it. The terms of the said settlement are thus :—

That the order passed by M/s. Dharsi Moolji, terminating the services of the workmen whose names are shown in the ANNEXURE-A appended hereto shall stand and that each of them shall be paid in full and final settlement of their claims against M/s. Transocean Shipping Agency Pvt. Ltd., and M/s. Dharsi Moolji, a sum of Rs. 40,000 (Rupees Forty Thousand only) which shall comprise gratuity, provident fund and other legal dues, if any.

(2) That the aforesaid payment shall be in full and final settlement of all the claims of the workmen, monetary or otherwise against M/s. Transocean Shipping Agency Pvt. Ltd. and M/s. Dharsi Moolji.

(3) That in consideration of the above payment, which shall be made on 24th June, 1991 by crossed cheque/ Demand Draft, the aforesaid workmen shall have no claim for reinstatement or any other claim of whatever nature against the aforesaid concerns.

(4) That the cases of the workmen whose names are shown in the ANNEXURE-B shall be treated as settled, pursuant to the settlements reached with M/s. Dharsi Moolji and shall be disposed accordingly and that they shall have no claims of whatever nature monetary or otherwise against M/s. Transocean Shipping Agency Pvt. Ltd., or M/s. Dharsi Moolji, including reinstatement.

(5) That in consideration of the above payment and payments already made, the workmen whose names are shown in ANNEXURE 'A' and 'B' shall have no claim monetary or otherwise and/or employment or re-employment in the services of the aforesaid concerns in future.

ANNEXURE-'A'

Sr. No.	NAMES
1.	Anwar Ismail Gaonkardkar
2.	Dip Sundank Sanyal
3.	Gulzar Usman Sarang
4.	Ismail Ahmed Hatodkar
5.	Jai Ram Govind Lawande
6.	Kasim Khan Kanchandria Patil
7.	Keshav Gangaram Karjawkar
8.	Miyakat Monammed Poudre
9.	Laxman Madan Kubal
10.	Madhukar Bhikaji Parkar
11.	Noor Mohd. Karim Poudre
12.	Parshuram Pandurang Mahakar
13.	Prabhakar Yeshwant Parkar
14.	Ramakant Janardhan Ambolkar
15.	Salam Suleman Hatodkar
16.	Shamsuddin Dawood Banker
17.	Sudham Ganpat Padwal
18.	Umar Latif Darvesh
19.	Uttam Atmaram Karkutkar
20.	Yaseen Ishaq Darvesh

ANNEXURE-'B'

Sr. No.	NAMES
1.	Anant Dattatray More
2.	Atmaram Tukaram Padwal
3.	Bhogilal Sitaram Padwal
4.	Chandrakant Hari Sakarkar
5.	Keshav Bala Kemble
6.	Mangesh Dattatray Mahakar
7.	Manohar Ragoba Kanekar
8.	Mohammed Ebrahim Mullaji
9.	Narayan Bably Juwle
10.	Ramesh Tukaram Padwal
11.	Satyavijay Krishna Narvekar
12.	Sridhar Mukund Patil
13.	Sitaram Savalram Dhurat
14.	Subash Janoo Niwathe
15.	Suresh Ganpat Padwal
16.	Suresh Tukaram Padwal
17.	Yashwant Namdeo Wadekar
18.	Ramesh Mula Jadhav

8. I find that the said settlement is quite in the interests of both the parties. As such, I accept it. Therefore, the Award must be, and is drawn in terms of that settlement dated 24-6-1991.

Dated.—4th July, 1991.

P. D. APSHANKAR, Presiding Officer
[No. L-21011/1/85-D.I.V(A)]
S. S. PARASHER, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1991

का.प्र. 2248:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार टेलीकम्युनिकेशन, गन्तूर के प्रबन्धन के संबंध में निम्नलिखित निर्णयों और उनके कर्मचारियों के बीच अनुबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-7-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 29th July, 1991

S.O. 2248.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Telecommunication Guntur and their workmen, which was received by the Central Government on 26-7-91.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERABAD

Hyderabad, the 22nd June, 1991

Industrial Dispute No. 25 of 1989

BETWEEN :

The Workmen of Telecommunication,
Guntur Area, Guntur (A.P.) ..Petitioner.

AND

The Management of Telecommunication
Guntur Area, Guntur (A.P.) ..Respondent.

APPEARANCES :

Sri C. Suryanarayana, Counsel for the Petitioner.
Sri P. Vithal Rao, Central Government Standing Counsel
—for Industries and Labour cases for the Respondent-Management.

AWARD

This is a reference made by the Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-14012/29/87-D.II (B) dated 16-3-1989 for adjudication of the dispute between the employers in relation to the Management of Telecommunication, Guntur Area, Guntur and their workmen in respect of the matters specified in the schedule setting forth the point for adjudication in the schedule as follows :—

“Whether the action of management of Telecommunication, Guntur in terminating the services of Sri M. Prasada Rao, Ex-Casual Labour is justified ? If not, what is he entitled to ?”

The said reference was registered as I.D. No. 25 of 1989 on the file of this Tribunal. After receiving notices, both parties put in their appearance. The Petitioner filed his claim statement on 22-4-1989 and the Respondent filed the counter on 17-8-1989.

2. The averments of the claim statement filed by the workmen claimant read as follows :

The claimant likes to submit that he is a Casual Mazdoor under the Management, viz. the Telecommunications Department, Guntur Area, Guntur (A.P.) from 10-5-1978, he having been absorbed as such along with six other candidates sponsored by the District Employment Officer, Guntur under his letter No. CG 545/78. dt. 8-5-1978 in the Memo. No. E. 63/Mazdoors dated 9-5-78 of the Divisional Engineer (Phones), Guntur initially and since then he was utilised in such capacity or the other in one or the other's custody of the Management in the same Department of Telecommunications represented by the head of Guntur Area, the Director of Telecommunications, which is an Industry as defined under 2(j)(i) of the Industrial Disputes Act. The workman, who was appointed as Casual Mazdoor along with six others, who were juniors in seniority of the Employment Exchange, was deprived of the opportunity to continue as such with effect from 1-11-1978, even though the other said six persons were continued, though the character and conduct of the claimant was found to be satisfactory which can be corroborated by the certificate issued by the Assistant Engineer, Trunks, Guntur. The Divisional Engineer (Phones) Guntur issued instructions to the claimant to report to the Assistant Engineer (Trunks) Guntur, directing the Assistant Engineer to utilise his services as Mazdoor at his end as and when occasion arises, as the claimant was already selected as Mazdoor under Divisional Engineer's reference dt. 9-5-78. Thus it is clear that there is no reason why this claimant should have been retrenched, whereas his juniors were continued. Subsequently also, as he was not given any opportunity in spite of the above reference, the claimant submitted applications to the Divisional Engineer, Phones, Guntur for appointing him as a Casual Mazdoor. The claimant was attending to the office of the Director of Telecom, Divisional Engineer, Phones and Assistant Engineer's Offices and from 23-5-1981, the Director of Telecom, Guntur area took the claimant to services, but to the previous applications poured by the claimant to the Divisional Engineer, Phones, on 6-1-1982 the letter gave a reply under his No. E. 63/Maz./138, stating that at that time there was no need of Mazdoors and that the Claimant will be called as and when required. Thus it is clear that the Respondent retrenched the claimant from the Casual Mazdoor service even though the persons taken to the same service under the original appoint-

ing Memo dt. 9-5-78 were continued though they have less seniority in the Employment Exchange. Under Sec. 25-B of the Industrial Disputes Act, he is deemed to be in continuous service from 10-5-78 to 20-6-78 and subsequently upto 23-5-81 he was under cessation of work which was not due to any fault on the Part of the workmen. The usual practice in vogue in the department from the beginning was to say "there is work for you today, so work" and when there was no work on any day "there is no work for you today and so you may go away for today"

and on that day absent was being marked in the muster, and some times for reasons known to themselves leave letters were taken for some days when the workmen required leave and some time without such letters, he was being permitted. In any case, the workman was being paid wages at the end of the month only for the days he worked. Accordingly, the workmen put in the following services under the management, under the offices of the Telecommunications Department, Guntur range, all within the jurisdiction of the Respondent :

Worked as	From	To	The authority under whom worked.
Casual Mazdoor	10-05-78	16-06-78	Office of M.D.I.C. P & T Dispensary, Guntur under jurisdiction of Divisional Engineer (Telecom Phones), Guntur.
-do-	10-7-78	10-06-78	Office of the Divisional Engineer, Phones, Guntur.
Class III (SDTD) (Short Duty Telephone Operator)	1-7-78	31-10-78	Office of Telephone Exchange, Guntur under the jurisdiction of Division Engineer Phones, Guntur.

(Here the workman was retrenched by the authorities for want of vacancies of which detailed description of state of affairs is expressed hereafter as to how it was against the procedure laid down under Sec. 25-G of the Act):

Casual Mazdoor (Attending to Class IV duties)	23-5-81	17-5-83	Office of the Director, Telecom, Guntur Area, Guntur.
-do-	18-5-83	4-3-84	Office of the Divisional Engineer, Telecom., Guntur.
-do-	5-3-84 till date (till the date of the impugned order dt. 14-11-85 of the Respondent).		Office of the Director, Telecommunication, Guntur Area, Guntur.

As explained above, when the Employer denied work for the workman, he was put to hardship for want of wages for his daily bread and with the oral permission of the employer he used to go out for seeking his daily/bread for some days, and in some continuous periods, until he receives a word from the Employer to resume and assume some duties to be entrusted to him, as has been usual in the manner mentioned supra. To the misfortune of the workman, taking advantage of the then innocence of the workman, even though the other six persons mentioned above were continued as casual mazdoors, even though this workman was deprived of work with effect from 1-11-1978 and subsequently all the said six persons were appointed into Group 'D' Services. The employee was only taken as Casual Mazdoor from 23-5-81 and his Casual Mazdoor particulars are mentioned above. In this way the workman was deprived of being selected for Group 'D' Services for the first time. While he was continuing as Casual Mazdoor attending to Class IV duties from 13-5-81, there were selection of Telegraph Messengers by S.S.T.T., Vijayawada, for which the workman submitted representation dt. 3-7-83 to the General Manager, Telecommunications (SD), Hyderabad to consider him for the interview to be held then on 13-7-83, which was negated vide the letter's Lr. No. TA/TSS/24-6-83, dated. 30-8-83 stating that the candidates having worked for more number of days as Casual Mazdoors then the employee in the Division were only called for the test even though the S.S.T.T., Vijayawada is within the jurisdiction of the Director of Telecom, Guntur area, Guntur. For the second time, thus, the workman was deprived of the opportunity to Class IV Group 'D'

cadre. While so, posts in Group 'D' Services fell vacant in the Department of Telecommunications under the Divisional Engineer, Phones, Guntur in 1983 while the workman was working under the Director of Telecommunications. The Workman submitted his application to the Divisional Engineer (Telephones) Guntur through the Director of Telecommunications, for which the Divisional Engineer, Phones, Guntur had written a letter to the Director rejecting his Division (DE's Divn.) and so cannot be considered vide his letters E.68/Rectt/GD/8 dt. 7-2-83 and E.68/Rectt/GD/Col. T1/2, dt. 18-12-82, copies of which are not with the workman, but which may be sent for from the Divisional Engineer (Phones) or Director of Telecom., Guntur Area, Guntur. In this connection, it is submitted that the entire Telecommunications Department, whether Divisional Engineer, Phones or Divisional Engineer, Telecom. or S.S.T.T., Vijayawada or Director of Telecom. come under the jurisdiction of the Director of Telecommunications. Further in spite of applications of the workman and without considering his services, the Divisional Engineer, Telecom. Guntur subsequently posted the mazdoors in his division as Class IV (Group 'D' Services) and posted them to Director's Office in the regular vacancies then existing in Director's office and got the mazdoors working in Director's office transferred to his division along with the workman and though the vacancy was in Director's office, his continuous service in Director's office was not taken into consideration to absorb him in the Director's office itself, which was a grave injustice done to the workman on the face of the record and this is the fourth time he was deprived of the opportunity,

the third being in Divisional Engineer, Phones, Guntur office. It is clear from the above, that the Divisional Engineer (Phones) Guntur appointed and posted the Casual Mazdoors working in his jurisdiction as Class IV into the Group D services to the vacancies of the Director's office, whereas the Divisional Engineer (Telecom), Guntur posted Casual Mazdoors working under him to Director's office. So the contention of the Divisional Engineer, Phones in his letter to the Director of Telecom., that the claimant had no 180 days of casual mazdoor service in Divisional Engineer, Phones Area is not applied in case of vacancies in Director's office, in that the persons appointed and posted as Group D services by Divisional Engineer, Telecom had no 180 days of continuous service in the Director's office. The references in this regard exist with the Management and so the documentary evidence in this regard has to be sought from the management, which may be sent for by this Hon'ble Court. A specific feature to be taken into consideration by this Hon'ble Tribunal is that, even though vacancies in Group D were existing in Divisional Engineer (Telecom) Guntur offices, he posted the casual mazdoors working under him to the Director's office and pulled down those casual mazdoors of the Director's office to his division with a view to create opportunity to the casual mazdoors working in his division to be absorbed in vacancies in both director's office as well as these in his division, thus depriving such opportunity to those then working in Director's office, which is a grave injustice done to the workmen. The workman thereupon submitted a representation to the Secretary, Department of Personnel and Administrative Reforms, Ministry of Home Affairs, New Delhi in March, 1984. In pursuance thereof, the Director of Telecommunications thereupon called for certain particulars, and the workman submitted representations and particulars under his reference dated 3-7-1984 and 26-12-1984, but no action was taken by the Management in this regard. The reference were given to age relaxation and to exempt him for appearing for the Class III posts examinations both within the Department and for staff Selection Commission and for other Departments. These representations submitted by the workman to the higher authorities raised grouse in the offices of the Respondent. The management from then on bore prejudicial views is clear from the fact of their issue of a Memo No. ATG/ST/2-33/A1/32, dt. 11-4-85/23-5-85 just subsequent to the above and vindictively created a scene of missing of office furniture and called for explanation as to why cost of them should not be recovered from the workman's pay/wages, stating that he was one among those who were entrusted with the Chowkidar duty during the period after last inspection. If the missing of articles were true, they should have issued a Police Complaint and really recovered the amount from the pay/wages of the workman subsequently, which was not done. This clearly shows that the Management issued the above memo to harass the workman and was looking for an opportunity to throw dirt on the workman's unblemish conduct and character with a view to hamper his career, so as to create a disqualification on him on one pretext or the other. This workman submits, after all the hard efforts to get him absorbed into Group 'D' Services failed, vexed with the harassments made by the Management, the workman felt it necessary to request for leave and accordingly requested the Director of Telecommunications to permit him to go on leave for some period, for which the latter readily pleased to accept and allowed him to proceed on leave orally, as usual i.e. without any letter in writing. Surprisingly, as the workman was availing leave, he received the

Memo No. TAG/EST/1-030/II/18, dt. 14-11-85 from the Director to Telecom, Guntur that he was absent from duty as Casual Mazdoor since 27-9-85 without prior permission for reasons unknown and that the workman had not reported for duty till that day and further that if he failed to report to duty immediately as soon as the letter was received, it is decided to terminate his services and treat that letter as termination orders. In this connection, the workman submits that there was a gap of 50 days from the date of absence and the issuance of the Memo. When the Management was fully aware (if for arguments sake) that the workman was unauthorisedly absenting from 27-9-85, he ought to have given Memo immediately. It is surprising and easily causes surprise as to how the Management got the flash idea of issuing the Memo after fifty days. Thus it is clear that the Employer was fully aware of the absence of the workman to his knowledge from the inception and because the employee only went on leave with prior permission of the Employer, the Employer kept quiet for such a long period. It was only with a contrivance of a plan to disqualify the Employee from his claim for the Group 'D' services to be made shortly then, even though he was well qualified, viz. Graduate with qualifying service at his credit, and to support their action in absorbing the other candidates into Group 'D' Services over looking the employee, and totally dispensing with him from even Casual Mazdoor service, the said Memo of plea of unauthorised absence of the Employee was chalked out, which is clearly a stab behind the back of the workman. The evil intention of the employer is clearly seen in the version "It is decided to terminate your services", and "treat this letter as termination orders" mentioned in the self-same Memo. On seeing the Memo, the workman ran to the office of the Respondent and pleaded his innocence and explained to the concerned staff of the office about the permission of the Director. The workman was abruptly informed that he was already removed from service in the above said self-same Memo, and that that was the meaning of the said Memo. The workman submits that the Management failed to follow the procedure stipulated for disciplinary action. Even the principles of natural justice of giving an opportunity to the claimant to represent his case were not followed. The Memo is arbitrary, and the version "If you fail to report for duty immediately as soon as the letter is received, it is decided to terminate your services and treat this letter as termination order" is vague and ambiguous. What exact time does it define by saying "as soon as" and at the same time "immediately"? The workman pathetically requested the concerned staff of the office for reinstatement personally, as he reported immediately after receipt of the Memo. They then said that as the Employee submitted an application for Group 'D' Services, they would consider him for that and thus suppressed the voice of the workman. The workman then left the office aspiring for the mythical Group 'D' services shown to him in the sky by the staff, but could not understand then the evil mind behind that and the plot of conspiracy to stab behind the back of this employee so as to totally abolish him from the Department. That part, the Director of Telecom, Guntur issued attestation forms to the claimant in delapidated condition, which were filled up by the claimant and submitted in their

office on 6-11-85, pasting it with cello-tape. But these were returned to the workman with some instructions to send the same on a fresh form issued with some particulars to be filled therein. On 29-11-1985, the Workman resubmitted the same to the Employer, but surprisingly he was given another Memo. dated 2-12-1985 stating that the employee submitted only one copy of attestation form with lot of omissions and directing him to submit the forms in duplicate without omission before 9-12-1985. On 9-12-1985 the Workman submitted two attestation forms and requisition for original certificates already submitted by him previously to the Employer. Subsequently the Management sent Memo. No. TAG[659]1-04[II] MPR[26] dated 12-12-1985, regarding him to report to the Asstt. Director immediately on or before 16-12-1985 failing which his name was threatened to be deleted from the list. In this connection, the workman submits that in each of the above Memos, the Employer threatened to remove the name of the workmen from the list, and waited for an opportunity to see whether the Employee would fail to respond so as to delete his name, and at last rejoiced at his not reporting on or before 16-12-1985 and successfully deleted his name from the list. The Employee was sick from 14-12-1985 to 20-12-1985 and hence could not attend to the Director's office and later when he went to the Director's office, details of his service were taken and the staff stated that they would send appointment orders to the workmen. But curiously the Employer sent letter dated 23-12-1985 stating that his name was removed from the select list for appointment to the cadre of Group 'D' of his office. In this connection, the claimant submits that submission of attestation form is a procedural course after issue of offer of appointment and the supply of attestation forms is an indication that the Employee was selected. After all, if there are lacking any information, they can be filled up later. They are meant for being sent for verification of character and antecedents of the workman. The fact that attestation forms were issued to the employee is a clear fact to establish that he was selected. So the workman was of the fond hope that he would receive orders of appointment and posting into Group 'D' services. On one plea or other the Attestation forms were delayed by the authorities. There is clear acknowledgement in the office of the Employer as to the receipt of the forms in duplicate finally on 9-12-1985. On 12-12-1985 the Employer sent Memo to the Employee to attend his office, the purpose of which was not made known therein, on or before 16-12-1985 failing which his name would be deleted from the list. The claimant was sick from 14-12-1985 to 20-12-1985 and was bed-ridden and so he could not attend the Director's office. Simply giving a Memo, giving a 3 days time, to attend their office, without considering whether the Employee was fit to attend

or not, or assuming whether there might have been some reason which might have made the employee not to report on or before 16-12-1985 as he fully knew that it was regarding the consideration of his appointment to Group 'D' services, which he strongly desired, one-sided decision was taken by the Management and removed his name from the list arbitrarily and they simply informed the Employee on 23-12-1985 that as he has failed to report to the Asstt. Director (P) in connection with recruitment of Group 'D' on 16-12-1985 his name was removed from the Select list for appointment to the cadre of Group 'D' of their office, without giving any opportunity for the workman to tender his version as to why such action should not be taken by the Management. Thus here also there is procedural lapse on the part of the Respondent in not giving him opportunity to represent. So it is clear that the name was removed with a clear intention to remove it. Soon after receipt of the Memo that his name was deleted from the list, on 26-12-1985 the Workman met the Director and requested him for appointment and inclusion of his name. The Workman explained to the Director as to how he could not come on 16-12-85 stating that he suffered from viral fever. The Director asked him to produce a medical certificate from the Doctor and accordingly that certificate was produced by the workman but to no effect. The Workman waited for orders innocently and submitted applications and representations on 16-1-1986, 20-2-1986 and 3-3-1986, enclosing the Medical Certificate also as stated above and as desired by the Director, but to no effect. The workman requested for return of his original certificates as he previously requested, and after taking letter in writing on 9-1-1986, the certificates were returned. The employer failed to mention the purpose for which he was called for to meet him on 16-12-1985 and the circumstances under which he was made disqualified or removed from the selection list were not corresponded to the Claimant, thus passing an impugned order detrimental to and hampering the career of the claimant without giving him any opportunity to represent. Notwithstanding anything contained above, some of the others who were posted to Group D services were taken either to Casual Mazdoor service or Group-D Service from the Employment Exchanges, which may kindly be enquired into, whereas the claimant was originally taken to Casual Mazdoor service from Employment Exchange and continues to possess his Employment Registration renewed current. Thus having been deprived of his life-bread, the workman represented to the Assistant Labour Commissioner (Central), Ministry of Labour and Rehabilitation, Government of India, Vijayawada-2, who has been pleased to take up the case of the workman for conciliation, but after a series of adjournments on 26-9-1986, 24-11-86, 29-1-1987, 25-3-1987, the Management filed the counter with false statements. A copy of the said Counter issued by the Assistant Labour Commissioner is herewith filed. It was clearly mentioned therein how procrastination of matter by shuttling the Attestation forms between the Employer and the Employee took place and how there was no delay on the part of the workman. Finally the Attestation forms were personally delivered in the office of the Assistant Director on 9-12-1985 and if the Assistant Director had the necessity of the workmen personally,

he ought to have done so on the same date and there is no reason why a Memo, by post ought to have been given within 3 days from that date, with the date of 12-12-1985 calling the workman to report to him personally. The Employer failed to mention the purpose for which he was called for to meet him on 16-12-1985 and the circumstances under which he was made disqualified or removed from the selection list were not corresponded to the claimant. The Employer based his whole contention before the learned Assistant Labour Commissioner on the failure of the employee to turn up on 16-12-1985 as desired. The request of the Employee to return the originals is not relevant to the issue. Whether the original certificates or with the employer or with the Employee, they are the same and do not change. The issues are whether the Employee is in the selection list or not, whether he is qualified for Group 'D' services or not, and what relevance the presence of the Employee on or before 16-12-1985 before the Employer has in his recruitment to Group 'D' Services and as to how his absence on that date prevented the Management from absorbing him into Group 'D' services, to what extent the actions taken by the Management against the workman are justifiable and to what relief. To these questions, the Counter is silent. It was stated in the counter by the Employer "Thereafter this office has filled up the vacancies with other eligible candidates." That is to say that this Employee was also eligible, but the other eligible candidates were alone filled in the vacancies, that too subsequently (thereafter). The word "Thereafter" mentioned in the said Counter means "After successfully deleting the name of the employee". There was no mention whether the other candidates were also called for to be present on or before 16-12-1985 and whether they were present and what business was done with them during their presence. The Management Representative reiterated his stand that P & T Department (now Telecommunication) is not an 'Industry' as defined under Industrial Disputes Act, 1947 and only stated that the views submitted by them on 11-5-87 would hold good and there was nothing more to add further which can be seen from the report of Conciliation of the learned Assistant Labour Commissioner (C), Vijayawada filed herewith. Thus it is clear that to the issues mentioned in the previous paras also there is nothing to say by the Management. It is curious to say that the Telecommunication department is not an Industry Under 2(i) (i) of the Industrial Disputes Act, 1947 an Industry was clearly defined to be taking up systematic activity carried on by cooperation between Employer and his workman, whether employed directly or by or through any agency including a Contractor for Services with a view to satisfy human wants or wishes. The department is solely involved in public services, sailing service of telecommunications, charging for such services with the cooperation between the Employer and the Employees, is the workmen and the Management and hence the dispute comes under the ambit of the Industrial Disputes Act, 1947. Their Lordships in their judgement pronounced by the Divisional Bench of the High Court of Calcutta reported in 1981 II LLJ, page 332 upheld that the Telecommunication Department is an industry. It is submitted, thus that the Management failed (1) to appoint the workman into Group 'D' Services over-

looking his seniority over the other workmen, even though he was eligible, giving him a senior role on the panel of Group 'D' services in consideration of his Casual Mazdoor Service and eligibility, even though he was recognised to be eligible for the same, (2) to pay a minimum wages for the period the workman worked throughout, (3) to grant any leave with wages, (4) to pay bonus as per the Bonus Act (5) The Management want only removed the workman from the casual mazdoor service without following the proper procedure, in that no opportunity was given to the workmen to represent and no enquiry was held and directly treated the workmen as terminated. The workman submits that he has been suffering for his daily bread since his Casual Mazdoor Service was wrongfully deemed to have been terminated by the Management. He is a poor man, and though he is educated, being a Graduate with Post-Graduate diploma in the subject of I.R.P.M., he has no opportunity elsewhere for employment as his age is barred, his date of birth being 12-6-1956. The workman therefore prays that this Hon'ble Tribunal may be pleased to pass order of Award (i) declaring that the Memo No. TAG/EST/1-030/II/16 dated 14-11-1985 of the Director of Telecommunications, Guntur Area, Guntur as unlawful and void, and treat the workman as continued on duty as casual mazdoor from 27-9-1985, paying his full wages and all attendant benefits; (ii) directing the management to pay according to the relief (i); (iii) directing the Management to pay minimum wages for the period the workman worked throughout his Casual Mazdoor Service attending Class IV duties, treating his absence as leave due for the periods he was on leave during his such services; (iv) directing the Management to pay Bonus due till date as per the Payment of Bonus Act; and (v) directing the Management to appoint the Workman into Group 'D' services and treat him to have been taken into the same Services with retrospective effect, as and from the date prior to his juniors in Casual Mazdoor service joined service in 1978 and directing the Management to pay salary to the Employee from that date till today; (vi) directing the Management to give seniority to the workmen in Group 'D' services above the juniors posted to such services in 1978 in the panel, and (vii) such other relief or reliefs, which the Hon'ble Tribunal deems fit and proper in the circumstances of the case.

3. The averments of the counter filed by the Respondent read as follows :

It is respectfully submitted that the claim statement filed by the petitioner is neither maintainable in law nor on facts. The various allegations made in the claim statement are not correct and are therefore hereby denied. The petitioner is put to strict proof of the allegations made in the claim statement except those that are specifically admitted herein. It is submitted that the Respondent herein is a Telecommunications Department of Government of India and the same is not an industry and accordingly it is not covered by the provisions of the Industrial Disputes Act. All the employees of the Respondent are governed by the Service Rules made under Article 309 of the Constitution of India. The reference is, therefore, illegal and contrary to the provisions of the Industrial Dis-

putes Act. It is submitted that the petitioner was sponsored by the Employment Exchange, Guntur for the post of Casual Mazdoor on daily wage basis under the then Divisional Engineer, Phone, Guntur. The petitioner was selected as Casual Mazdoor to work on daily wage basis and he worked during the period from 10-5-1978 to 31-10-1978 and left the department without any intimation or information. The allegation of the petitioner that he was retrenched from service with effect from 1-11-1978 is absolutely false and incorrect. The petitioner again worked from 18-5-1983 to 4-2-1984 in the office of the Divisional Engineer, Telephones, Guntur as Casual Mazdoor and again from 5-2-84 in the office of the Director, Telecommunications, Guntur Area, Guntur. Since the petitioner failed to attend the office duties to the office of Director, Telecommunications Guntur from 22-9-1985 onwards without any intimation, he was given a notice vide letter dated 14-11-1985 and this letter was acknowledged by the petitioner on 15-11-1985. This notice was served with a view to inform the petitioner that he may resume duty. In spite of several notices and opportunities to the petitioner to resume duty, he failed to respond. The petitioner also did not care to appear on or before 16-12-1985 before the A.D. (Personnel) for recruitment of Group-D posts, even though the petitioner did not submit the Attestation forms with full details. He chose to take back his original certificates from the Respondent. The Petitioner did not care to attend his duties in spite of clear notice to report for duty immediately. The petitioner was therefore informed by the letter of the Respondent dated 23-12-1985 that if he fails to report to A.D. (Personnel) in connection with the recruitment of Group-D post, his name would be removed from the select list. This communication was also acknowledged by the petitioner on 24-12-1985. On 26-12-1985 he came to the office and met the Director and requested to return his original certificates. The petitioner also failed to give any reasons for his absence and for not responding to various letters of the Respondent. This itself shows that the petitioner was not at all interested for employment under the Respondent and this petition is filed only to make out an illegal gain and it is an after thought. Surprisingly, on 16-4-1986, the petitioner submitted a representation stating that he suffered with Viral fever during the period from 14-12-1985 to 20-12-85 and he produced a medical certificate dated 10-12-85. The petitioner never chose to inform about his fever in response to any one of the letters of the respondent earlier to 16-1-1986. It is also submitted that the petitioner has acknowledged the Director's Office letter dated 23-12-1985 on 24-12-1985. He has specifically referred the same while requesting for return of his originals through his letter dated 9-1-1986. Only just to cover his improper action, the petitioner submitted a Medical Certificate for the period from 14-12-85 to 20-12-85. Due to the inaction and lack of interest on the part of the petitioner, the vacancies were filled up with eligible candidates. The allegation of the petitioner that the period from 1-11-78 to 23-5-81 should be deemed as continuous service is without any basis as he never worked under the Respondent from 1-11-78. The petitioner left the employment of the Respondent on his own accord from 1-11-78. The

petitioner also abstained from duty from 27-9-85 and in spite of several reminders he failed to attend his duties and he did not report before the officers for recruitment for Group-D posts. It is submitted that the petitioner was only employed as Casual Mazdoor on day to day basis and daily wage basis cannot be deemed to be a continuous service by any stretch of imagination. The allegation of the petitioner that six other juniors are still working is in no way connected with the case of the petitioner particularly when the petitioner himself did not show any interest in the job under the Respondent. It is, therefore, prayed that this Hon'ble Court may be pleased to dismiss the petition with costs of the Respondent.

4. W.W. 1 was examined for the Petitioner and the Petitioner's side was closed. Exs. W1 to W29 were marked for the Petitioner. M. W. 1 and M. W. 2 were examined for the Respondent and the Respondent's side was closed. Ex. M1 to M6 were marked for the Respondent.

5. The point for adjudication is whether the action of the Management of Telecommunication, Guntur in terminating the services of Sri M. Prasada Rao, Ex-Casual Labour is justified? If not, to what relief he is entitled?

6. POINT :—The undisputed facts are that the Petitioner-workman worked as casual mazdoor under the Respondent from the month of May, 1978 to 27-9-1985 under different appointment orders for different periods during the above said entire period, though with intermittent gaps. As seen from Ex. W1 the Petitioner-workman was appointed as Casual Mazdoor in May, 1978 along with six others and he worked from 10-5-1978 to 16-6-1978 and was terminated on 17-6-1978 as seen from Ex. W2 service certificate. As seen from Ex. W3 service certificate, the petitioner-workman worked as casual mazdoor for two days i.e. on 19-6-1978 and 20-6-1978. Again he worked from 1-7-1978 to 31-10-1978 as per Ex. W4 Service Certificate. As seen from Ex. W5 the Divisional Engineer, Phones, Guntur addressed the Assistant Engineer (Trunks), Guntur to utilise the services of the petitioner as mazdoor as and when occasion arises as he already selected as mazdoor in his office order dt. 9-5-1978. In Ex. W6 dt. 6-1-1982 the petitioner was informed that at present there is no need of mazdoors and he will be called as and when required. As seen from Ex. W11, Service Certificate, it is certified that the petitioner-workman worked from May 1981 to May 1983 continuously in every month for a total period of 629 days and the details of the days he worked in each month were given in Ex. W11. As seen from Ex. W12, Service Certificate the Petitioner-workman worked from 18-5-1983 to 4-3-1984. As seen from Ex. W14, Service Certificate, the details of the days the petitioner-workman worked in each month from March 1984 to August, 1985 were given stating that he worked for 229-112 days in 1984 and 113 days in 1985. As seen from Ex. W16 it is clear that the petitioner-workman worked till 27-9-85 and thereafter he was absent without prior permission and Ex. W16 was dt. 14-11-1985.

7. So it is clear from Ex. W11 and Ex. W14 Service Certificates and Ex. W16 letter dt. 14-11-1985 of the

Director of Telecommunication, Guntur to the petitioner-workmen, that the Petitioner-workman worked from May, 1981 to 27-9-1985 continuously on the days in each month as noted in Ex. W11 and Ex. W14 Service Certificate and till 27-9-1985 as stated by the Department in Ex. W16. So it is clear from the documentary evidence in Exs. W14 and W16 produced by the Petitioner that the petitioner worked continuously for more than 240 days in the year immediately prior to the date of his retrenchment from service. It is not disputed by the petitioner that he stopped to attend the duties from 27-9-1985 as stated by the Respondent in Ex. W16. It is stated in Ex. W16 that the petitioner was absent from duty as casual mazdoor since 27-9-1985 without prior permission for the reasons unknown and the Petitioner-workman has not reported for duty till the date of that letter and that if the Petitioner-workman fails to report for duty immediately as soon as the letter is received, it is decided to terminate his services and threat this letter as termination orders. It is the case of the Respondent that the Petitioner-workman did not report to duty even after receiving the letter in Ex. W16 it is not established in the evidence produced by the petitioner that he reported for duty after receiving the letter in Ex. W16 and the Respondent refused to take him to service as casual mazdoor, nor was it the case of the petitioner-workman that he did not receive Ex. W16 and therefore he could not report to the duty and that contention cannot be raised by the Petitioner since Ex. W16 was filed by the Petitioner-workman himself.

In the teeth of the language employed in Ex. W16 it is clear that the petitioner-workman was terminated from service when he failed to report to duty within three days from the date of receipt of that letter by the petitioner-workman. Admittedly on domestic enquiry was conducted against the Petitioner-workman for the misconduct of his unauthorised absenteeism. It is not the case of the Respondent that the Respondent complied with the provisions of Section 25-F(a) and (b) of the I.D. Act after the expiry of the three days time given to the petitioner-workman to report for duty in Ex. W16 and on failure of the petitioner reporting to duty as directed in Ex. W16. The termination of the petitioner from service under Ex. W16 amount to retrenchment in view of the fact that the petitioner-workman worked for more than 240 days within one year immediately prior to the date of his termination, amounts to termination within the meaning of Section 2(oo) of the I.D. Act, in my opinion. It is not the case of the Respondent that the termination of the Petitioner-workman from service is the result of non-availability of the work and that the Petitioner was given one month notice and thereafter he was terminated for want of vacancy for casual mazdoor or for want of sufficiency of work. So in view of the facts and circumstances of the case and the evidence brought on record, I am of opinion that the petitioner-workman is entitled for the relief of reinstatement as casual mazdoor in this case.

8. The next question that falls for consideration is whether the petitioner is entitled for back wages. Normally once the reinstatement is ordered, it is to be ordered with back wages. In the present case, the question arises whether the Petitioner-workman

is entitled for back wages or not as the petitioner-workman did not report to duty as casual mazdoor even after receiving the notice in Ex. W16. It is not established by the Petitioner by adducing any positive and concrete evidence that he was refused to be continued as casual mazdoor by the Respondent. All the evidence brought on record by the Petitioner-workman was with regard to recruitment to Group 'D' services. In the teeth of the evidence available on record, it is to be considered in this case whether the petitioner-workman is entitled for back wages. The learned counsel for the petitioner-workman contended that once the reinstatement is ordered, it should be with back wages. In support of his contention the learned counsel for the Petitioner-workman cited a ruling reported in *SUNDER DAS v. ASTHETIC EXPORTS PVT. LTD. & ORS.* (1) wherein it was held —

“The dismissal of a machine man was found to be illegal by the labour Court. The Labour Court directed the reinstatement of the workman with continuity of service. The claim of the workman for back wages was rejected by the Labour Court on the ground that the workman did not place any material to substantiate his claims. Aggrieved by the award rejecting his claim for back wages the workman filed a writ petition.

Modifying the award of the Labour Court and directing the management to pay full back wages held : ‘that the normal rule is to award back wages whenever the Court orders re-instatement. This normal rule can be departed from only in exceptional cases. So it, was enough for the workmen to make a prayer of reinstatement with full back wages. It was for the management to show that this normal rule should not be followed and departure should be made there from because there were exceptional circumstances requiring a departure. This the Management had to plead and prove.

The burden was fairly and squarely on the shoulders of the management to prove that back wages should not be awarded to the workman. The view that it is for the workman to make out a case for award of back wages by producing sufficient material on record is now obsolete.

The idea of nineteenth century, freedom of contract have lost their appeal to day. Social security is the dominant note of labour law. Law has not stood still. The ‘felt necessities of the time’ have compelled the courts to abandon the doctrine of ‘mitigation of damages’ which was the corner-stone of the common law. If a workman is able to keep his body and soul together somehow during retrenchment and reinstatement there is no good reason why he should be denied

back wages which logically flow from the declaration of illegal termination of services”.

“Held : It is for the employer to establish and prove that the workman was gainfully employed and therefore should not be awarded backwages or some other exceptional circumstances may be pleaded and proved by the employer so that the court exercises its discretion in favour of the management”.

The learned counsel for the Petitioner-workman cited another ruling reported in *HINDUSTAN TIN WORKS LTD. v. ITS WORKMEN* (1) wherein it was held :—

“In this appeal, the criteria to be followed in awarding compensation to those unjustly retrenched from service are laid down where reinstatement is ordered with continuity of service, what is the criterion in ordering payment of back wages, is the question in this appeal.

Held : If the workmen were ready to work but kept away therefrom on account of invalid act of the employer, there is no justification for not awarding them full back wages which were legitimately due to them.

In the very nature of things there cannot be a straight jacket formula for awarding relief of back wages. All relevant considerations will enter the verdict. More or less it would be a motion addressed to the discretion of the Tribunal. Full back wages would be the normal rule and the party objecting to it must establish the circumstances necessitating departure.

On the plea that to meet mounting losses sacrifices were necessary and the labour too must sacrifice, held : If sacrifice is necessary, those who can afford and have the cushion and the capacity must bear the greater share making the shock of sacrifices as less poignant as possible for those who keep body and soul together with utmost difficulty.

There is nothing to show whether the managing Director of the appellant has made any sacrifice. If there is no material on record, how can we expect the workmen, the weaker segment of the society, to make a sacrifice because sacrifice on their part is denial of the very means of livelihood.”

9. In the present case on hand admittedly the petitioner-workman stopped attending the duty on his own accord from 27-9-1985 and the Respondent issued Ex. W16 letter to the Petitioner on 14-11-1985 i.e. about 1-1/2 months after the petitioner stopped atten-

ding the duty, directing the petitioner-workman to report to duty within three days from the date of receipt of that letter whereby giving an opportunity to the petitioner-workman to join the duty. Even after receiving the said letter in Ex. W16 the Petitioner-workman did not care to report to duty. It was not also the case of the petitioner that he submitted any application or representation to the Respondent before receiving the original of Ex. W16 letter informing the Respondent the reasons for his absence from attending the duty from 27-9-1985. It is not denied by the Petitioner that he absented from attending the duty as casual mazdoor from 27-9-1985 as stated in Ex. W16 by submitting any representation to the Respondent after receiving the Ex. W16 letter. So I am of opinion that it is clear from the conduct of the Petitioner-workman in not submitting the reasons for his absencing from duty and not reporting to duty even after receiving Ex. W16 letter though the Respondent gave the opportunity to the petitioner-workman to attend the duty, in Ex. W16 which was admittedly sent to the petitioner-workman after waiting for more than 1-1/2 months by the Respondent and I am of opinion that the conduct of the petitioner in this regard leads to the inevitable inference that the petitioner-workman wilfully abstained from attending duty even after receiving Ex. W16 letter though he was directed to report to duty within three days on receipt of the said letter. Therefore, I am of the opinion that it cannot be said that the petitioner-workman who wilfully and deliberately absented from attending duty is to be held that he is entitled for backwages under the circumstances of the case and I am of opinion that this is a reasonable ground to depart from the normal rule that the backwages should be awarded when reinstatement of the workman is ordered. So in view of the facts and circumstances and the evidence brought on record, I am of opinion that the above referred ruling cited by the learned counsel for the petitioner-workman are not applicable to the facts of the case on hand and there are sufficient grounds to depart with the normal rule of awarding back wages to the petitioner though he is ordered to be reinstated, as has been held in both the rulings cited by the learned counsel for the petitioner-workman in view of the above discussion. I hold that the petitioner is entitled for reinstatement without back wages in this case. Hence I answer the point accordingly.

10. In the result, an award is passed directing the Respondent-Management to reinstate Sri M. Prasada Rao as casual labour within one month from the date of publication of this Award failing which the said M. Prasada Rao is entitled for wages from the date of the publication of this award. I make no order as to costs under circumstances of the case.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 22nd day of June, 1991.

G. KRISHNA RAO, Industrial Tribunal
[No. L-14012/29/87-D.II (B) (Pt.)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

APPENDIX OF EVIDENCE

Witnesses examined for the
Workman

WW-1—M. Prasada Rao.

Witnesses examined for the
Management

MW-1—Ch. V. S. S. H. Prasad.

MW-2—Muralikrishna.

Documents marked for the workman

Ex. W-1|9-5-78—Photostat copy of the selected list of mazdoors in the office of the Divisional Engineer, Phone, Guntur.

Ex. W-2|21-6-78—Photostat copy of the service certificate dated 21-6-78 issued to M. Prasada Rao by the Divisional Engineer, Phones Guntur.

Ex. W-3|Nil—Photostat copy of the service certificate issued to M. Prasada Rao by the Deputy Divisional Engineer, Phones, Guntur.

Ex. W-4|6-11-78—Photostat copy of the service certificate dated 6-11-78 issued to M. Prasada Rao by the Assistant Engineer, Trunks, Guntur.

Ex. W-5|27-11-78—Photostat copy of the letter dated 27-1-78 addressed to the Asstt. Engineer (Trunks) Guntur by the Divisional Engineer Phones Guntur with regard to utilisation of the Services of M. Prasada Rao as mazdoor.

Ex. W-6|6-1-82—Photostat copy of the letter dated 6-1-82 addressed to M. Prasada Rao by the Divisional Engineer, Phones, Guntur with regard to the post of mazdoor and part time cleaner.

Ex. W-7|3-3-84—Photostat copy of the representation dated 3-3-84 made by M. Prasada Rao to the Secretary to the Government Personnel and Administration Reforms, Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi with regard to relaxation of age.

Ex. W-8|22-6-84—Photostat copy of the letter dated 22-6-84 addressed to M. Prasada Rao by the Asst. Director (P) Telecom Guntur with regard to regular absorption in the cadre of Group 'D'.

Ex. W-9|22-11-84—Photostat copy of the letter dated 22-11-84 addressed to M. Prasada Rao by the Asst. Director, Telecom Guntur Area Guntur, with regard to regular absorption in the cadre of Group D.

Ex. W-10|26-12-84—Photostat copy of the representation dated 26-12-84 made by M. Prasada Rao to the Asstt. Director (P) Telecom, Guntur Area, Guntur with regard to regular absorption in the cadre of Group 'D'.

Ex. W-11|Nil—Service Certificate (photostat copy) dated Nil issued to M. Prasada Rao by the Asstt. Director (Per.) Telecom, Guntur Area, Guntur.

Ex. W-12|29-9-84—Photostat copy of the Service Certificate dated 29-9-84 issued to M. Prasada Rao by the Divisional Engineer Telecommunications, Guntur.

Ex. W-13|21-2-85—Photostat copy of the letter dated 21-2-85 addressed to M. Prasada Rao by the Asstt. Director, Telecommunications, Guntur with regard to regular absorption in the cadre of Group 'D'.

Ex. W-14|6-9-85—Photostat copy of the service certificate dated 6-9-85 issued to M. Prasada Rao by the Asstt. Director (Per.) Telecom, Guntur Area, Guntur.

Ex. W-15|8-11-85—Photostat copy of the letter dated 8-11-85 addressed to M. Prasada Rao by the Director, Telecom, Guntur with regard to recruitment of Group 'D'.

Ex. W-16|14-11-85—Photostat copy of the letter dated 2-12-85 addressed to M. Prasada Rao by the Director, Telecom, Guntur with regard to unauthorised absence.

Ex. W-17|2-12-85—Photostat copy of the letter dated 2-12-85 addressed to M. Prasada Rao by the Director, Telecom, Guntur with regard to recruitment of Group 'D'.

Ex. W-18|9-12-85—Photostat copy of Submission of attestation forms dated 9-12-85 by M. Prasada Rao to the Asst. Director Personnel, C/o Director of Telecom, Guntur.

Ex. W-19|12-12-85—Photostat copy of the letter dated 12-12-85 addressed to M. Prasada Rao by the Asstt. Director, Telecom, Guntur with regard to recruitment of Group 'D'.

Ex. W-20|20-12-85—Photostat copy of the Medical Certificate issued to M. Prasada Rao by Dr. A. Hanumantha Rao of Hyma Nursing Home, Pattabhipuram, Guntur-6.

Ex. W-21|23-8-85—Photostat copy of the representation dated 23-8-86 made by M. Prasada Rao to the Asst. Labour Commissioner (C) Ministry of Labour and Rehabilitation Government of India, Kodanda Rami Reddy Street, Governorpet, Vijayawada with regard to settlement of case.

Ex. W-22|11-5-82—Photostat copy of the counter filed by the Management before the Asst. Labour Commissioner (C) Vijayawada.

Ex. W-23|26-10-88—Photostat copy of the minutes of conciliation proceedings held before ALC (C) Vijayawada on 26-10-87 regarding reinstatement of M. Prasada Rao.

Ex. W-24|30-11-87—Photostat copy of the failure of conciliation report dated 30-11-87.

Ex. W-25|6-3-82—Photostat copy of the validity period of list of selected candidates prepared on the basis of direct recruitment by departmental competitive examination.

Ex. W-26|9-2-89—Photostat copy of the order No. L-1403/29/87 D.I. (P) HR (D.C.) dated 9-2-89 of D.I. Office with regard to I. D.

between the Director, Telecommunications, Guntur Area, Guntur and M. Prasada Rao over reinstatement in service.

- Ex. W-27/14-4-78—Photostat copy of the Government Orders with regard to employment of casual labour against regular posts.
- Ex. W-28/3-7-84—Photostat copy of the representation dated 3-7-84 made by M. Prasada Rao to the Director (Telecom.) Guntur.
- Ex. W-29/1-3-85—Representation dated 1-3-85 of M. Prasada Rao to the Asst. Director, Telecom. Guntur.

Documents marked for the Management

- Ex. M-1/9-12-85—Request letter dated 9-12-85 of M. Prasada Rao addressed to the Director Telecommunications, Guntur to return of his original certificates.
- Ex. M-2/23-12-85—Letter dated 23-12-85 addressed to M. Prasada Rao by the Asst. Director (P) Telecom. Guntur Area, Guntur with regard to recruitment of Group 'D'.
- Ex. M-3/3-3-86—Letter dated 3-3-86 addressed to the Director, Telecom. Guntur Area Guntur by M. Prasada Rao with regard to permission to attend the duty as a Group 'D' or a daily rated mazdoor.
- Ex. M-4/20-12-85—Photostat copy of the Medical Certificate dated 20-12-85 issued to M. Praada Rao by Dr. A. Hanumantha Rao of Hyma Nursing Home, Pattabhipuram, Guntur-6.
- Ex. M-5/12-12-85—Letter dated 12-12-85 of the Asst. Director (Per.) Telecom. Guntur Area, Guntur to M. Prasada Rao with regard to recruitment of Group 'D'.
- Ex. M-6/28-12-85—Attestation Form of M. Prasada Rao.

Sd/-

नई दिल्ली, 5 अगस्त, 1991

का.प्रा. 2249:- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार न्यू इण्डिया अश्योरिस्स कं. लि. के प्रबन्धन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, भुवनेश्वर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 5th August, 1991

S.O. 2249.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Bhubaneswar as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the New India Assurance Co. Ltd. and their workmen. which was received by the Central Government.

ANNEXURE INDUSTRIAL TRIBUNAL, ORISSA, BHUBANESWAR

Industrial Dispute Case No. 7 of 1978 (Central)

Dated, Bhubaneswar, the 20th June, 1991

BETWEEN:

The Management of New India Assurance Company Limited, Divisional Office No. 1, Kathjodi Road, Badambadi, Cuttack.
First Party—Management.

AND

Their workman Sri Bhagirath Satpathy, At : Ganga Das Bagicha, Red Cross Road, Puri Town.

Second Party—Workman.

APPEARANCES :

Sri Jagannath Das, Advocate—For the First Party—Management.

Sri K.B. Panda, Advocate—For the second Party—Workman.

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour, in exercise of powers conferred upon them by Section 7-A and clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) and by their Order No. L-17012(9)/78-D.IV(A) dated 15-11-78 have referred the following dispute for adjudication by this Tribunal :—

“Whether the action of the management of New India Assurance Company Limited in dismissing from service Shri Bhagirathi Satpathy, Senior Assistant in their Cuttack Division (Unit : Orissa Co-operative Insurance Society Ltd.) with effect from 30th January, 1976 is legal and justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?”

2. A short narration of the case giving rise to the present reference may be stated thus :—

The second party-workman was appointed as an Assistant on 1-6-60 by the erstwhile Orissa Cooperative Insurance Society Ltd. The said society was carrying on business in general insurance with its Head Office at Cuttack. The workman being an Assistant was entrusted duty in the law as well as Motor section. It was alleged that Sri Gangadhar Mishra an advocate of the society had executed a promisory note on 31-12-62 for Rs. 1000 in favour of the society to avoid criminal and civil action against his son who being the agent of the society had misappropriated Rs. 1000 which he collected as premium. With an intention to benefit Sri Mishra by way of set off the second party-workman prepared a bill for Rs. 1,550 towards the professional fees of Sri Mishra in some cases and placed the said bill in the loan file though in fact Sri Mishra had not been engaged by the society to conduct any such case. On such allegations the workman was placed under suspension and a disciplinary proceeding was initiated. Agrieved by the order of suspension the workman moved the Hon'ble High Court by filing a writ bearing O.J.C. No. 522 of 1970 and prayed for vacating the suspension order. During the pendency of the disciplinary proceeding as well as the writ as stated above, the General Insurance Business (Nationalisation) Act,

1972 was passed whereafter the society was merged with the New India Assurance Co. Ltd. (hereinafter referred to as the First Party-Management).

3. As regards the fate of the aforesaid writ is concerned, the second party-workman withdrew the same on the assurance being given by the First Party-Management that the disciplinary proceeding would be disposed of expeditiously. Thereafter the hearing of the proceeding was taken up by the enquiry Officer and on close of such proceeding the second party-workman was exonerated from the charge. However, during pendency of the said enquiry a suspicion arose in the mind of the Management that the workman got the bill dated 23-12-69 typed in the office type machine and forged the signature of the advocate Sri Mishra. The said signature appearing in the bill was got examined with his admitted signatures by the hand writing expert and on receipt of the report a charge sheet was submitted against him for his gross misconduct and thereafter a domestic enquiry was held. The enquiry officer on consideration of the evidence, both oral and documentary collected during enquiry found the second party-workman guilty. The Management thereafter on going through the enquiry report and the connected records and considering the gravity of the charge passed orders dismissing the second party-workman from service. The legality and justifiability of the action of the Management as aforesaid has been referred to this Tribunal for adjudication.

4. The second party-workman in his written statement while denying the allegations of forgery as aforesaid has challenged the fairness of the domestic enquiry conducted by the enquiry officer. A preliminary issue was therefore, framed by this Tribunal to find out whether the domestic enquiry was fair and proper. Parties led evidence both oral and documentary in support of their case and by order dated 21-6-80 this Tribunal held the domestic enquiry to be fair and proper. So far the punishment is concerned it was observed that it was beyond the perview of this Tribunal to find out whether the order of dismissal passed against the workman was proper or not. Against the aforesaid order the second party-workman again preferred a writ before the Hon'ble High Court (O.J.C. No. 2826 of 1984). Having heard the parties their lordships remitted the matter back to this Tribunal with a direction to examine the son of the deceased advocate Gangadhar Mishra and to come to the finding relating to the charge of forgery. As regards the quantum of punishment is concerned, the Hon'ble Court left the same to be decided by this Tribunal keeping in view the involved amount for which the forgery is alleged to have been committed by the second party-workman.

5. In response to the direction of the Hon'ble Court as aforesaid, the second party-workman was given an opportunity to examine the son of the deceased Advocate Gangadhar Mishra. Accordingly, he got him examined as W.W. 2 who in his evidence has stated that the disputed signature appearing in the document Ext. 3 (marked Ext. DD-1 during domestic enquiry) was of his father. Being cross-examined he speaks that the hand writing and signature appearing in the post card Ext. DD-3(b) as well as Ext. AD-3(a) were of his father. Ext. AD-3(a) marked

during enquiry is the promissory note which admittedly his father had executed in favour of the society.

6. Keeping in view the direction of the Hon'ble Court as aforesaid, is to be seen from the evidence on record whether the disputed signature appearing in Ext. C was of Gangadhar Mishra or it was a forged one.

7. It is well said that the witnesses are the eyes and ears of justice. So while deciding a case on the basis of the ocular testimony of the witnesses, it is the solemn duty of the Court to meticulously scan the evidence to find out as to whether the same is true and trustworthy and reliance can be placed on it for arriving at just decision of the case. On a consideration of the totality of the evidence on record if the statement of a particular witness does not appear to be true the Court would be slow to accept the same and to act upon it. In this view of the matter it is to be seen now whether the evidence of the son of the deceased Advocate inspires confidence to arrive at a finding that the signature appearing in Ext. C was of his father, in other words it is not a forged one.

8. When the preliminary issue regarding fairness of the domestic enquiry was taken up for hearing, both parties had no opportunity to lead evidence regarding genuineness of the signature of Advocate Gangadhar Mishra in Ext. C. Whatever evidence was led, it was only during the domestic enquiry. In this view of the matter a finding has to be arrived at regarding the genuineness or otherwise of the disputed signature Ext. C on the basis of the aforesaid evidence coupled with the statement of the son of late Gangadhar Mishra, Advocate recorded in the proceeding.

I am quite aware of the power and function of the Tribunal which has been enlarged by insertion of Section 11-A in the Industrial Dispute Act, 1947 which provides that the Tribunal can act as an Appellate Court and reappraise the evidence collected during the domestic enquiry and to arrive at a finding than that of the enquiry officer. In this view of the matter it would be within my competence to closely scrutinise the evidence to find out whether the second party-workman was the author of the alleged forgery.

9. It transpires from the record that the Enquiry Officer based his finding on the question of forgery relying on the evidence of the expert witness M.W. 1 who made a comparison of the signature appearing in the disputed document Ext. C with that of the admitted signature of Gangadhar Mishra as well as certain order sheets written by the second party-workman. On comparison, he opined that the overwriting made in Ext. C and the signature appearing in the said exhibit as well as the order sheets had been written by the one and the same man, namely, the second party-workman. Except the evidence of the expert no other corroborative evidence has been led by the Management to the effect that it was the second party-workman who had forged the signature of Gangadhar Mishra in Ext. C. Consensus judicial opinion is unanimous that evidence of an expert witness as to the hand writing, being opinion evidence, can rarely take the place of substantive evidence. Before acting on such evidence it is to be seen whether it has been corroborated by other evidence i.e., direct

or circumstantial. It is worthwhile to reproduce what the Supreme Court of Michigan has said in this regard :

"Every one knows how very unsafe it is to rely upon any one's opinion concerning the niceties of penmanship. The introduction of professional experts has only added to the mischief instead of palliating it, and the result of litigation have shown that these are often the merest pretenders to knowledge, whose notions are pure speculations. Opinions are necessarily received, and may be valuable but at best this kind of evidence is a necessary evil."

Keeping in view the judicial pronouncement I am not inclined to accept and rely upon the evidence of the expert witness M.W. 1 when the same does not find support from any other direct or circumstantial evidence. When the delinquent was charged with forgery it was, obligatory on the part of the Management to lead cogent and reliable evidence in support thereof. It should not have remained content only by getting an answer from the expert that the second party-workman had committed the forgery. On the other hand, the second party-workman has examined the son of late Gangadhar Mishra, Advocate to prove that the signature appearing in Ext. C was of his father. The said witness has stated on oath that the signature and the writings in the disputed document Ext. C as well as the other documents marked Ext. DD-3b and AD-3(a) (both marked during domestic enquiry) were of his father. The Management during cross-examination could elicit nothing to taint his evidence. On a close scrutiny of the evidence, I am unable to concur with the findings recorded by the enquiry officer that the signature appearing in Ext. C was a forged one.

In view of my finding that Ext. C is not a forged one it is needless to go to the question of quantum of punishment.

In the result, I hold that the order of dismissal passed against the workman dismissing him from service with effect from 20-1-76 is illegal and unjustified.

10. As regards the question of relief which the workman is entitled to, I would like to say that he attained the age of sixty in the month of April, 1980 when he was examined in this Tribunal as a witness. On calculation it appears that he would have retired within a few years of his dismissal from service. I, therefore, hold that he shall be deemed to be continuing in service till his retirement on superannuation. He is entitled to back wages from the date of his dismissal till retirement. The back wages be paid within three months from the publication of this Award. Dictated & corrected by me.

R. K. DASH, Presiding Officer

[No. L-17012/9/78-D. IV(A)]

Dt. 20-6-91.

नई दिल्ली, 13 अगस्त, 1991

का.प्र. 2250:- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार बैंक शाख धड़ीश

के प्रद-धर्त के सदस्य नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अतिक्रमण, सं. 2, बम्बई के पंचवट को प्रदर्शित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-7-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 13th August, 1991

S.O. 2250.--In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Bank of Baroda and their workmen, which was received by the Central Government on 26-7-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2 AT BOMBAY

Reference No. CGIT-2/4 of 1990

PARTIES :

The employers in relation to the management of Bank of Baroda, Panaji, Goa.

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Employer—Shri A. N. V. Radhakrishna, Personnel Officer.

For the Workmen—Shri R. G. Naik, General Secretary Bank of Baroda Employees' Union.

INDUSTRY : Banking

STATE : Goa

AWARD

Bombay, dated the 16th July, 1991

The Central Government, by their order No. L-12011/35/89-DII A dated 5-2-1990 have referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

"Whether the action of the management of Bank of Baroda, Regional Office, Panaji, Goa, in issuing Circular No. RM: Goa: Cir. 88/84 dated 10-8-1988 withdrawing the practice followed vide Circular No. RM: Goa: STF: PC: 5/1951 dated 5-7-1980 in appointing special assistants is justified if not, to what relief the workmen are entitled?"

2. The General Secretary of the Bank of Baroda Employees' Union, Goa, filed the statement of claim (Ex. 2) challenging the said action of the Bank management.

3. The Bank management did not file any written statement in support of their action.

4. The necessary Issues were framed on the basis of the statement of claim filed by the Union.

5. Thereafter, while the reference was at the stage of the evidence, both the parties came to an amicable settlement and filed their terms of settlement (Ex. 4) which are thus:—

"Assignment of duties of Special Assistant on temporary basis :

The following will be excluded from the purview of this clause relating to temporary assignment of duties of Special Assistant :

(a) Branch Managers, Joint Branch Managers, or second officers where there is no Joint Branch Manager in the Branch.

(b) Branches in metropolitan cities and Branches in towns places having more than one branch.

Whenever officer/s in a branch (excluding those mentioned at (a) and (b) above) goes/go on leave, deputation or training for a period of 7 days and more but less than three months, the seniormost eligible clerk at the branch shall be assigned the duties of Special Assistant on temporary basis for such a period, provided that such assignment shall be restricted to clerks at the branch at any given point of time. No substitute would be given in place of such senior clerk/s who is/are assigned the duties of Special Assistant. Working as a Special Assistant on temporary basis in this manner would not confer on the employee concerned any right to be made permanent as a Special Assistant merely by virtue of such temporary assignment. Where an officer goes on leave, deputation or training for more than three months, 'the Bank' would have the right to make suitable arrangements for filling in the post."

The revised provisions in force since February, 1991, in having met with the aspirations of Bank of Baroda Employees' Union, Goa and the dispute for adjudication in toto does not survive as on date and as such the reference having become abinitio void, the parties to the dispute have since decided to close the dispute in the circumstances."

6. The said settlement has been signed by the General Secretary of the Bank of Baroda Employees' Union, and the Regional Manager of the Bank.

7. I find that the said settlement is quite in the interests of both the parties. As such, in view of the said settlement, the present reference stands disposed off.
16-7-1991

P. D. APSHANKAR, Presiding Officer
[No. L-12011/35/89-DIIA]
V. K. VENUGOPALAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1991

का.प्रा. 2251:- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार नकराकण्डा कोलियरी प्राफ मै. ई.सी.लि. के प्रबन्धन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अन्वय में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, आसानसोल के पंचवट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-7-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 1st August, 1991

S.O. 2251.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Asansol as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Nakrakenda Colliery of M/s. E.C. Ltd., in their workmen, which was received by the Central Government on the 26-7-1991.

ANNEXURE
BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL
TRIBUNAL, ASANSOL

Reference No. 11/91

PARTIES:

Employers in relation to the Management of Nakrakenda Colliery of M/s. L.C. Ltd.

AND

Their workman.

APPEARANCES:

For the Employers—Sri P. K. Das, Advocate.

For the Workman—None.

INDUSTRY: Coal.

STATE: West Bengal.

Dated, the 10th July, 1991.

2020 GI/91—7

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. L-22012(394)/90-IR(C.II) dated the 25th March, 1991.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Nakrakenda Colliery of M/s. ECL, P.O. Laudoha, Dist. Burdwan, in denying to refer Sri Ananda Mahanty, Underground Loader to the Age Determination Committee for assessment of his age due to glaring difference in appearance is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

2. This Reference was received from the Ministry on 3-4-91. Then a regd. notice was sent to both the parties fixing 19-4-91 for filing written statement. The regd. notice was duly served upon the General Secretary of the concerned union on 8-4-91 as it appears from the A/D card. But none appeared for the union on 19-4-91 inspite of service of notice. On 19-4-91 the A/D card was not received back. So 2-5-91 was fixed for further orders. But none appeared for the union on 2-5-91 though Sri P. K. Das, learned Advocate for the management was present. He filed his authority on 19-4-91. For ends of justice the case was adjourned to 17-5-91 for filing written statement by the union. On 17-5-91 Sri Sanjib Banerjee, Asstt. Secretary of the union filed a petition for time and the case was adjourned to 6-6-91 for filing written statement by the union as last chance. On 6-6-91 Sri P. K. Das, learned Advocate for the management was present. But none appeared for the union and no step was taken for filing written statement. For ends of justice the case was adjourned to 28-6-91 for filing written statement by the union. On 28-6-91 the learned Advocate for the management was present. But nobody was present for the union and no step was taken for filing written statement by the union. The case was adjourned to 10-7-91 for filing written statement by the union as a special case. But today also nobody is present for the union and no step is taken for filing the written statement. The conduct of the union leads me to hold that the union is no longer interested to proceed with the case as no dispute exists and accordingly a no dispute award is passed.

N. K. SAHA, Presiding Officer
[No. L-22012/394/90-IR(Coal-II)]

का.प्रा. 2252:- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में केन्द्रीय सरकार शंकरपुर कोलियरी प्राफ मै. ई.सी.लि. के प्रबन्धन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अन्वय में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, आसानसोल के पंचवट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-7-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2252.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Asansol as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Shankerpur Colliery of Ms. E.C. Ltd. of their workmen, which was received by the Central Government on the 26-7-91.

ANNEXURE
BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL
TRIBUNAL, ASANSOL

Reference No. 22/91

PARTIES:

Employers in relation to the Management of Shankerpur Colliery of M/s. E.C. Ltd.

AND

Their workman.

APPEARANCES :

For the Employers—Sri P. K. Das, Advocate.
For the Workman—None.

INDUSTRY : Coal. STATE : West Bengal.

Dated, the 10th July, 1991

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. L-22012(443)/90-IR(C.II) dated the 19th April, 1991.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Shankerpur Colliery of M/s. E.C. Ltd., P.O. Ukhra, Dist. Burdwan, in denying one increment to Shri Probodh Goswami and Shri Prabhakar Bouri. On settlers is justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?"

2. This Reference was received from the Ministry on 29-4-91. Then a regd. notice was sent to the parties fixing 15-5-91 for filing written statement. The regd. notice was duly served upon the Organising Secretary of the union on 3-5-91 as it appears from the A/D card. On 15-5-91 Sri Manoj Mukherjee learned Advocate appeared on behalf of the union and submitted that he would represent the case on behalf of the union and prayed for time. So the case was adjourned to 6-6-91 for filing written statement by the union. On 6-6-91 Sri P. K. Das, learned Advocate appeared for the management, but nobody appeared for the union. The case was adjourned to 28-6-91 for written statement by the union. On 28-6-91 Sri P. K. Das, learned Advocate for the management was present. But none appeared for the union and no step was also taken. For ends of justice one more chance was given to the union and 10-7-91 was fixed for filing written statement by the union. But today Sri P. K. Das, learned Advocate for the management is present. But none appears on behalf of the union. No step is taken on behalf of the union. It leads me to hold that the union is no longer interested to proceed with the case as no dispute exists and accordingly a no dispute award is passed in this case.

N. K. SAHA, Presiding Officer
[No. L-22012/443/90-IR(Col-II)]
RAJA LAL, Desk Officer

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1991

का. सा. 2253 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूच में, केन्द्रीय सरकार, मै. बी. सी. सी. एल. के प्रबंधन में संलग्न नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अग्रगण्य में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, सं. 1 धनबाद के पंचद को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-7-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 1st August, 1991

S.O. 2253.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1 DHANBAD as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Bharat Coking Coal Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 30-7-1991.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 DHANBAD

In the matter of reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 1947.

Reference No. 120 of 1990.

PARTIES :

Employers in relation to the management of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., Koyla Nagar, Dhanbad.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employers : Shri B. Joshi, Advocate.
For the Workmen : Shri D. Mukherjee, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dated, the 24th July, 1991.

AWARD

By By Order No. L-20012(29)/90-I.R. (Coal-I), dated the 14th May, 1990, the Central Government in the Ministry of Labour, has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication this Tribunal :—

"Whether the demand of the union for re-instatement of 39 workmen (as per list enclosed) with full back wages by the management of Bharat Coking Coal Ltd., Koyla Nagar, Dhanbad, is justified? of so, to what relief the workmen are entitled and from what date ?".

ANNEXURE

- (1) Sri Bashish Singh,
S/o Sri Lallan Singh,
Vill—Udar, P.S. Sorhan,
Dist. Rohtas.
- (2) Sri Ram Darash Shukla,
S/o Sri Sanjeevan Shukla,
Vill—Khajanaha Chak,
P. S. Lalganj,
Dist. Vaishali.
- (3) Sri Harishankar Pd. Singh,
Vill & P.O. Sardiha,
(Darwa) Dist. Saharsa.
- (4) Sri Shaligram Pandey,
S/o. Sri Kasho Pandey,
Vill. Gangapur Rampur,
P.O. Narhar,
Dist. Nawada.
- (5) Sri Phulendra Kr. Singh,
S/o. Sri Vibhishan Pd. Singh,
Vill. Gulni Kusha (Dhrutola),
P.O. Gulni Kusha,
Distt. Bhagalpur.
P.S. Sambhu Ganj.

- (6) Sri Ajay Kumar Singh,
S/o Sri Bharat Singh,
Vill—Narath,
PS—Sahar,
Dist. Bhojpur.
- (7) Sri Lallan Kumar Chaudhary
S/o Sri Ram Sagar Choudhary,
Vill. Jai Prakash Nagar,
PS. & Dist. Khagaria.
- (8) Sri Shobhit Yadav,
S/o. Sri Gansuri Yadav,
Vill—Sundarpur Pasti,
Jealgora,
PO. Jealgora, Dist. Dhanbad.
- (9) Sri Arun Kumar Pandey,
S/o Sri Jagdish Pandey,
Vill—Chmautha,
P.O. Lounda Distt. Nawad.
- (10) Sri Uday Narain Singh,
S/o Sri Krishna Singh,
Vill. PO—Udar,
Dist. Rohtas.
- (11) Sri Awadash Pd. Singh,
S/o Sri Ramjee Singh,
Vill. & PO Tarari,
Distt. Bhojpur.
- (12) Sri Saturughan Singh,
S/o Sri Ramdeo Singh.
Vill. & P.O.—Khambhar,
Dist. Begusarai.
- (13) Sri Govinda Pd. Singh,
S/o. Sri Lalan Singh,
Vill. & PO Udar,
Dist. Rohtas.
- (14) Sri Birandra Pd. Singh,
S/o. Sri Kameshwar Singh,
Vill. Seasana,
PO Barma, Dist. Aurangabad.
- (15) Sri Pul Badan Yadav,
S/o. Sri Ramchandar Yadav,
Vill—Lakhani Chadkiya,
P.O. Lahsansi,
Dist. Baliya (U.P.).
- (16) Sri Hashnarayan Yadav,
S/o Sriram Sharan Yadav,
Vill—Lahkang Chkiya,
P.O. Lasani Distt Waliya (UP).
- (17) Sri Panna Lal Rajak,
S/o Abhilakher Rajak,
Vill—Akvari,
PO Akvari,
Dist. Bhagalpur.
- (18) Sri Surendra Pd Singh,
S/o Sri Rajdeo Singh,
Vill—Fathepur,
PO Salempur,
Dist. Gaya.
- (19) Sri Puran Bahadur,
Vill—Ragumiya Office,
New Barakar,
Dist. Burdwan (W. Bengal).
- (20) Sri Rampravesh Singh,
S/o Sri Narihar Singh,
Vill—Gadyal Chock,
PO. Ranibagir,
Dist. Gaya.
- (21) Sri Lalbachan Singh,
S/o Sri Ramsakal Singh,
Vill. Nak Toli,
PO Nak Nem Tola,
Dis. Bhojpur.
- (22) Sri Ramswarup Singh,
S/o. Nanda Kishor Singh,
Vill—Chainpur,
P.O. Chainpur,
Dist. Aurangabad.
- (23) Sri Sharda Nand Singh,
S/o. Late Ram Kripal Singh,
Vill—Deoki Singh Katola,
P.O. Jagdishpur.
Dist Bhojpur.
- (24) Sri Ram Naresh Singh,
S/o. Sri Satya Narain Singh,
Vill—Anjani,
P.O. Bara,
Dist Patna.
- (25) Sri Samir Kumar Rai,
S/o Sri Previn Kumar Rai,
Vill—Lodna Modhuban,
P.O. Madhuban,
Dist. Dhanbad.
- (26) Sri Shrikant Singh,
S/o. Late Ram Lakhan Singh,
Vil—Tarhani,
PO—Udar, Dist. Rohtas.
- (27) Sri Rang Bahadur Singh,
S/o Sri Kamta Singh,
Vill—Pokhraba,
Dist, Rohtas.
- (28) Sri Tulsi Singh,
S/o Shri Lakhsman Singh,
Vill—Bharenhan,
PO—Gajipur,
Dist. Bhojpur.
- (29) Sri Jain Nandan Sharm,
S/o. Sri Faudar Singh,
Vill—Kormethu (Bela),
PO—Kormathu, Dist. Gaya.

- (30) Sri Ramwant Kumar,
S/o. Sri Bacheshwar Singh,
Vill. & P.O.—Kalpa,
Dist. Gaya.
- (31) Sri Suresh Ram,
S/o. Sri Rambhaji Yadav,
Vill—Kabulpur,
PO—Sheopuran,
Dist. Ajamgarh (U.P.).
- (32) Sri Panchanand Rajbhar,
S/o. Sri Kanhiya Rajbhar,
Vill—Banka,
PO—Sandish, Dist. Balia.
- (33) Sri Vidyanand Thakur,
S/o. Sri Jang Bahadur Singh,
Vill. Pursiniyan, Imoganj,
Distt. Gaya.
- (34) Sri Rameshwar Paswan,
S/o. Basudeo Paswan,
Vill—Sundarpur Basti,
P.O. Jealgora, Dist. Dhanbad.
- (35) Shri Brahbira Singh B/C,
Shri Naswan Singh,
Vill. Manikpura,
PO. Parsagarh, Dist. Chapra.
- (36) Shri Jagdish Singh,
S/o Shri Makhdeo Singh,
Vill—Bawanbigha,
P.O. Raj Nagar,
Dist. Aurangabad.
- (37) Sri Janardan Singh,
S/o Shri Lachman Singh,
Vill—Marhan,
P.O. Gajipur,
Dist. Bhojpur.
- (38) Shri Ramanuj Sharma-II,
S/o Shri Rajendra Singh,
Vill. Chainpur,
PO Belaganj, Dist. Gaya.
- (39) Sri Niwas Pathak,
S/o Shri Jagannath Pathak,
Vill—Barwa,
P.O. Yasav, Distt. Siwan.

2. The case of the sponsoring union. Bihar Colliery Kamgar Union, as disclosed in the written statement, submitted on behalf of the concerned workmen, details apart, is as follows :

S/Shri Bashist Singh and other concerned workmen had been working as permanent followers in M/s. B.C.C. Ltd. since long with unblemished record of service. The Deputy Inspector General (D.I.G.) of Central Industrial Security Force (hereinafter referred as C.I.S.F.) was holding additional charge of Chief of Security of M/s. B.C.C. Ltd. Besides, the C.I.S.F., other agencies, namely, Ex-Bihar Home Guards personnels, taken over and freshly appointed as Night Watch Guards of M/s. B. C. Ltd. were performing the security duties. The Security agencies were under the direct charge of Chief of Security of

M/s. B.C.C. Ltd. The concerned workmen were performing the job of the management under the direct control and supervision of M/s. B.C.C. Ltd. Though the management has implemented Wage Board Recommendations and N.C.W.A. I to IV, the concerned workmen were being paid at the rate of Rs. 12 per cent per diam per head which was less than minimum wages of Category-I. The management of M/s. B.C.C. Ltd. was paying them their wages for performing duties of permanent nature. For all purposes they are the employees of M/s. B.C.C. Ltd. and all of them had put in more than 240 days attendance in each calendar year. The management was annoyed by the repeated demand for payment of wages and other facilities as per Wage Board Recommendations and stopped them from duty without assigning any reason and without paying any retrenchment compensation. The Wage Board Recommendations do not provide for any designation of followers and so they demanded at least payment of minimum wages i.e. Category-I. Anyway, the management terminated their services against the mandatory provision of law with effect from June, 1984. The management had also discriminated them in the matter of regularisation which is evident from the fact that some of the followers who were junior to them were regularised as Category-I employees by an Office Order dated 11-1-1983. They were also assured to be regularised as Category-I workmen by the management. The Chief of Security of M/s. B.C.C. Ltd. addressed a letter dated 9/11-2-83, for their regularisation as Category-I workmen. The then Additional Chief Personnel Manager (IRW), now Director of Personnel, Shri I. B. Pandey, by letter dated 25/28 February, 1983 requested the D.I.G. Chief of Security of M/s. B.C.C. Ltd. to furnish the required information for their regularisation. After having received the necessary information, the then Additional Chief Personnel Manager (IRW), Shri I.B. Pandey, directed Shri B. N. Prasad, the then Additional Chief Personnel Manager (Est) by letter dated 15-3-83 to finalise their regularisation eventually for their posting at Moonch against requirement. Then again, the matter of their regularisation as Category-I workmen like other regularised followers was discussed between the Chief of Security of M/s. B.C.C. Ltd. and the Director (Personnel) and accordingly a notesheet was prepared by the then Chief Security of M/s. B.C.C. Ltd. on 5-4-1983. The then Chief of Security of M/s. B.C.C. Ltd. informed and assured them for their regularisation as Category-I workmen in pursuance of the arrangement discussion with Director of Personnel and the then Chief of Security moved a notesheet dated 10-9-1982 recommending their regularisation as Category-I workmen. Despite the above fact the management illegally and arbitrarily terminated their services with effect from June, 1984. They were appointed by M/s. B.C.C. Ltd. and were performing the jobs of M/s. B.C.C. Ltd. They were working under the direct control and supervision of the officers of M/s. B.C.C. Ltd. All the imple-ments for the execution of job were being supplied by M/s. B.C.C. Ltd. They represented before the management several times against illegal and arbitrary termination of their services, but to no effect. Seeing no other alternative they moved Hon'ble High Court, Calcutta, against the illegal termination of their services. The Hon'ble High Court, Calcutta, after ad-

mitting the Writ petition passed an interim order in C.O. No. 8773(W)84. However, the Hon'ble Court vacated the interim order and dismissed the Writ petition on the ground of lack of territorial jurisdiction. Thereupon they moved the Hon'ble Patna High Court, Ranchi Bench. But here again their Writ petition was dismissed in limine. They moved Hon'ble Supreme Court against the decision of High Court which was numbered as S.L.P. 2405/86. The Hon'ble Supreme Court was pleased to allow the appeal with cost after setting aside the judgement and order of the High Court dismissing the Writ petition in limine and directed the High Court to restore Writ Petition to its file and decide it on merits as expeditiously as possible. Sri K. D. Nayar, I.P.S., Deputy Inspector General, Central Industrial Security Force had sworn an affidavit before Hon'ble Supreme Court in connection with the appeal preferred against the decision of Patna High Court affirming that the concerned workmen were the employees of M/s. B.C.C. Ltd. Anyway, Hon'ble Patna High Court, Ranchi Bench, restored the Writ petition as per direction of Hon'ble Supreme Court, but dismissed the Writ petition with the observation that the Writ petition presented disputed question of fact and for that regular evidence, both oral and documentary, was needed. The Court directed the petitioner to seek relief from the appropriate forum meant for adjudicating this kind of dispute. In pursuance of the direction of Hon'ble Court the concerned workmen raised an industrial dispute through their union before the Asstt. Labour Commissioner(C), Dhanbad, but that ended in failure due to the adamant attitude of the management. The Government of India, Ministry of Labour, has been pleased to refer the dispute for adjudication by this Tribunal. In the circumstances, the demand of the union for reinstatement in service of the concerned workmen with full back wages is legal and justified and the action of the management in terminating their services is illegal, arbitrary, unjustified, discriminatory and against the principles of natural justice.

3. The case of the management of M/s. B.C.C.Ltd. as disclosed in the written statement-cum-rejoinder, briefly stated, is as follows :

The present reference is not legally maintainable. There exists no employer-employee relationship between the management and the concerned persons. The concerned persons were never employed as workmen to perform any work connected with winning of coal or any incidental work connected with the coal industry. They were never recruited by the management. The same issue has already been adjudicated by the Central Govt. Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in Complaint No. 1/84 and Central Govt. Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad in Reference No. 308/86. The concerned persons claimed to have been working as followers of C.I.S.F. personnel deputed by the Central Government to provide protection and security of the industrial undertaking run by the management. Central Industrial Security Force (hereinafter referred to as C.I.S.F.) was constituted by the Central Government in accordance with the provisions of 'The Central Industrial Security Force Act, 1968' and is maintained by the Central Government in accordance

with the provisions of the aforesaid Act and Rules framed thereunder. The C.I.S.F. is a para military Armed Force organised on the pattern of Army under Section 14 of the said Act. The Inspector General, C.I.S.F. deposes such number of C.I.S.F. personnel as per requirement of a particular Central Government undertaking. The Inspector General disputes such number of personnel to an industrial undertaking in consonance with general direction of the Central Government. The C.I.S.F. was deputed for protection and security of installation of M/s. B.C.C. Ltd. on their request and on the term that cost of the force would be borne by the management. The management is bearing the cost of the force and will continue to bear the cost, so long as the C.I.S.F. remains on deputation as per rule and circular of the Central Government. The concerned persons claimed to have worked as followers of C.I.S.F. on deputation to the establishment of the management, to serve as cooks, washermen, barbers etc. of the C.I.S.F. personnel. They claimed to have been appointed by the D.I.G. of C.I.S.F. as followers as per provision of law. They were paid wages by the D.I.G. in the same way the other member of C.I.S.F. were paid. Ultimate cost to maintain C.I.S.F. along with followers were borne by the management and all expenses were reimbursed.

The D.I.G. of C.I.S., Chief of Security was/is not an employee of the management and was/is under the direct control of the I.G., C.I.S.F. He remains in-charge of the force and exercises control over them. He performs the duties contemplated under the aforesaid Act and Rules framed thereunder. He is a direct employee of the Central Government and has been empowered to recruit the required number of followers as per rules and pay them wages and he can also terminate their services. The management has no authority to take any action against any member of C.I.S.F. The management has its own rule for recruitment of workmen and other employees and to take disciplinary action according to provisions of Standing Order. The concerned persons were not recruited by the management and they were not controlled by the Standing Order. Their services were not terminated by the management or any competent office of the management. The condition of service of the concerned persons are not governed by the Industrial Disputes Act or Industrial Employment (Standing Order) Act, 1946 or any rules framed by the management. The demand of the concerned persons for their employment under the management is without any basis and has no merit at all.

4. In rejoinder to the written statement of the management, the sponsoring union has asserted that the present reference is legally maintainable. It has been adjudicated by C.G.I.T. No. 1, Dhanbad in Complaint No. 1/84 and C.G.I.T. No. 2, Dhanbad, in Reference No. 308/86. It has been asserted that the D.I.G. of C.I.S.F. was also holding direct charge of Chief of Security of M/s. B.C.C. Ltd. and that Night Guard/Security Guard taken over and also freshly appointed Night Guard/Security Guard of M/s. B.C.C.

Ltd. were under the direct control and charge of D.I.G./Chief of Security of M/s. B.C.C. Ltd. It is incorrect that D.I.G./Chief of Security only remained in charge and exercises control over the security personnel appointed by C.I.S.F. It is not correct that he is a direct employee of the Central Government and has been empowered to recruit the required number of followers as per rules of C.I.S.F. It is also false to suggest that D.I.G. of C.I.S.F. has authority to pay workmen their wages or to terminate their services. The concerned workmen were appointed by the management and their services were terminated by the management in violation of the provisions of Standing Order and in violation of the principles of natural justice. The condition of service of the concerned workmen are governed by the Industrial Disputes Act, 1947 and Industrial Employment (Standing Order) Act, 1946.

5. In rejoinder to the written statement of the sponsoring union, the management has denied that the concerned persons had been working as followers of M/s. B.C.C. Ltd. They were never engaged as permanent followers. The concerned persons claimed to have been appointed by C.I.S.F. as followers. In M/s. B.C.C. Ltd. there is no employee designated as follower and therefore the question of appointing the concerned persons as followers did not arise. Watchmen/guards of the management remain under the control of the Agents/General Managers. There is no such practice in vogue where appointment of Home Guard personnel in M/s. B.C.C. Ltd. for internal security is a must. However, as and when there are vacancies, the same are filled up as per company's norm. The management has implemented Wage Board Recommendations and N.C.W As but it never paid any wages to the concerned persons. The concerned persons were never paid wages by the management. The management did not appoint the concerned persons nor had it paid them wages nor terminated their services. The management recruits workmen from time to time, as and when vacancies arise and in the process whoever is eligible can apply, the Home Guard personnel being no exception. There has been no discrimination in the matter of selection of some persons as employees of the management. There was an attempt by D.I.G., C.I.S.F. to pass on his burden to maintain followers for his force under his command to the management and some officers were under pressure to consider the proposal of keeping followers as general mazdoors in Category-I. The management neither accepted the proposals nor gave any assurance to the followers to take them on the roll of the management as Category-I mazdoors. It is incorrect to suggest that there was requirement of the concerned persons at Moonidih. The recommendation of D.I.G./Chief of Security was not accepted by the management and there was no requisition of regularisation of any followers. The recommendations of various officers, outside agencies may be accepted or may not be accepted by the management while taking final decision about appointment of workmen. D.I.G., C.I.S.F. initiated a note on 10-9-83 to get some of his followers appointed in M/s. B.C.C. Ltd. as Category-I workmen which was not accepted by the management.

6. The sponsoring union, in order to sustain its demand, has examined two of the concerned work-

men, namely, WW-1 Fulendai Kumar Singh and WW-2 Abdesli Prasad Singh and laid in evidence a sheaf of documents which have been marked Exts. W-1 to W-15.

On the other hand, the management has examined three witnesses, namely, MW-1 B. P. Yadav, MW-2 R. B. Subramaniam and MW-3 P. C. Nath and laid in evidence a number of documents which have been marked Exts. M-1 to M-12.

7. The Central Industrial Security Force (C.I.S.F.) was created under an Act of Parliament known as Central Industrial Security Force Act, 1968 for the better protection and security of industrial undertakings owned by the Central Government and certain other industrial undertakings and for matters connected therewith. The C.I.S.F. is primarily under the control of the Central Government and its administrative structure is identical with other Central Government and State Police Force.

It appears that the C.I.S.F. was inducted in the year 1972 in M/s. B.C.C. Ltd., Jharia. It is the emphatic case of the sponsoring union which has remained undisputed that besides C.I.S.F., the other agencies, namely, Ex-Bihar Home Guard Personnels, taken over and freshly appointed as Night Watch Guards employed by M/s. B.C.C. Ltd. were performing security duty. But the assertion of the union that these security agencies were under the direct charge of Chief of Security of M/s. B.C.C. Ltd., Jharia, has been disputed by the management contending that Watchmen, Guards of the management remain under the control of the Agents/General Manager. Anyway, the contention of the management is that the concerned workmen have claimed to have been appointed by the D.I.G./Chief of Security as followers as per provision of law and they worked as followers of C.I.S.F. personnels on deputation to the establishment of the management. The sponsoring union has squarely disputed this contention.

Shri B. Joshi, Advocate for the management, has submitted that the concerned persons being followers are members of C.I.S.F. under Rule 3-A of the Central Industrial Security Force Rules, 1969. He has copiously referred to different sections of the C.I.S.F. Act, 1968 and Rules framed thereunder elucidating the object, formation of C.I.S.F., duties of C.I.S.F., the composition of Force, authority to take disciplinary action against any member of the Force etc. In essence his contention is that followers are part and parcel of C.I.S.F. and since the concerned workmen are followers of C.I.S.F. the Industrial Disputes Act, 1947 does not apply to the members of the Force.

8. Rule 3-A of the Central Industrial Security Force Rules, 1969 outlines the composition of the force comprising of supervisory officers which include Dy. Inspector General and members which include the followers. But the crux of the question is whether the concerned workmen are followers of C.I.S.F. personnels as claimed by the management or they are employed by M/s. B.C.C. Ltd. as followers as claimed by the sponsoring union. The respective stand point of the parties arrayed as canvassed in the present dispute cannot be decided on surface reading; it has to be proved and decided upon the evidence on record and the facts and circumstances of the case.

Hence, the contention of Shri B. Joshi that the present dispute is not maintainable in view of Section 20 of the Central Industrial Security Force Act, 1968, cannot be decided without going into the merits of the case.

9. The case of the sponsoring union is that the concerned workmen had been working as permanent followers in M/s. B.C.C. Ltd. since long and they were performing the job of the management under the direct control of M/s. B.C.C. Ltd. It is the further case of the union that the management of M/s. B.C.C. Ltd. was paying them their wages for performance of their duties and that they were working under the direct control and supervision of the officers of M/s. B.C.C. Ltd. and all the implements for execution of their job were being provided by M/s. B.C.C. Ltd. The union has also asserted that besides the C.I.S.F. other agencies, namely, Ex-Bihar Home Guard Personnels, taken over and freshly appointed and employed as Night Watch Guards by M/s. B.C.C. Ltd. were performing security duty under the direct charge of Chief of Security of M/s. B.C.C. Ltd. and that the Dy. Inspector General of C.I.S.F. was holding the additional charge of Chief of Security of M/s. B.C.C. Ltd.

The management has contended that the concerned workmen claimed to have been working as followers of C.I.S.F. Personnels deputed by the Central Government to provide protection and security to the industrial undertakings run by the management and that as followers of C.I.S.F. they were required to serve as cooks, washerman, barbers etc. The management has also contended that the concerned workmen were paid wages by the D.I.G. but ultimate cost to maintain C.I.S.F. Personnels along with followers were borne by the management and all expenses on this account were reimbursed. The management has denied that the D.I.G. of C.I.S.F. Chief of Security was/is not an employee of the management and was/is under the direct control of the D.I.G. C.I.S.F. and that the concerned workmen were never appointed by the management nor were they employees of the management.

10. Para 3 of the written statement of the sponsoring union submitted on behalf of the concerned workmen is assoverative of the fact that the Dy. Inspector General of C.I.S.F. was holding the additional charge of Chief of Security of M/s. B.C.C. Ltd. In the written statement-cum-rejoinder the management has not emphatically denied and disputed the fact stating that the contentions of this para are matters of records and correct points will be explained at the time of hearing.

11. The management examined Shri B. P. Yadav as MW-1. Shri Yadav had retired from the service of M/s. B.C.C. Ltd. last year and he was holding the post of Dy. Chief Personnel Manager before his retirement. He has admitted in cross-examination that the Dy. Inspector General was holding dual charge as D.I.G. of C.I.S.F. and Chief of Security of M/s. B.C.C. Ltd. He has also admitted that there is a compendium relating to delegation of power to different officers of M/s. B.C.C. Ltd. specifying the power delegated to them and as per power delegated, the D.I.G. as Chief of Security, he was vested with the power of appointment and

dismissal of guards, Night Guards, Watchmen, Chaprasi and also their transfer, posting and disciplinary action. Here I will make a digression in order to dovetail an important fact germane to this dispute.

12. Undisputedly the concerned workmen, upon termination of their services moved the Hon'ble High Court at Calcutta seeking redressal of termination of service. The Hon'ble Court admitted the Writ Petition and ultimately dismissed it on the ground of lack of territorial jurisdiction, and, then again, they moved the Hon'ble Patna High Court where the Writ Petition was dismissed in limine. Thereafter, they moved the Hon'ble Supreme Court against the decision of the Patna High Court and the Hon'ble Supreme Court directed the Hon'ble Patna High Court to restore the Writ Petition and decide it on merit. Thereafter the matter again travelled to Hon'ble Patna High Court where again it was dismissed. But the Hon'ble Court was pleased to direct the concerned workmen to seek relief in the appropriate forum. Thereafter the present industrial dispute has been raised.

In the Special Leave Petition preferred by the concerned workmen before Hon'ble Supreme Court Shri K. D. Nayar, I.P.S., Deputy Inspector General, Central Industrial Security Force, New Delhi, affirmed an affidavit on behalf of Respondent No. 3. In this affidavit, Shri Nayar has affirmed that the Dy. Inspector General (D.I.G. of C.I.S.F.) was holding the additional charge of Chief of Security of M/s. B.C.C. Ltd., Jharia and that since the induction of C.I.S.F. in 1972, besides the C.I.S.F. other agencies, namely, Ex-Bihar Home Guard Personnels, Night Watch Guards employed by M/s. B.C.C. Ltd. were performing security duty and that these security agencies were performing duties under the direct charge of Chief of Security of M/s. B.C.C. Ltd. Jharia. Thus, from the evidence on record the conclusion is reached that the Dy. Inspector General of C.I.S.F. was holding the additional or dual charge as D.I.G. of C.I.S.F. and Chief of Security of M/s. B.C.C. Ltd.

13. The evidence of Shri B. P. Yadav (MW-1) discloses that the D.I.G. of C.I.S.F. as Chief of Security of M/s. B.C.C. Ltd. was vested with the power of appointment and dismissal of Guards, Night Guards, Watchmen etc. and also their transfer, posting, and disciplinary action against them in terms of power delegated to him.

WW-1 Fulendar Kumar Singh, one of the concerned workmen, has stated that he was appointed in the service of M/s. B.C.C. Ltd. on 7-2-1988 and that all the concerned workmen including him were appointed by the Chief of Security of M/s. B.C.C. Ltd. WW-2 Adesh Prasad Singh has stated that he was appointed in the service of M/s. B.C.C. Ltd. on 31-1-1982 and the other concerned workmen were also appointed in the service of M/s. B.C.C. Ltd. but this witness has not disclosed who was his appointing authority. Nevertheless, the fact remains that WW-1 Fulendar K. Singh has asserted that he and other concerned workmen were appointed by the Chief Security of M/s. B.C.C. Ltd. and this evidence of his has remained unshaken in cross-examination. Shri Yadav has stated that he does not know if the concerned workmen were appointed by the D.I.G.,

Chief of Security of M/s. B.C.C. Ltd. In connection with Special Leave Petition before Hon'ble Supreme Court (Ext. W-1) Shri K. D. Nayar, I.P.S. as D.I.G. of C.I.S.F., New Delhi has affirmed a counter affidavit asserting that the concerned workmen were employed by M/s. B.C.C. Ltd. and placed at the disposal of D.I.G. and Chief of Security, M/s. B.C.C. Ltd., Jharia. Shri D. P. S. Chauhan in his note to the Director of Personnel dated 10-3-83 (Ext. W-7) has stated, inter alia, that the D.I.G. and Chief of Security has been appointing followers as per requirement from time to time since the beginning of M/s. B.C.C. Ltd. His predecessor had also been appointing followers from time to time as per requirement and he had also done so in the interest of M/s. B.C.C. Ltd. Thus, it is evident that the D.I.G. of C.I.S.F. as Chief of Security of M/s. B.C.C. Ltd. had appointed the followers including the concerned workmen in the interest of M/s. B.C.C. Ltd.

Shri B. Joshi has submitted that every employee of M/s. B.C.C. Ltd. gets letter of appointment, Identity Card, Bonus Card etc. from the management and since the concerned workmen could not produce any such documents, they cannot be considered to be the employees of M/s. B.C.C. Ltd. In my view, the contention of Shri Joshi is unconvincing because had the management issued any of these documents to the concerned workman, there could not be any scope for disputing that the concerned workman were the employees of the management. From the evidence on record as pointed out before it is evidenced that the D.I.G. of C.I.S.F. as Chief of Security of M/s. B.C.C. Ltd., by virtue of power vested in him, appointed the concerned workmen as followers in the interest of M/s. B.C.C. Ltd.

14. The management of M/s. B.C.C. Ltd. has been disowning the concerned workmen to be its employees. In its counter affidavit before Hon'ble Supreme Court the D.I.G. of C.I.S.F. has disowned the concerned workmen to be the employees of C.I.S.F. This being the position, the concerned workmen are driven to an impossible and unenviable circumstance—the management of M/s. B.C.C. Ltd. disowning them as its employees followed by D.I.G. of C.I.S.F. This cannot be the real state of affairs surely they have not descended upon their place of work out the void on their own and somebody must have appointed them and in the context of these circumstances I come to the inescapable conclusion that the concerned workmen were appointed by the D.I.G. of C.I.S.F. as Chief of Security of M/s. B.C.C. Ltd. as followers in the interest of M/s. B.C.C. Ltd.

15. Now, the question that comes to the fore of my consideration is the issue of payment of wages to the concerned workmen.

Admittedly, each of the concerned workmen has been getting a very paltry some—Rs. 12 per diem as wages. The management of M/s. B.C.C. Ltd. has contended that the concerned workmen were paid wages by the D.I.G. in the same way the other members of C.I.S.F. were paid, but ultimate costs to maintain C.I.S.F. along with followers were borne by the management and all expenses were reimbursed. The management has submitted a photo copy of pay order dated 27-1-1984 issued in favour of D.I.G. of C.I.S.F. for Rs. 42 456 for payment to

Security followers, Class IV staff from 2-11-1983 to 20-12-1983 (Ext. M-5 and M-6). These documents disclose that the management paid the wages of some security followers for a certain period by drawing a pay order in favour of the D.I.G. of C.I.S.F. The sponsoring union has produced a photo copy of salary bill of security followers, Class IV prepared at the Headquarters of the management of M/s. B.C.C. Ltd. (Ext. W-12). This salary bill discloses the name of as many as 97 security followers and each of the security followers was billed for 30 days at the rate of Rs. 16 per day. This salary bill highlights the fact that (i) the bill was prepared at the Headquarters of M/s. B.C.C. Ltd. (ii) each of the 97 security followers were billed for 30 days at an uniform rate of Rs. 16 per day. Both the concerned workman who have examined themselves in this case have stated that they used to get payment of wages at the rate of Rs. 12 per diem from the management of M/s. B.C.C. Ltd. Of course, one of the witnesses for the management Shri Yadav has disputed this fact. But despite the denial of Shri Yadav the salary bill as pointed out above bears eloquent testimony to the fact that the salary bill of as many as 97 followers was prepared at the Headquarters of M/s. B.C.C. Ltd. and all of them were paid an uniform wages of Rs. 16 per diem for 30 days. In his counter affidavit before Hon'ble Supreme Court (Ext. W-1) the D.I.G. of C.I.S.F. has affirmed that the concerned workmen continued to receive their daily wages from M/s. B.C.C. Ltd. and at no stage they were paid out of the budget of C.I.S.F. When the present industrial dispute was raised before the Conciliation Officer (C), Dhanbad Shri Gopal Acharya, Dy. Inspector General of C.I.S.F. reported to the R.L.C. (C), Dhanbad that since the concerned workmen were never appointed by C.I.S.F. as followers the question of paying them wages by C.I.S.F. did not arise and that the concerned workmen were being paid wages by M/s. B.C.C. Ltd. till their services were discontinued. An excerpt of this letter dated 4-9-1989 (Ext. W-3) is gleaned hereinbelow :

"On scrutiny of records available in this office it is learnt that these 40 personnel have never been appointed by C.I.S.F. as followers, as such the question of paying wages/salaries to them by C.I.S.F. does not arise. It is seen from the records that these personnel were paid by M/s. B.C.C. Limited till date their services are discontinued."

Thus, from the evidence on record I arrive at the conclusion that the concerned workmen were paid wages from the coffers of M/s. B.C.C. Ltd.

16. The sponsoring union has stated in the written statement that the concerned workmen were performing the job of the management under the direct control and supervision of the management. The management on the other hand has asserted that the concerned workmen were working as followers of C.I.S.F. personnel on deputation and in the course of performance of their duties they served as cook, washermen, barbar etc. There is no vestige of evidence on record to indicate that the concerned workmen ever worked as cook, washermen, barbar etc. of C.I.S.F. personnel. On the other hand, WW-1 Fulendar Kumar Singh has stated that the concerned

workmen used to work on different jobs and for the matter of that he used to work in the Personnel Department of M/s. B.C.C. Ltd. He has asserted that their job was connected with coal industry and incidental to the job of coal industry. He has further stated that they were posted in different areas of M/s. B.C.C. Ltd. including its collieries and whenever any of them were posted in a colliery, he used to work under the supervision and control of the Agent of the Colliery and that all of them were working under the supervision and control of Senior Administrative Officer of M/s. B.C.C. Ltd. He has further stated that the management of M/s. B.C.C. Ltd. used to provide them with working implements. W.W. 2 Abdesb Prasad Singh has stated that in the course of performance of duty he had to work as duplicating machine attendant and the duplicating machine belonged to M/s. B.C.C. Ltd. and the machine renders services for M/s. B.C.C. Ltd. He has further stated that the materials for working the machine, such as, paper, ink etc were supplied by M/s. B.C.C. Ltd. and that he used to work under the direction of Shri S. Natarajan. Admittedly, Shri S. Natarajan was an officer of M/s. B.C.C. Ltd. but there is some controversy as to his actual designation which I will refer to at a later stage. Shri Yadav has denied that the Security Department of M/s. B.C.C. Ltd. had any duplicating machine, but the establishment of C.I.S.F. had a duplicating machine. W.W. 2 Abdesb Prasad Singh could not give the number of the duplicating machine and the name of the manufacturer of the said machine. Shri Joshi has criticised his evidence by submitting that since the witness could not give the number and the name of the manufacturer of the machine, his evidence is not worthy of credence. Then again, Shri Joshi has contended that the management had no duplicating machine in its Security Department as the evidence of Shri Yadav reveals. The literacy of this witness is not much; he is an unsophisticated man. It is too much to expect that he should provide the number and name of manufacturer of the machine. The existence of duplicating machine is not disputed. But according to Shri Yadav it belonged to C.I.S.F. Even if it is considered that M/s. B.C.C. Ltd. had no duplicating machine which I have reason to hold it had in view of the evidence of W.W. 2 Abdesb Prasad Singh and letter of Shri S. Natarajan (Ext. W-8), this machine tendered service for M/s. B.C.C. Ltd. as per the evidence of Shri Singh which has remained unshaken. Hence, I am not inclined to disregard the evidence of Abdesb Prasad Singh off the cuffs.

From the evidence on record it is evidenced that the concerned workmen were deployed for different jobs in the areas and collieries of M/s. B.C.C. Ltd. and that their job was supervised by the management of M/s. B.C.C. Ltd.

17. It appears from the evidence of Shri Yadav that since D.I.G. was looking after the security of M/s. B.C.C. Ltd. Shri S. Natarajan was posted as P.S. to D.I.G. It appears that by Office Order dated 6-2-1981 he was promoted to the post of Secretary with effect from 26-12-1980 and posted at Security Department (Ext. M-2). It further appears that Shri Natarajan wrote a letter dated 12-7-1982 to the Dy. Chief Personnel Manager (EE) claiming change in his

seniority position in the seniority list of executive (Ext. M-1/2). By letter dated 16-1-1984 Shri Natarajan requested the Director (Personnel) to cancel his order of transfer to Koyla Bhawan till he was fully cured of his ailment (Ext. M-1/1). Then again, he by letter dated 21-7-1984 (Ext. M-1) reported for duty as Secretary to Director (Project). It appears that Shri Natarajan by letter dated 1-3-1984 (Ext. W-8) informed Shri P.P. Singh, Asstt. Commandant (D.D.O., C.I.S.F., Jealgora about the posting of some security followers. This letter discloses that some of the security followers were working in the Motor Car Garage, one in Motor Cycle Garage, one in Secretary's residence, one each in the Despatch Section, Receipt Section and Stationery Section of M/s. B.C.C. Ltd., one in the Crime Section of M/s. B.C.C. Ltd. and three others in the Confidential Section of D.I.G./Chief of Security. This letter again underlines the fact that the security followers were engaged in different departments of M/s. B.C.C. Ltd.

Shri Natarajan has signed this letter as Senior Administrative Officer. This has come in for severe criticism from Shri Joshi. Shri Joshi who has submitted that Shri Natarajan was never a Senior Administrative Officer and so this letter is a manufactured one. But then, there is no evidence on record to indicate that this letter is a manufactured one. None of the witnesses for the management has stigmatised the letter as a manufactured one. Similarity and likeness of the signature of Shri Natarajan as appearing in Ext. M-1 series is discernable in this letter also. It may be that Shri Natarajan signed this letter on behalf of Senior Administrative Officer, but there is nothing on record to suppose that this letter is a manufactured one. The authenticity of his letter has remained beyond reproach for the reasons stated before. This letter highlights the fact that the followers were engaged in various departments of M/s. B.C.C. Ltd. for different jobs.

18. It appears that by Office Order dated 11-1-83 (Ext. W-5) as many as 15 followers of security departments were regularized and placed in Category-I as General Mazdoor by M/s. B.C.C. Ltd. This Office Order indicates that the management of M/s. B.C.C. Ltd. was not rigid and inflexible in considering regularisation of followers of the Security Department as General Mazdoors.

The sponsoring union has asserted that the Chief of Security of M/s. B.C.C. Ltd. by letter dated 9/11-2-1983 requested the management of M/s. B.C.C. Ltd. for regularisation of the concerned workmen as category-I workman and the Additional Chief Personnel Manager (IRW) by letter dated 25/28-2-1983 requested D.I.G./Chief of Security of M/s. B.C.C. Ltd. to furnish the required information for regularisation of the concerned workmen (Ext. W-11) and that the Chief of Security provided the information to the Additional Chief Personnel Manager. These statements of facts have not been disputed by the management. It is further case of the sponsoring union that after receiving the information, the Additional Chief Personnel Manager (IRW), Shri I. B. Pandey directed Shri B. N. Prasad, the then Additional Chief Personnel Manager (Est) by letter dated 15-3-1983 to finalise regularisation of the concerned workmen for their early

posting at Moonidih against requirement. The letter of Shri Pandey dated 15-3-1983 (Ext. W-9) has been produced and marked Ext. W-9. This letter reads as follows :

“Subject : Appointment of followers as Category-I Mazdoors against requirements in the collieries of BCCL.

Dear Sir,

DIG/Chief of Security has already forwarded the particulars of 43 persons alongwith four copies of their photographs.

You are requested to kindly finalise the case at the earliest so that they could be posted at Moonidih against the requirement.

This matter may kindly be treated as urgent.”

It appears that D.I.G./Chief of Security by letter dated 30/31-3-1983 addressed to Director of Personnel requested for engagement of followers of Security Department as Night Guard in Category-I, but that had been turned down by the management by letter dated 13-5-1983 (Ext. M-4=W-10). Shri Chauban, the then D.I.G./Chief of Security again requested the management for regularisation of the concerned workmen as Category-I worker (Ext. W-4). But nothing has come out of it. The management has taken the plea in its written statement that attempt was made to foist some followers on the management by way of regularisation of their services, but that was scuttled by the management. But this plea is not worthy of merit for the concerned workmen were appointed by the Chief of Security of M/s. B.C.C. Ltd. as followers and the concerned workmen were deployed for different jobs in different department/area/colliery of M/s. B.C.C. Ltd. and drawing wages from the coffers of the management. In the circumstances, they are considered to be the workmen of M/s. B.C.C. Ltd. and not the members of C.I.S.F. as claimed by the management. The Chief of Security tried to impress upon the management that the concerned workmen were drawn into service against requirement. The Additional Chief Personnel Manager (IRW) was satisfied about the merit of the case and requested the Additional Chief Personnel Manager (Estt) to finalise their case of appointment of the concerned workmen as Category-I Mazdoors at the earliest, so that they could be posted at Moonidih against requirement. This being the facts and circumstances and evidence on record, I am satisfied that the case of the concerned workmen for regularisation as Category-I Mazdoors in the service of M/s. B.C.C. Ltd. is well merited. But then, the services of the concerned workmen were dispensed with effect from June, 1984. The D.I.G./Chief of Security, C.I.S.F. by counter affidavit before the Hon'ble Supreme Court stated that the services of the concerned workmen were terminated by the Chief of Security of M/s. B.C.C. Ltd. In the present case the concerned workmen has claimed reinstatement in service with full back wages. In my view their demand for reinstatement is justified.

19 Before the final conclusion is drawn certain legal points as raised by Shri B. Joshi are required to be considered.

Firstly, the contention of Shri Joshi that the present industrial dispute is not maintainable as the concerned workmen being followers were members of C.I.S.F. and Section 20 of the Central Industrial Security Force Act, 1968 is a bar to the raising the industrial dispute by the members of the force has no substance in view of my finding that the concerned workmen were never the members of the force but the employees of M/s. B. C. C. Ltd.

Secondly, Shri B. Joshi has urged before me that upon similar facts and circumstances, the Central Govt. Industrial Tribunal No. 2 held in Reference No. 308 of 1986 (Ext. M-11) and this Tribunal in Complaint Case No. 1 of 1984 (Ext. M-12) held that the Central Government was not the appropriate Government to make the reference. Indeed, the conclusion arrived at by these Tribunals are so, but the facts are different. Ex-home guard followers of Bihar deployed for duty in M/s. BCCL claimed for their absorption in the Security Deptt. of M/s. B. C. C. Ltd. The Tribunals held upon the facts of the case that the B. C. C. Ltd. was not appointing authority of these Home Guard Followers and so the Central Government was not competent to make reference of the dispute for adjudication. Even so, Tribunal No. 2 has held that the management of M/s. BCCL had the moral responsibility of giving employment to the concerned persons of that case as they had worked in the B.C.C.L. continuously for a few days. But in the present case I have held that the concerned workmen were the employees of M/s. BCCL and so, the Central Government is the appropriate Government to make the reference.

Thirdly, Shri Joshi has contended that the present reference is not maintainable as the concerned workmen were not employed in a mine to carry on the job connected with or incidental with production of coal and in support of his contention he has cited the decision reported in 3 S. C. L. J. 1800.

Shri D. Mukherjee, authorised representative of the sponsoring union, has contended that the entire coal is a controlled industry. But Shri Mukherjee could not produce any Government Notification in support of his contention. On the other hand, it appears that by S. R. O. No. 68 dated 5-1-1957 the Central Government in pursuance of Sec. 2(a)(i) of the Industrial Disputes Act, 1947 specified the manufacture or production of coal, including coke and other derivatives as controlled industry. From the evidence on record, it is revealed that the concerned workmen were working on different jobs in different areas, collieries and offices of M/s. B. C. C. Ltd. M/s. B. C. C. Ltd. is the owner of their place of work. The concerned workmen by performing their jobs were assisting an operation incidental to the main work of the industry i.e. manufacture and production of coal including cokes and other derivatives. Hence, in my view they are engaged in an operation which is incidental to the manufacture or production of coal including cokes and other derivatives. I am fortified in this view by the decision of Hon'ble Supreme Court reported in 1963(II) I.L.J. 436 (J. K. Cotton Spinning and Weaving Mills Company Ltd. and Labour Appellate Tribunal of India). This being the position, I overrule the contention of Shri Joshi that the concerned workmen are not engaged in any operation incidental to the controlled industry.

20 It follows from my discussion that the concerned workmen are entitled to be regularised in service upon reinstatement with effect from the date when the present industrial dispute was raised i.e. from 26-10-88 and back wages as Category-I Mazdoor with effect from that date.

21. Accordingly, the following award is rendered--- the demand of the union for re-instatement of the concerned workmen with full back wages by the management of M/s. B. C. C. Ltd. is justified. The management is hereby directed to regularise the concerned workmen in service as Category-I Mazdoor after their re-instatement with effect from 26-10-88 and to pay back wages at par with Category-I Mazdoor with effect from that date.

S. K. MITRA, Presiding Officer

[No. L-20012/29/90-IR(Coal-I)]

नई दिल्ली, 5 अगस्त, 1991

का. घा. 2254:- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूच में, केन्द्रीय सरकार, मै. बी. सी. एल. का पुटके बलिहारी प्रोजेक्ट के प्रबंधन से बंधन निर्यातों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, में 2 अनुबंध के पंखाट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 31-7-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 5th August, 1991

S.O. 2254.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2 DHANBAD as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Putkee Balihari Project of M/s. BCCL and their workmen, which was received by the Central Government on 31-7-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

Reference No. 86 of 1986

PARTIES :

Employers in relation to the management of Putkee Balihari Project of M/s. Bharat Coking Coal Limited.

AND

their workmen

APPEARANCES :

On behalf of the workmen.—Shri D. Mukherjee, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union.

On behalf of the employers.—Shri R. S. Murthy, Advocate.

SATAE:—Bihar.

INDUSTRY:—Coal.

Dated, Dhanbad, the 24th July, 1991.

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012(208)85-D.III(A), dated, the 27th January, 1986.

SCHEDULE

"Whether the demand of Bihar Colliery Kamgar Union that Shri Rameshwar Sharma, Electrician should be promoted to Category-VI by the management of Putkee Balihari Project of M/s. Bharat Coking Coal Limited is justified? If so, to what relief the concerned workman is entitled and from what date?"

In this case both the parties appeared and filed their respective W. S., documents etc. Thereafter the case proceeded along its course. Subsequently at the stage of oral evidence when the case was fixed, both the parties appeared before me and filed a Joint petition of compromise. I heard both the parties on the said petition of compromise and I do find that the terms contained therein are fair, proper and beneficial to both the parties. Accordingly, I accept the same and pass an Award in terms thereof which forms part of the Award as Annexure.

B. RAM, Presiding Officer

[No. L-20012(208)85-D.III(A)IR(Coal-I)]

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. II

DHANBAD

Reference No. 80/86

Employer in relation to the Management of Pootkee Blihari Project.

AND

Their workman

JOINT COMPROMISE PETITION

The humble petition on behalf of the both parties most respectfully Sheweth :—

1. That the central Govt. Ministry of Labour New Delhi by a notification No. L-2001(208)/85-D.II(A) referred the industrial dispute for adjudication under clause D of Sub-section-1 of section 10 of I.D. Act, 1947 before the Hon'ble Tribunal.
2. That the parties discussed the aforesaid industrial dispute between themselves and settle the same on the following terms and conditions.

TERMS OF SETTLEMENT

3. Susequent to the reference, the parties have discussed this case in depth and it has been agreed that Sri Rameshwar Sharma, the workman concerned in this dispute will be given national seniority for his promotion in Category VI w.e.f. 23-8-83.
2. That it has been agreed that Shri Rameshwar Sharma will not be given any financial benefits or for that matter he will not claim any financial benefits for giving him national seniority w.e.f. 23-8-83.
3. That the management and the workman agreed to approach the Hon'ble Tribunal to pass an Award on the aforesaid terms of settlement.
4. That this settlement is fair and proper.
5. That it has been also agreed that 7 copies of settlement be filed before the Hon'ble Tribunal with request to pass an Award in terms of the settlement.

It is therefore prayer that your honour will be graciously pleased to accept the settlement and pass an Award in terms of settlement.

And for this act of Kindness, the parties shall ever pray.

WORKMAN

REPRESENTING EMPLOYERS

1. (R. Sharma)

(C. Mishra)

Addl. GM, P.B. Project.

(T. P. Jha)

Dy. C. P. M., P. B. Area.

Witness :—

Sign & name illegible

1. Inderjeet Singh

2. Kirpal

नई दिल्ली, 5 अगस्त, 1991

का. भा. 2255:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, यै. की सी.

सी. एम. की जारंगदिह कोलियरीज के प्रबंधन से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, सं. 2 धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 31-7-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 5th August, 1991

S.O. 2255.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2 Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Jarangdih Colliery of M/s. BCCL and their workmen, which was received by the Central Government on 31-7-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

In the matter of Industrial dispute under Section

(10)(1)(d) of the I.D. Act, 1947

Reference No 297 of 1986

PARTIES

Employers in relation to the management of Jarangdih Colliery of M/s. Central Coal-fields Ltd.

AND

Their workmen

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri D. Mukherjee, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union.

On behalf of the employers.—Shri R. S. Murthq, Advocate.

STATE.—Bihar .

INDUSTRY.—Cal.

Dated, Dhanbad, the 4th July, 1991

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-24012(20)/86-D.IV(B) dated, the 12th August, 1986.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Jarangdih Colliery of CCL., P. O. Jarangdih, in denying Gr. II wages to Sh. Phungi Gope who has been selected as Shovel Operator Gr. II by the Selection Committee is legal and justified ? If not, to what relief is the concerned workman entitled ?"

Soon after the receipt of the order of reference, the same was registered as Ref. No. 297 of 1986. Thereafter notices were served upon the parties. Both the parties appeared and filed their respective W. S. documents etc. When the case was fixed for oral evidence of the parties, both the parties appeared before me and filed a Joint Compromise petition

under their signature. I heard both the parties on said petition of compromise and I do find that the terms contained therein are fair, proper and beneficial to both of them. Accordingly, I accept the same and pass an Award in terms thereof which forms part of the Award as Annexure.

B. RAM, Presiding Officer
[No. L-24012/20/86-D.IV(B)IR (C I)]

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, DHANBAD.

In the matter of reference No. 297/86

PARTIES :

Employers in relation to the Management of
Jarangdih Colliery of Central Coalfields
Ltd., P.O. Jarangdih, Dist. Hazaribagh.

AND

Their workmen.

Joint compromise petition of the employees and
the workman concerned.

The above mentioned Employers and the workman concerned, Sri Fungi Gope, most respectfully beg to submit jointly as follows :—

(1) That the employers and the workman concerned, Sri Fungi Gope have jointly and directly negotiated the matter covered by the above reference with a view to arriving at an amicable and mutually acceptable settlement on an overall basis.

(2) That as a result of such direct negotiations between the Management and the workman concerned to settle the matter covered by the above reference on the following terms and conditions:—

(a) It is agreed that the Management shall place the workman concerned in Excavation Grade "B" as Shovel/Excavator operator on the minimum of the NCWA-III pay scale of that post w.e.f. 1-6-1984 and shall allow him annual increments to him thereafter in the said pay scale of that post as per the rules of the Management and shall also give him the corresponding benefits under N.C.W.A. IV w.e.f. 1-1-1987.

(b) It is agreed that as a result of clause (a) above, the workman concerned shall be paid the difference of wages between what he has actually drawn between 1-6-1984 and now and necessary adjustments shall be made within 3 months.

(c) It is agreed that this is an overall settlement agreement in full and final settlement of all the claims of the workman concerned arising out of the above reference.

(3) That the workman submits that he withdraws the authorisation given for representation of his case to B.C.K.U. and has decided to settle the case directly with the Management as mentioned in clause (2) above.

(4) That both the parties hereby confirm and declare that they consider that the aforesaid terms and conditions are just fair and reasonable to both the parties.

In view of the above both the parties most respectfully pray that the Hon'ble Tribunal may be pleased to accept this joint compromise petition and dispose of the matter by giving an award in terms thereof.
(Fungi Gope)

Workman concerned.

Date .

Sd/-

General Manager (KTA).
Kathara Area.
Central Coalfields Limited
Kathara.

For and on behalf of Employers.
(Raj S. Murthy),
Advocate,
for Employers.

का. भा. 2256 :- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, में, बी. सी. सा. एल. के प्रबन्धन से संबंधित नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, झरनदीह में निर्मित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, 1947 के प्रावधानों के प्रावधानों का प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 31-7-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2256.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2 Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Bharat Coking Coal Limited and their workmen, which was received by the Central Government on 31-7-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT
DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d)
of the I.D. Act, 1947.

REFERENCE NO. 248 OF 1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of
Ghanoodih Colliery of Bastacola Area IX
of M/s. B. C. C. Ltd.

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen : Shri D. Mukherjee,
Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union.

On behalf of the employers : Shri R.S. Murthy,
Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, Dhanbad, the 25th July, 1991

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-24012(11)/87-D.IV(B), dated the 24th August, 1987.

SCHEDULE

"Whether the Section of the Management of Ghanoodih Colliery of Bastacolla Area-IX of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Iharia, Distt. Dhanbad in dismissing Sri D.N. Mukharjee, Clerk from service is justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled?"

In this case both the parties appeared and filed their respective written statement, documents, etc. Thereafter the case proceeded along with its courses. Subsequently at the stage of oral evidence both the parties appeared before me and filed a petition of compromise. I heard both the parties on the said petition of compromise and I do find that the terms of settlement are fair, proper and beneficial to both of them. Accordingly, I accept the said petition of compromise and pass an award in terms thereof which forms part of the Award as annexure.

B. RAM, Presiding Officer,
[No. L-24012(11)/87 D.IV(B)/IRC (C-I)]
K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL
TRIBUNAL NO. 2, DHANBAD

Ref. No. 248/87

PARTIES :

Employers in relation to the Ghanoodih Colliery
of BCCL.

AND

Their Workmen.

The above mentioned parties most respectfully beg
to submit as follows :—

1. That the matter referred to the Hon'ble Tribunal in the above ref. has been mutually settled between the Management and the workman concerned.
2. That a Settlement was reached between the Management and the workman concerned on 15-2-90 whereby it was agreed that the workman concerned would be allowed to join his duty with immediate effect with continuity of service by treating the period of absence as DIES NON (i.e. extraordinary leave without pay) and that the said Settlement will resolve all the disputes in this case and the workman concerned will have no claim whatsoever in future against

the Management. A photo copy of the said settlement is annexed hereto (Annexure I).

3. That in implementation of the aforesaid Settlement dt. 15-2-90 the Management issued Office Order dt. 17-2-90 a copy of which is annexed hereto as Annexure II.
4. That in pursuance of the above Settlement and Office Order the workman concerned joined duty and ever since he has been working and the dispute covered by the above reference stood fully resolved.

It is, therefore, prayed that the Hon'ble Tribunal may be pleased to give an Award to the effect that the Management and the workman concerned mutually Settled the dispute and that no dispute exists any longer.

Sd/-
(D. N. MUKHERJEE)
Workman concerned.

Sd/-
(D. MUKHERJEE)
Secretary, BCKU
For & on behalf of
Workers. Dhanbad.

Sd/-
GENERAL MANAGER
Bastacolla Area IX
For & on behalf of employer.
Sd/-
Advocate
for Employer.

ANNEXURE I

BHARAT COKING COAL LIMITED
(A SUBSIDIARY OF COAL INDIA LIMITED)
BASTACOLLA AREA IX

Ref No. BCC : IX : 6-A : 90 dt. 15-2-90

MEMORANDUM OF SETTLEMENT ARRIVED
AT BETWEEN THE MANAGEMENT OF
BASTACOLLA AREA AND SRI D. N. MUKHER-
JEE EX-EMPLOYEE OF GHANOODIH
COLLIERY IN I.D. REFERENCE CASE NO. 248
OF 1987 PENDING BEFORE C.G.I.T.

NO. 2 DHANBAD.

Representing the Management Representing the
Workman

- | | |
|--|-------------------------|
| 1. Shri Sarvjeet Singh
Dy. CPM Area IX | 1. Shri D. N. Mukharjee |
| 2. Shri R. N. Singh,
Dy. P.M.(IR), Area IX. | |

In pursuance of letter No. BCCL/PER/IR/BCKJ/90/2305 dated 3-2-1990 the above mentioned settlement was arrived at on the undernoted terms & conditions.

Terms of Settlement :

1. That Shri D. N. Mukherjee will be allowed to join his duty with immediate effect with continuity of service creating the period of absence as "Dies-non".

2. A Warning letter will be issued to him with the instructions to be more careful in future.

3. This settlement will resolve all the dispute and he will have no claim whatsoever in future.

Sd/-
(SARVJEET SINGH)
Dy. Chief Personnel Manager.

Sd/-
(R. N. SINGH)
Dy. Personnel Manager (IR)

Sd/-
D. N. MUKHERJEE
Ex-employee, Ghandodih Colliery.

ANNEXURE II

BHARAT COKING COAL LIMITED (A Subsidiary of CIL)

Office of the General Manager
Bastacolla Area

Ref. No. BCC : IX : E-A : 90 : 300 Dated : 17-2-90

OFFICE ORDER

In pursuance of letter No. BCCL/PER/IR/BCMU-90-2305 dated 3-2-1990 Shri D. N. Mukherjee, clerk, Gandoodiah Colliery is hereby allowed to assume his duty in the Finance Department of Area Office with immediate effect with continuity of service treating the period of absence as "Dies-non". He is also warned to be more careful in future in his working.

He is directed to report to Finance Manager Bastacolla Area for further assignment of his duty.

This issues with the approval of Competent Authority.

SAVJEET SINGH, Dy Chief Personnel Manager

Distribution :

1. Person concerned,
2. A. F. M, Area IX
3. Agent, Gandoodih Colliery
4. Dy. Manager (Admn.), Ar. IX
5. Shri D. Mukherjee, Genl. Secy. B.C.K.U., Temple Road, Dhanbad.

Copy to : General Manager, Area IX

" Dy. General Manager, "

" General Manager (IR), Koyla Bhawan

" A. M. (T)-S Area IX.

नई दिल्ली, 7 अगस्त, 1991

का. आ. 2257--उत्पन्न अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री रणधीर सिंह, अवर सचिव को दिनांक 1-8-91 से अगला आदेश जारी होने तक उत्पन्न संरक्षी-1, दिल्ली के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या ए-22012/1/91--उत्पन्न]

आर. के. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 7th August, 1991

S.O. 2257.—In exercise of the powers conferred by Section 3 sub-section (1) of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby appoints Shri Ranbir Singh, Under Secretary as Protector of Emigrants-I, Delhi with effect from 1st August, 1991 till further orders.

[No. A-22612/1/91-Emig.]

R. K. GUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 7 अगस्त, 1991

का. आ. 2258--केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा अपेक्षित है कि सीमेंट उद्योग में सेवाओं को जिसे औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि 3 के अन्तर्गत निहित किया गया है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए उपयोगी सेवाएं प्रेषित किया जाना चाहिए।

अतः, अतः, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 3 के खण्ड (द) के उपखण्ड (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सत्कार्य प्रभाव से छः मास को कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस-11017/13/85-डी-1 (ए)/

New Delhi, the 7th August, 1991

S.O. 2258.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the services in the Cement Industry which are covered by entry 3 in the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purpose of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/13/85-D.I(A)]

का. आ. 2259 --कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध (संशोधन) अधिनियम, 1988 (1988 का 33) की धारा 1 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त संशोधन अधिनियम की धारा 20 के उपबंधों को 1 सितम्बर, 1991 के पहले दिन से लागू करने के लिए निर्धारित करती है।

[संख्या एस-70012/4/88-एस. एस.-II]

S.O. 2259.—In exercise of powers conferred by sub-section (2) of section 1 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions (Amendment) Act, 1988 (33 of 1988), the Central Government hereby appoints the 1st day of September, 1991 as the date on which the provisions of section 20 of the said Amendment Act shall come into force.

[No. S-70012/4/88-SS.II]

नई दिल्ली, 9 अगस्त, 1991

New Delhi, the 9th August, 1991.

का. मा. 2260:—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) का प्रा. 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 16-8-91 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध तमिलनाडु राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अपरि:—

“कोडम्बटूर जिले के पल्लवडम तालुक में राजस्व ग्राम पीड-मपल्ली, पपमपट्टी, पट्टानम तथा कालंगल के ग्रन्थगत आने वाले क्षेत्र”।

[सं. एस-38013/26/91-एस. एस. I]

ग. के. भट्टारार्थ, अवर सचिव

S.O. 2260.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 16th August, 1991 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section (1) of section 76 and 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Tamil Nadu namely:—

“The areas comprising revenue Villages of Peedampalli, Pappampatti, Pattanam and Kalangal in Palladam Taluk in Coimbatore District.”

[No. S-38013/26/91-SS.I]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.